RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 33 ■ अंक 351 ■ मुंबई, शनिवार 12 जुलाई 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

भारत के लिए चीन-पाक गठजोड़ की चुनौतियां
पेज-4

सावन मास के पहले दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया रुद्राभिषेक
पेज-6

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में रचा इतिहास
पेज-9

'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर देख झूमे फैंस
पेज-10

डोभाल की पाक को खुली चेतावनी

एक फोटो दिखा दो जहां भारत को नुकसान हुआ हो

ऑपरेशन सिंदूर पर हमें नाज

डोभाल ने कहा, 'टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस दौरान हमने स्वदेशी तकनीक इस्तेमाल की। हमने सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था। इनमें एक भी ठिकाना बॉर्डर के पास नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक थे। हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया।' उन्होंने कहा, आप एक ऐसे देश, एक ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार सालों से संकटग्रस्त और लहूलुहान रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि राष्ट्र की इस धारणा को जिंदा रखने के लिए उन्होंने कितना अपमान और तकलीफ सही होगी। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत एक राष्ट्र के रूप में हजारों सालों से अस्तित्व में है।'

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

आईआईटी मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर विदेशी मीडिया की रिपोर्टिंग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कई विदेशी समाचार एजेंसियों ने भारत को लेकर भ्रामक और तथ्यहीन जानकारी प्रकाशित की है। इसके साथ ही अजित डोभाल ने कहा कि भारत का ऑपरेशन बेहद ही सफल रहा। हमने पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें से एक भी नहीं चूका।

विदेशी मीडिया पर बरसे डोभाल

एनएसए डोभाल ने कहा कि विदेशी प्रेस ने कहा कि पाकिस्तान ने यह किया, वो किया... आप मुझे एक भी फोटो या सबूत दिखाइए जिसमें भारत में किसी इमारत को नुकसान हुआ हो, एक कांच तक टूटा हो... उन्होंने बातें लिख दीं और छाप दीं। उन्होंने आगे कहा कि विदेशी मीडिया द्वारा जारी की गईं सैटेलाइट तस्वीरों में 10 मई से पहले और बाद में पाकिस्तान के 13 एयरबेस दिखाए गए, चाहे वह सरगोधा हो, रहीम यार खान हो या चकलाला। मैं सिर्फ वही बता रहा हूं जो उन्होंने अपनी रिपोर्टिंग में छापा। हममें यह क्षमता है कि अगर हम चाहें तो पाकिस्तान के एयरबेस को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

भारतीय वायु सेना ने 15 ब्रह्मोस मिसाइलें दागीं

9 और 10 मई की दरम्यानी रात को भारतीय वायु सेना ने अन्य बलों के सक्रिय सहयोग से देशभर में फैले पाकिस्तानी वायु ठिकानों पर हमला किया और इस प्रक्रिया में, उनकी चीन समर्थित वायु रक्षा प्रणालियों को भी निष्क्रिय कर दिया। रक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों ने बताया कि भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तानी वायु सेना अड्डे को निशाना बनाने के लिए लगभग 15 ब्रह्मोस मिसाइलें दागीं, जिनका उद्देश्य विमान और अन्य अभियानों को लॉन्च करने की उनकी क्षमता को बाधित करना था।

पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे

एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हमें अपनी स्वदेशी तकनीक विकसित करनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र यहां किया गया था। हमें इस बात पर गर्व है कि इसमें कितनी स्वदेशी सामग्री थी... हमने पाकिस्तान के आर-पार नौ आतंकवादी ठिकानों पर निशाना साधने का फैसला किया, ये सीमावर्ती इलाकों में नहीं थे। हम कोई भी निशाना नहीं चूके। हमने इसके अलावा कहीं और निशाना नहीं साधा। यह उस बिंदु तक सटीक था जहां हमें पता था कि कौन कहां है? पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। आप मुझे एक भी तस्वीर बताइए, जिसमें भारत की तरफ से हुआ कोई नुकसान दिखाई दे रहा हो। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हम एक ऐसे देश और ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार वर्षों से संकटग्रस्त, लहूलुहान और अपमानित रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है... मुझे नहीं पता कि इस सभ्यता को जीवित रखने और राष्ट्र की इस धारणा को जीवित रखने के लिए उन्होंने कितने अपमान, अभाव और कष्ट सहे होंगे। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत, एक राष्ट्र के रूप में सहस्राब्दियों से अस्तित्व में है। अब से 22 साल बाद जब हम अपनी आजादी के 100 साल पूरे कर रहे होंगे, तब आप अपने करियर के शीर्ष पर होंगे।

लश्कर और जैश का खतरनाक प्लान

पाक आतंकियों के निशाने पर भारत

नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार की चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद नेपाल के रास्ते भारत के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इस बात की चेतावनी नेपाल के राष्ट्रपति के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने दी है। थापा ने यह बयान 9 जुलाई को काठमांडू में नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय संगोष्ठी के दौरान की। इस कार्यक्रम में दक्षिण एशिया में आतंकवाद के खतरों से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया और इसमें प्रमुख क्षेत्रीय विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया।

सेमिनार में वक्ताओं ने कहा कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का अक्सर नेपाल पर भी असर पड़ता है, जिससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को दिए जा रहे समर्थन को सार्क की प्रभावशीलता और व्यापक क्षेत्रीय एकीकरण में एक बड़ी बाधा बताया। सेमिनार में आतंकवाद-रोधी सहयोग को मज़बूत करने का आग्रह किया गया, जिसमें धन शोधन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई, ख़ुफ़िया जानकारी साझा करने में वृद्धि और भारत के साथ सीमाओं पर संयुक्त गश्त शामिल है। इसमें क्षेत्रीय पक्षों से आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड अपनाने से बचने का भी आह्वान किया गया। भारत के हालिया 'ऑपरेशन सिंदूर' जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकवादी शिविरों पर हमला किया। उसको सीमापार खतरों के प्रति एक सशक्त और प्रभावी प्रतिक्रिया के रूप में उद्धृत किया गया। साथ ही याद दिलाया गया कि आईसी-814 अपहरण और लश्कर-ए-तैयबा के नेतृत्व वाले पहलगाम हमले जैसी घटनाओं के कारण नेपाल असुरक्षित बना हुआ है, जिसमें एक नेपाली नागरिक सहित 26 नागरिक मारे गए थे। चर्चा का समापन करते हुए प्रतिभागियों ने एकीकृत और प्रभावी तरीके से आतंकवाद से निपटने के लिए एक समर्पित क्षेत्रीय तंत्र की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया।

भारत और नेपाल के बीच 1,751 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है, जिस पर बहुत कम सुरक्षा जांच होती है। इस सीमा के कारण आतंकवादियों के लिए भारत में घुसपैठ करना आसान हो जाता है और वे अक्सर अपनी पहचान छिपाने के लिए जाली नेपाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तान स्थित संगठनों के कई आतंकवादियों को नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने का प्रयास करते समय गिरफ्तार किया गया है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण 1999 में इंडियन एयरलाइंस की उड़ान IC-814 का अपहरण है।

आतंकी हमलों का नेपाल पर असर

द काठमांडू पोस्ट में इस सेमिनार का जिक्र भी हुआ जिसमें वक्ताओं ने कहा कि भारत में होने वाले आतंकी हमलों का असर नेपाल पर भी पड़ता है और इससे पूरे क्षेत्र की शांति व स्थिरता प्रभावित होती है। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने को सार्क (SAARC) जैसे क्षेत्रीय सहयोग मंचों की नाकामी का एक बड़ा कारण बताया। सेमिनार में सीमा पर संयुक्त गश्ती, मनी लॉन्ड्रिंग पर सख्ती, और इंटेलिजेंस शेयरिंग को मजबूती देने जैसे सुझाव दिए गए। वक्ताओं ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरा मापदंड अपनाने से बचने की भी अपील की।

Short News एक नजर

गंडक में डूबे पांच बच्चे 2 सगे भाइयों की मौत

बगहा। बिहार के बगहा में गंडक नदी में शुक्रवार दोपहर में नहाने गये पांच बच्चे डूब गये। इससे वहां अफरातफरी मच गई। घाट पर खड़े लोगों ने शोर मचाया तो स्थानीय लोगों व गोताखोरों के सहयोग से तीन बच्चों को नदी से निकाल लिया गया। लेकिन दो सगे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। दोनों के शव गोताखोरों ने मशक्कत कर निकाल लिये। इसमें से तीन बच्चों को लोगों ने आननफानन में अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने रतनमाला के वार्ड-32 के मो. असरफ का पुत्र मो. अरशद व (12) व मो. अफसर (11) को मृत घोषित कर दिया। वहीं असरगर अली के पुत्र बहसान अली (8)का इलाज चल रहा है। डॉ. एसपी अग्रवाल ने बताया कि तीन बच्चों को अस्पताल लाया गया था। उसमें दो की मृत्यु हो चुकी थी।

'धड़ल्ले से बन रहे फर्जी आधार कार्ड'

नई दिल्ली। फर्जी दस्तावेजों की मदद से आधार कार्ड बनवा चुके धारकों पर लगातार एक्शन हो रहा है। इन कार्रवाइयों के बीच उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है और निर्देश दिए हैं कि आधार कार्ड जारी करने के नियमों को ज्यादा सख्ती से लागू किया जाए। एलजी ने कहा कि धड़ल्ले से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध अप्रवासी आधार कार्ड हासिल करने में कामयाब हो गए हैं। एलजी वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव धर्मेंद्र को 15 जुलाई तक दिल्ली के सभी आधार नामांकन केंद्रों की एक विस्तृत सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है।

लाउडस्पीकर से अब मुक्त हुई मुंबई

- विधानसभा में मुख्यमंत्री का दावा
- हटाए गए 1608 लाउडस्पीकर

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि राज्य में अब तक 3367 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। मुंबई में पुलिस ने 1608 लाउडस्पीकर को हटाने की कार्रवाई की है। अब मुंबई में किसी भी धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर नहीं है। उन्होंने कहा कि मुंबई में 1150 मस्जिदों, 48 मंदिरों, 10 चर्च, 4 गुरुद्वारा और अन्य 148 जगहों से लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। विधानसभा में भाजपा के वरिष्ठ विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर का मामला ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाया। इसके

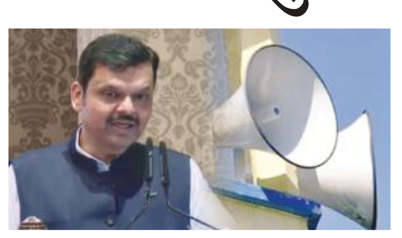

जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक याचिका के संदर्भ में लाउडस्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर कानूनी रूप से क्रियान्वयन के लिए गाइड लाइन जारी की है। इस अनुसार पुलिस महासंचालक ने एक एसओपी तैयार की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई पुलिस ने धार्मिक स्थल के लाउडस्पीकर आपसी सामंजस्य से हटाए हैं। इस दौरान कोई धार्मिक तनाव या एफआईआर नहीं हुई।

सुबह 10 बजे के भोंगे को लेकर शिकायत

चर्चा के दौरान राकांपा अजित पवार गुट के विधायक अनिल पाटिल ने सवाल किया कि उन्हें रोजाना सुबह 10 बजे वाले बजने वाले लाउडस्पीकर को लेकर शिकायत है। उनका इशारा शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत की तरफ था। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ध्वनि प्रदूषण को लेकर कानून है, लेकिन विचारों के प्रदूषण को लेकर कोई कानून नहीं है। चर्चा में भास्कर जाधव, आदित्य ठाकरे आदि ने भाग लिया।

'राधिका के सीने में 4 गोलियां मारी गईं'

गुरुग्राम। टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। इसके मुताबिक राधिका को सीने पर 4 गोलियां मारी गईं, जबकि पुलिस की FIR में कहा गया था कि आरोपी ने पीछे से तीन गोलियां चलाई थीं। सरकारी अस्पताल के बोर्ड के सदस्य और सर्जन डॉ. दीपक माथुर ने फोन पर बातचीत में पुष्टि की कि राधिका को 4 गोलियां मारी गईं और सभी गोली के निशान उसके सीने पर पाए गए। डॉ. माथुर ने बताया कि सभी गोलियां शरीर से निकाल ली गई हैं और फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दी गई हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि आरोपी की स्वीकारोक्ति और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंतर क्यों है? पुलिस द्वारा दर्ज FIR के अनुसार आरोपी दीपक यादव, जो राधिका का पिता है, उसने खुद स्वीकार किया था कि उसने पीछे से राधिका पर गोली चलाई।

'चुनाव आयोग को नहीं दे सकते बेलगाम ताकत'

एक देश एक चुनाव पर JPC से बोले पूर्व CJI

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

'एक देश एक चुनाव' पर भाजपा सांसद पीपी चौधरी के नेतृत्व वाली जेपीसी की बैठक शुक्रवार (11 जुलाई, 2025) को हुई है। जेपीसी की बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर ने अपने प्रस्तुतीकरण में कहा कि यह विधेयक सिद्धांततः संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चुनाव आयोग की भूमिका गहन जांच के दायरे में आ गई है क्योंकि उसे अत्यधिक शक्तियां प्रदान करने के प्रस्ताव पर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं और इस धारा के पुनर्मूल्यांकन के लिए राष्ट्रीय बहस की आवश्यकता है।

वहीं, दोनों पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने जेपीसी को यह सुझाव दिया कि चुनाव आयोग के इतनी बेलगाम ताकत नहीं दी जानी चाहिए, जितनी की संशोधन बिल में प्रस्तावित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक सिस्टम होना चाहिए। इसके अलावा, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और जे. एस. खेहर ने संसदीय समिति को सुझाव देते हुए कहा कि चुनावों के संचालन के लिए एक निगरानी तंत्र होना चाहिए। इस बैठक में जेपीसी के चेयरमैन और भाजपा सांसद पीपी चौधरी ने कहा कि शुक्रवार को जेपीसी की बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश जे. एस. खेहर और न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ शामिल हुए. उनसे हमनें वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर जो संवैधानिक सवाल हैं, उनको लेकर उनकी राय जानी। उन्होंने कहा कि हमने अब तक महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश , हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और चंडीगढ़ में वहां की सरकार और अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ बातचीत की है। हम पक्ष और विपक्ष सबके सुझाव लेना चाहते हैं, जिससे सबके बारे में जानकारी हो सके।

मणिपुर में जल्द कायम होगी स्थायी शांति

जातीय हिंसा को जड़ से खत्म करने लिए केंद्र ने बना लिया प्लान

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा के बीच केंद्र सरकार कुकी और मैतई समुदाय के नेताओं को एक साथ बैठाकर मीटिंग कराने की योजना तैयार कर रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि यह मीटिंग इस साल नवंबर या दिसंबर में हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस पूर्वोत्तर राज्य में पिछले कुछ समय में बड़े पैमाने पर अवैध हथियारों का जब्तीकरण, हिंसा के मामलों में कमी, शांति के मामलों में प्रयासों के बीच केंद्र सरकार यह कदम उठाने पर विचार कर रही है। मणिपुर में यदि अगले कुछ महीनों तक स्थिति सामान्य रही तो राज्य में शांति के लिए केंद्र सरकार मैतई और कुकी समुदाय के नेताओं की आमने-सामने मीटिंग कराएगी। अधिकारी ने बताया कि दोनों समुदायों के नेताओं ने गृह मंत्रालय की अपनी अलग-अलग बैठक में संकेत दिया है कि वह मणिपुर में शांति चाहते हैं और मीटिंग के लिए तैयार हैं।

कैंटीन मारपीट मामला

विधायक गायकवाड़ के खिलाफ मामला दर्ज

महानगर नेटवर्क
मुंबई

एमएलए हॉस्टल की कैंटीन में शिवसेना विधायक के कैंटीन कर्मचारी से मारपीट मामले की जांच शुरू हो गई है। मामले में मुंबई पुलिस ने शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा कि घटना की जांच शुरू करने के लिए पुलिस को औपचारिक शिकायत का इंतजार करने की कोई जरूरत नहीं है। पुलिस को मामले की जांच करनी चाहिए। अगर यह संज्ञेय अपराध है तो उचित कार्रवाई करनी चाहिए। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने एक कैंटीन कर्मचारी की पिटाई कर दी थी और खाने की खराब गुणवत्ता

फडणवीस बोले- पुलिस अपना काम करेगी

का आरोप लगाया था। मामले का वीडियो वायरल होने के बाद संजय गायकवाड़ सरकार और विपक्ष के निशाने पर आ गए थे।

पिछले दिनों मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा था कि इस तरह का व्यवहार विधायकों द्वारा अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने के बारे में गलत संदेश देता है। वहीं गृह राज्य मंत्री और शिवसेना विधायक योगेश कदम ने कहा था कि पुलिस गायकवाड़ के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती, क्योंकि इस संबंध में उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

इस पर शुक्रवार को मुंबई पुलिस ने कहा कि कैंटीन कर्मचारी मारपीट मामले में शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ गैर-संज्ञेय अपराध दर्ज किया जा रहा है। उनके खिलाफ मरीन ड्राइव पुलिस थाने में अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि पुलिस को हमले की जांच करनी चाहिए। जांच शुरू करने के लिए शिकायत की कोई आवश्यकता नहीं है।

छांगुर बाबा को मुस्लिम देशों से मिले 500 करोड़

नेपाल के रास्ते आया पैसा ● धर्मांतरण में होता था खर्च

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश की एंटी टेरर स्क्वॉड (ATS) ने शुक्रवार को एक सनसनीखेज खुलासा किया है। एटीएस ने बताया कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को पिछले तीन वर्षों में लगभग 500 करोड़ का विदेशी फंड प्राप्त हुआ। इसमें से 200 करोड़ की रकम आधिकारिक बैंकिंग माध्यमों से भारत पहुंची, जबकि 300 करोड़ अवैध हवाला चैनलों के माध्यम से नेपाल से भारत लाए गए। ये पैसे मुस्लिम देशों से आए। भारत में धर्मांतरण करवाने के इरादे से ये पैसे छांगुर बाबा को भेजे गए।

एटीएस की जांच में सामने आया है कि नेपाल के काठमांडू, नवलपरासी, रूपनदेही और बांके जैसे सीमावर्ती जिलों में 100 से

अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें पैसे जमा किए गए। ये फंड पाकिस्तान, दुबई, सऊदी अरब और तुर्की जैसे मुस्लिम बहुल देशों से आए थे। इन खातों से पैसा नेपाल में स्थानीय एजेंटों के माध्यम से भारत पहुंचाया गया। एजेंट इसके एवज में 4-5% कमीशन लेते थे। कई बार पैसे कैश डिपॉजिट मशीन (CDM) के जरिए जमा किए गए। नेपाल से भारत आने के बाद फंड को बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर जैसे जिलों में स्थानीय मनी एक्सचेंजर्स के माध्यम से भारतीय रुपये में बदला गया। बिहार के मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्णिया, किशनगंज, चंपारण और सुपौल जिलों के एजेंट भी इस अवैध फंडिंग नेटवर्क में शामिल पाए गए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक फंडिंग

एटीएस के अनुसार, सबसे अधिक विदेशी फंडिंग अयोध्या जिले में पहुंची, जहां कथित तौर पर हिंदू लड़कियों का धर्मांतरण कराया गया। छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों से जुड़े 40 बैंक खातों की जांच शुरू हो चुकी है। जांच के दौरान नवीन रोहरा के छह बैंक खातों में 34.22 करोड़ और नसरीन के खातों में 13.90 करोड़ मिलने की पुष्टि हुई है।

अमेरिकी सांसद बोले

'रूस से तेल खरीदने वालों को मिलेगी सजा'

नई दिल्ली। अमेरिका को भारत और रूस की दोस्ती अब ज्यादा ही खटकने लगी है। दो बड़े अमेरिकी नेता लिंडसे ग्राहम (रिपब्लिकन) और रिचर्ड ब्लूमेंथल (डेमोक्रेट) ने मिलकर एक बिल पेश किया है, जिसमें रूस से तेल और यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर ज्यादा टैक्स लगाने की बात कही गई है। इसमें खासतौर पर भारत और चीन है जो 70 फीसदी ऊर्जा उत्पाद रूस से खरीदता है। इस बिल का नाम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट ऑफ 2025 दिया गया है। इस बिल के मुताबिक अगर कोई देश रूस से तेल, गैस या यूरेनियम खरीदता है तो उस देश से अमेरिका में आने वाले सामान पर 500 फीसदी का टैक्स लगेगा। अमेरिकी नेता रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि दुनिया ऊर्जा के लिए रूस पर निर्भर न रहे और यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस को सजा दी जा सके।

अंडमान-निकोबार द्वीप में फंसी अमेरिकी नाव

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा प्वाइंट से दक्षिण-पूर्व में खराब मौसम में फंसी एक अमेरिकी नौका और उसके चालक दल के दो सदस्यों को बचाया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल के समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी), पोर्ट ब्लेयर को 10 जुलाई को सुबह 11:57 बजे चेन्नई स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से एक सूचना प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि नौका 'सी एंजेल' और उसके चालक दल

दूतावास ने फोन कर मांगी भारत से मदद

के दो सदस्य इंदिरा प्वाइंट से 52 समुद्री मील दूर दक्षिण-पूर्व में फंसे हुए हैं। चालक दल के सदस्यों में से एक अमेरिका और एक तुर्किये का नागरिक है। आईसीजी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नौका बेहद खराब मौसम में फंस गई थी, उसके प्रोपेलर में कुछ फंस गया था, जिससे वह आगे बढ़ नहीं पा रही थी। MRCC पोर्ट ब्लेयर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 'इंटरनेशनल सेफ्टी नेट' (आईएसएन) को सक्रिय कर दिया, आस-पास के सभी मालवाहक जहाजों को सतर्क कर दिया और बचाव अभियान शुरू किया। ICG ने बताया कि इसके बाद तत्काल सहायता करने के लिए आईसीजीएस राजवीर को दोपहर दो बजे भेजा गया। उसने बताया, 'पेशेवर रवैये और सटीकता का प्रदर्शन करते हुए, आईसीजीएस राजवीर शाम 5:30 बजे तक नौका के पास पहुंच गया, उसने चालक दल के साथ संचार स्थापित किया और घटनास्थल का निरीक्षण किया।'

गणेश मंडलों को कोई परेशानी नहीं होगी: लोढा

मंत्री ने की गणपति मंडलों के साथ समन्वय बैठक

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबई में मनाया जानेवाला गणेशोत्सव विश्वप्रसिद्ध है और इस वर्ष यह उत्सव अविस्मरणीय रूप में मनाया जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि गणेश मंडलों और भक्तों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो,ऐसा आश्वासन राज्य के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने दिया। मंत्री लोढा की अध्यक्षता में मुंबई महानगरपालिका के डी विभाग कार्यालय में गणेश मंडलों के साथ समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में महापालिका के उपायुक्त मनीष वलंजू, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति के सचिव गिरीश वालावलकर और गणेश मंडलों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मंत्री लोढा ने उपस्थित गणेश मंडलों के पदाधिकारियों से संवाद सांझा किया और उनकी समस्याओं को समझा। उन्होंने उन समस्याओं के समाधान हेतु महापालिका अधिकारियों को त्वरित निर्देश दिए। गणेश मूर्तियों के आगमन और विसर्जन के दौरान होने वाली यातायात की भीड़ को देखते हुए उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए कि रास्तों पर खड़ी लावारिस और अवैध रूप से पार्क की गई गाड़ियों को तुरंत हटाया जाए ताकि मार्ग सुगम रहे।

इस वर्ष से यह उत्सव विशेष अंदाज में मनाया जाएगा

मंत्री मंगल प्रभात लोढा ने स्पष्ट किया कि गणेशोत्सव को राज्य उत्सव का दर्जा मिल चुका है और इस वर्ष से यह उत्सव विशेष अंदाज में मनाया जाएगा। मुंबई महापालिका, बेस्ट प्रशासन और पुलिस विभाग के सहयोग से दक्षिण मुंबई के ताड़देव, गिरगांव, वालकेश्वर,खेतवाड़ी और लमिंग्टन रोड जैसे क्षेत्रों में विविध प्रकार की सजावट की योजना भी बनाई जा रही है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर समितियों का गठन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी अपील की कि न्यायालय के निर्देशों और कानून व्यवस्था का पालन करते हुए सभी लोग मिलकर यह उत्सव भव्य और उत्साहपूर्वक मनाएं।

हॉस्पिटल में इलाज के दौरान महिला की मौत

परिजन ने डॉक्टर को बताया मौत का जिम्मेदार

महानगर संवाददाता

पालघर

पालघर के कांता हॉस्पिटल में 40 वर्षीय आदिवासी महिला विजया रमेश भुरकुड की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला के परिजन ने इसके लिए डॉक्टर को जिम्मेदार ठहराया और लापरवाही का आरोप लगाया है। यह महिला पालघर के माकुणसार ग्रामपंचायत क्षेत्र में स्थित करसोंडा डोंगरी पाडा की रहने वाली थी। मृतक महिला के पति रमेश दत्तू भुरकुड ने बताया कि उनकी पत्नी के पेट में दर्द के कारण सोमवार को जांच कराने के लिए कांता हॉस्पिल लेकर गए थे। जांच के बाद डॉ.तुरंत ऑपरेशन करने और 50 हजार रुपए जमा करने के लिए कहा। बाद में पैसे देने के शर्त के बाद डॉ.ने मंगलवार को महिला के गर्भाशय का ऑपरेशन कर दिया,लेकिन गुरुवार को महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन का आरोप कि अपनी गलतियों का छिपाने के लिए डॉक्टर ने मौत होने के बाद ऑक्सीजन लगाकर महिला को सिलवासा ले जाने को कहा। साथ में कहा कि इसकी मौत हो सकती है उसके लिए मैं जिम्मेदार नहीं रहूंगा। लेकिन जब हमने देखा तो उस वक्त उसकी सांसे बंद हो गई थी। जिसके बाद एंबुलेंस कर उसे पालघर सरकारी हॉस्पिटल में भेजा। कांता हॉस्पिटल से पालघर सरकारी हॉस्पिटल की दूरी महज दस कदम है, लेकिन इतनी ही दूर का एंबुलेंस चालक ने दो हजार रुपए किराया लिया।

“ हार्ट अटैक से हुई मौत: डॉक्टर

वहीं, इस मामले लेकर ऑपरेशन करने वाले डॉ. राजेन्द्र चव्हाण ने बताया कि गर्भाशय से हो रहे रक्तस्राव के कारण ऑपरेशन किया था। ऑपरेशन के तीसरे दिन पति के साथ बाथरूम जाकर आने के हार्ट अटैक के कारण उसकी मौत हो गई।

टैक्स में बढ़ोत्तरी से भड़के होटल-रेस्टोरेंट और बार मालिक

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र में होटल और रेस्टोरेंट उद्योग सरकार की कर नीतियों के खिलाफ खुलकर सामने आ गया है। इंडियन होटल एंड रेस्टोरेंट असोसिएशन (AHAR) ने सोमवार, 14 जुलाई को राज्यव्यापी बंद का ऐलान किया है। इस बंद के तहत पूरे महाराष्ट्र में सभी परमिट रूम्स और बार पूरी तरह से बंद रहेंगे। उद्योग से जुड़े संगठनों का आरोप है कि सरकार ने हाल ही में शराब पर वैट को दोगुना कर दिया है,जिससे होटल और बार उद्योग पर आर्थिक बोझ कई गुना बढ़ गया है। इसके अलावा, लाइसेंस फीस में 15% की वृद्धि और एक्साइज ड्यूटी में 60% की भारी बढ़ोतरी ने उद्योग जगत को झकझोर कर रख दिया है।

टैक्स में इजाफे पर जताई नाराजगी

AHAR और अन्य संगठनों का कहना है कि यह टैक्स बढ़ोतरी न केवल व्यापार के लिए नुकसानदायक है,बल्कि छोटे और मध्यम स्तर के होटलों तथा बारों के अस्तित्व पर सीधा खतरा बन गई है। हजारों लोगों की नौकरियों और लाखों परिवारों की रोज़ी-रोटी इस संकट से प्रभावित हो सकती है। AHAR के अध्यक्ष ने बयान जारी कर कहा, सरकार की हालिया कर नीति बेहद अन्यायपूर्ण है।

सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति

AHAR का कहना है कि यह बंद कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि उद्योग के अस्तित्व की लड़ाई है। एसोसिएशन की ओर से जारी बयान में कहा गया, हम सरकार से न्यायसंगत कर नीति और स्थिर व्यापारिक माहौल की मांग कर रहे हैं। अगर हमारी बात नहीं सुनी गई, तो आंदोलन की दिशा और तीव्रता दोनों बदल सकती है।

बंद का पूरे राज्य में प्रभाव

14 जुलाई को घोषित बंद पूरे महाराष्ट्र में प्रभावी रहेगा। बंद के दौरान सभी परमिट रूम्स, बार और शराब परोसने वाले होटल-रेस्टोरेंट पूरी तरह बंद रहेंगे। संगठन ने साफ किया है कि यह बंद शांतिपूर्ण रहेगा, लेकिन यदि सरकार ने अब भी संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन और उग्र हो सकता है। बंद का असर मुंबई, पुणे, नासिक, औरंगाबाद, नागपुर जैसे प्रमुख शहरों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी देखने को मिलेगा। होटल, बार और रेस्टोरेंट से जुड़े अन्य संगठनों ने भी AHAR के इस आह्वान को समर्थन देने की बात कही है।

युवक का अपहरण कर यौन शोषण

पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर एक आरोपी को किया गिरफ्तार, तीन फरार

मुंबई। दक्षिण मुंबई में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक 19 वर्षीय युवक का अपहरण कर उसके साथ अमानवीय अत्याचार और यौन शोषण किया गया। यह घटना भुलेश्वर के कालबादेवी रोड स्थित एक ऑफिस में घटी। मुंबई पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीन आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक दक्षिण मुंबई का निवासी है और वहीं नौकरी करता है। उसे और उसके परभणी से आए दोस्त को जबरन एक चार पहिया वाहन में बैठाकर आरोपी धीरज, भरत और पंजुभाई गोस्वामी पहले पुणे ले गए और बाद में मुंबई लाए। पूरे सफर के दौरान और फिर भुलेश्वर स्थित कार्यालय में इन दोनों युवकों को अवैध रूप से कैद कर उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने युवक को हाथ, बेल्ट और पैरों पर प्रहार कर गंभीर रूप से घायल किया।

विधानसभा में गूंजा वसई-विरार में ड्रग्स तस्करी का मुद्दा

स्थानीय पुलिस की मिलीभगत पर उठे सवाल

वसई। वसई-विरार क्षेत्र तेजी से ड्रग्स तस्करी के एक बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है और यह गंभीर मुद्दा अब महाराष्ट्र विधानसभा तक पहुंच गया है। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सदन में इस विषय पर गहन चर्चा की और ड्रग्स तस्करों के साथ कथित रूप से शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विधायक दुबे पंडित ने सदन में बताया कि पिछले छह महीनों में शहर से 1800 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई है। उन्होंने विशेष रूप से कामन में स्थित ड्रग्स बनाने वाली एक फैक्ट्री पर अब तक कोई कार्रवाई न होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस नाइजीरियाई नागरिकों को तो गिरफ्तार करती है, लेकिन स्थानीय ड्रग्स पैडलरों को छोड़ देती है,जिससे पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। अचोले पुलिस स्टेशन के पास एक टपरी में खुलेआम ड्रग्स बेचे जाने का उल्लेख करते हुए, विधायक ने सवाल किया कि क्या पुलिस को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है और क्या इसमें किसी पुलिसकर्मी की मिलीभगत है। उन्होंने यह भी चिंता व्यक्त की कि ड्रग्स की जानकारी देने वाले शिकायतकर्ताओं और मुखबिरों की सुरक्षा एक बड़ा सवाल है, क्योंकि वे अपनी जान जोखिम में डालकर यह सूचना देते हैं। पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, करोड़ों रुपए की ड्रग्स तस्करी के मामलों में सौ से अधिक नाइजीरियाई नागरिक पकड़े गए हैं। नालासोपारा के प्रगति नगर और हनुमान नगर इलाकों में बड़ी संख्या में नाइजीरियाई नागरिक रहते हैं, जिनमें से कई के वीजा और पासपोर्ट की अवधि समाप्त हो चुकी है। ये लोग संगठित रूप से ड्रग्स तस्करी के कारोबार में लिप्त हैं और युवा पीढ़ी को नशे की दलदल में धकेल रहे हैं।

वसई-विरार बना ड्रग्स तस्करी का गढ़

बेस्ट बस हुई दुर्घटना ग्रस्त, छह यात्री जख्मी

मुंबई। शुक्रवार सुबह 6:30 बजे वडाला डिपो से निकली वेट लीज बस जो दिंडोशी से सेवरी बस स्टेशन की ओर जा रहीथी, वह वानराई पुलिस स्टेशन के सामने एक डंपर से दुर्घटना का शिकार हो गई। जिसमें बस चालक सहित अन्य छह लोग जख्मी हो गए घायलों को इलाज केलिए मनपा के ट्रामा केअर ले जाया गया जहां सभी की हालत स्थिर बताई गई । मिली जानकारी के अनुसार बेस्ट कि बस जब उक्त स्थान पर पहुंची, उसी समय एक निजी कार अचानक सर्विस रोड से बस के सामने आ गई। इस कारण बस चालक का नियंत्रण छूट गया और बस बाईं ओर खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में बस चालक, कंडक्टर और 6 यात्री घायल हो गए। घायलों में अशरफ शाहिद हुसैन (उम्र 66), सीताराम गायकवाड (उम्र 60), भारती मंडवकर (उम्र 56), सुधाकर रेवले (उम्र 57), पोचिया नरेश कानपोची (उम्र 30) और अमित यादव (उम्र 35) हैं।

मनपा ने मीठी नदी के काम में की कटौती

महानगर संवाददाता

मुंबई

हर साल बारिश में मिठी नदी में आने वाली बाढ़ से मुंबई वासियों को राहत दिलाने के लिए इस नदी के विकास कार्यों को चार चरणों में पूरा करने की योजना बनाई गई थी। इन चारों चरणों में से तीसरे चरण में आने वाले विहार पथ और अन्य कुछ कार्यों को अब मुंबई महानगरपालिका ने हटाने का निर्णय लिया है। इस फैसले से मनपा को करीब 350 करोड़ रुपये की बचत होगी।

तीसरे चरण के तहत सीएसएमटी रोड, कुर्ला से माहिम कॉजवे तक के पैकेज-3 में शामिल विभिन्न कार्य पिछले दो वर्षों से टेंडर प्रक्रिया में ही अटके हुए थे। इन कार्यों में मिठी नदी और वाकोला नदी से निकलने वाले गंदे पानी को मलनिःसारण पाइपलाइनों की ओर मोड़ना, मिठी नदी की शेष 300 मीटर लंबाई का चौड़ीकरण और गहराईकरण, सुरक्षा दीवार, सेवा मार्ग, लगभग 8,850 मीटर लंबा विहार क्षेत्र और बाढ़ नियंत्रण दरवाजों का निर्माण शामिल था। मार्च 2023 में इसके लिए पहली बार टेंडर निकाला गया था ।, लेकिन पुराने दरों और टेंडर दस्तावेजों की तकनीकी कमियों के कारण यह प्रक्रिया बार-बार टलती रही। अक्टूबर 2023 से कार्य शुरू करने का लक्ष्य था, जो पूरा नहीं हो सका। बाद में पुनः टेंडर निकाला गया । जिसमें कंपनियों ने रुचि दिखाई, लेकिन विहार क्षेत्र, सेवा मार्ग और सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों के कारण लागत काफी बढ़ गई थी। मनपा प्रशासन ने अतिरिक्त कार्यों को हटाने का फैसला किया । फिलहाल तीसरे चरण की अनुमानित लागत 2400 करोड़ रुपये थी ।

बचत हुई 350 करोड़

मराठा आरक्षण मार्च 29 अगस्त को मंत्रालय पहुंचेगा: जरांगे पाटील

मुंबई। मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन चला रहे मनोज जरांगे पाटील ने मराठा समुदाय के लिए ओबीसी श्रेणी में आरक्षण और 'सगे-संबंधी लाभ' के लिए अध्यादेश लाने की दो प्रमुख मांगों को ध्यान में रखते हुए 29 अगस्त को महाराष्ट्र मंत्रालय तक मार्च निकालने की घोषणा की है। श्री जरांगे ने गंगाखेड़ तालुका के धारसूर गाँव में एक 'चावड़ी सभा' (सामुदायिक सभा) को संबोधित करते हुए, समुदाय के सदस्यों से दो दिनों के लिए मुंबई में इकट्ठा होने का आग्रह किया और उनसे वादा किया, "तीसरे दिन, हम जीत का जश्न मनाएँगे।" उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रैली में मराठों की भारी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि यह मार्च 27 अगस्त को अंतरवाली सरती से शुरू होगा, जो पैठन, शेवगांव, अहिल्यानगर, अलेफाटा, मालशेज घाट, कल्याण, वाशी और चेंबूर से होते हुए मुंबई में मंत्रालय पहुंचेगा। रैली की तैयारी के लिए जरांगे पाटील मराठवाड़ क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका आंदोलन लाखों मराठा आंदोलनकारियों को साथ लेकर आएगा और राज्य सरकार के समक्ष अपनी ताकत का ऐतिहासिक प्रदर्शन करेगा।

स्वानंद बाबा आश्रम में गुरुपूर्णिमा उत्सव का भव्य आयोजन

महानगर संवाददाता

मुंबई

गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर स्वानंद बाबा आश्रम में श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में समारोह का आयोजन किया गया। आश्रम के ट्रस्टी और बाबा के प्रमुख शिष्य प्रेम शुक्ल ने सपरिवार स्वानंद बाबा की समाधि का पूजन, दुग्धाभिषेक और हवन संपन्न कराया। इस अवसर पर गायक शिवसागर मिश्र के नेतृत्व में संगीतमय सुंदरकांड पाठ आयोजित किया गया,जिसमें भक्तों ने भावविभोर होकर भाग लिया। पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा की मधुर गूंज सुनाई दी। समारोह में प्रमुख रूप से पं. दुर्गाप्रसाद पाठक, शांति शुक्ला, प्रेम मेघनानी, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, श्री सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, मुंबई भाजपा के प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोईटे, अभय मिश्रा, विजय सिंह कौशिक, सूर्यप्रकाश मिश्र, आनंद मिश्रा, राजेश विक्रांत, श्रीनारायण तिवारी, वीरेंद्र मिश्रा, पुष्पराज मिश्रा, नागेंद्र शुक्ला, महेश शर्मा, राकेश पांडे, लोकगायक सुरेश शुक्ला,ओमप्रकाश मिश्र, अनिल मिश्र,दीपक सिंह,संजीव साहू,गुड्डू पाठक,संतोष पाठक, गामा मिश्र, सोनू सिंह सुरीला सहित अनेक श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरुतत्त्व के महत्व को उजागर करना और स्वानंद बाबा की शिक्षाओं का स्मरण करते हुए समाज में उनके संदेश को आगे बढ़ाना था।

पश्चिम रेलवे पर रविवार को कोई दिवस कालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई। रेलपथ,सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु 12/13 जुलाई यानी शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि में सांताक्रुज़ और गोरेगांव स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन और 5 वीं लाइन पर 00.30 बजे से 04.00 बजे तक 03.30 घंटे का जंबो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ब्लॉक अवधि के दौरान अप फास्ट लाइन की ट्रेनें गोरेगांव और माहिम स्टेशनों के बीच धीमी लाइन पर चलाई जाएंगी। तदनुसार, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 13 जुलाई, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)
निविदा सूचना

(प्रथम आमंत्रण)

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत ₹ (लाख में)
1	2	3
175/161038	MOW WORK OF HONOURABLE MINISTER'S BUNGALOW FOR M-11,M-12,M-14 & M-16 AT SECTOR 24 NAYA RAIPUR, DISTT- RAIPUR (C.G)	₹ 100.00 लाख
176/171039	PAINTING, NCE & BOUNDARY WALL RECONSTRUCTION WORK OF NEELMAYUR VIBHAGIYA PARISAR APARTMENT, D.D. NAGAR AT RAIPUR UNDER NCE SUB-DIVISION RAIPUR (C.G.)	₹ 85.76 लाख
173/171040	WHITE WASHING / COLOUR WASHING /DISTEMPERING PAINTING WORK AT SCINECE COLLAGE CAMPUS, KOTA STADIUM & KACHANA SECTION UNDER SUB DIVISION NO. 3 NAWA RAIPUR	₹ 25.00 लाख
172/171041	PAINTING WORK AT GAD QUARTERS SECTOR-27 (332 NOS.) ATAL NAGAR NAVA RAIPUR	₹ 25.00 लाख
171/171042	ANNUAL REPAIR, SPECIAL REPAIR, M.O.W. AND OTHER DEPOSIT WORK FOR WHITE WASHING, COLOUR WASHING & PAINTING WORK ON HIGHER OFFICIAL RESIDENTIAL AT SEC- 18, UNDER P.W.D.NEW SUB DIVISION, NAVA RAIPUR PART-1	₹ 100.00 लाख

निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 29.07.2025 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निषिदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी **https://eproc.cgstate.gov.in** पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

हस्ता/-
अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
रायपुर मंडल क्रं.-1. रायपुर (छ.ग.)

G-210902137/3

13.50 लाख रुपए का गांजा बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

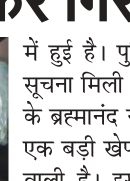

भिवंडी। भिवंडी के नारपोली पुलिस थाने की टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने 13 लाख 50 हजार 428 रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया है, साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक हुंडई कार भी कब्जे में ली गई है। इस कार्रवाई में मध्य प्रदेश के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंगेश अर्जुन पावरा (29), राकेश छत्तरसिंह पावरा (25) और रविंद्र गनदास बारेल (25) के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि भिवंडी के ब्रह्मानंद नगर इलाके में एक बड़ी खेप गांजा पहुंचने वाली है। इसी आधार पर 10 जुलाई की शाम करीब पौने आठ बजे पुलिस ने मिनी पार्क क्षेत्र में छापा मार कार्रवाई की और आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह गांजा स्थानीय बाजार में खपाने के उद्देश्य से लाया गया था और इसे नाबालिगों तक पहुंचाए जाने की आशंका भी जताई जा रही है। जब्त गांजा और कार को एनडीपीएस अधिनियम 1985 के तहत सीज किया गया है।

कल्याण में पतंजलि योग समिति द्वारा गुरुपूर्णिमा पर वैदिक हवन का भव्य आयोजन

महानगर संवाददाता

कल्याण

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वारा संचालित पतंजलि योग समिती विभाग, कल्याण के तत्वावधान में इस वर्ष का गुरुपूर्णिमा उत्सव वैदिक परंपरा के अनुसार बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और होम हवन से हुई, जिसमें मा. नगरसेवक अभिमन्यु गायकवाड ने अपनी धर्मपत्नी के साथ आहुति देकर आध्यात्मिक वातावरण को आलोकित किया। इसका मूल उद्देश्य है हरिद्वार से हर द्वार तक योग को पहुंचाना। इस अवसर पर भारत स्वाभिमान कल्याण विभाग प्रभारी परमेश्वर जाधव, योग शिक्षक व तहसील प्रभारी संजय चव्हाण, अंकुश सावंत, गणेश सुयाल, नितिन मोढावे, अशोक कक्कर तथा योगशिक्षिका बहनें प्रीति गुप्ता, शकुंतला वायल, गीता डेकाटे सहित बड़ी संख्या में योग शिक्षक भाई-बहन उपस्थित रहे। गणेश सुयाल ने हवन के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हवन कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि विशुद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है। हमारे पूर्वज ऋषि-मुनि प्रतिदिन हवन कर स्वस्थ जीवन जीते थे। प्रत्येक व्याधि के अनुसार विशिष्ट हवन सामग्री से चिकित्सा की जाती थी। आज यह हवन थैरेपी फिर से लोगों को अपनी सनातन संस्कृति की ओर लौटने के लिए प्रेरित कर रही है।

मसाज के बहाने लूटने वाले गिरफ्तार

भायंदर। मसाज के नाम पर एक व्यक्ति को लूटने वाले दो युवकों को अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया हैं । इस लुट की शिकायत काशिगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गयी हैं । गिरफ्तार युवक ने महिला के नाम से टिंडर अकाउंट ऐप द्वारा शिकायतकर्ता से संपर्क किया एवं उसको मिलने बुलाया। शिकायतकर्ता से मिलने गिरफ्तार युवक की महिला मित्र आयी और शिकायतकर्ता के घर मसाज करने के बहाने गयी। शिकायतकर्ता के घर में महिला ने अपने चार साथियों को भी बुला लिया। इन चारों ने शिकायतकर्ता से मारपीट की एवं समाज में उसकी बदनामी का डर दिखा कर 10 लाख रुपए की मांग की। इन लोगों ने शिकायतकर्ता के गले में पहनी सोने की चेन निकाल ली। इस चेन को इन लोगों ने शिकायतकर्ता के परिचित सुनार के पास रख कर 3 लाख 45 हजार रुपए लिए । शिकायत मिलने के बाद अपराध शाखा ने इस मामले में सागर रमेश रावल को मिरारोड एवं रूषभ देवेंद्र शिंदे को ठाणे से गिरफ्तार किया हैं ।

पश्चिम रेलवे द्वारा 14 जुलाई से आरक्षण चार्ट तैयार करने के समय में संशोधन

मुंबई। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार पश्चिम रेलवे के लिए आरक्षण चार्ट तैयार करने की समय-सारणी 14 जुलाई, 2025 से प्रभावी होगी। इस पहल का उद्देश्य परिचालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और यात्री सुविधा को बढ़ाना है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रथम आरक्षण चार्ट तैयार करने के संबंध में रेलवे बोर्ड से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप कार्यक्रम इस प्रकार है। 05:01 बजे से 14:00 बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट एक दिन पहले 21:00 बजे तक तैयार किया जाएगा।

14:01 बजे से 16:00 बजे के बीच प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट उसी दिन 07:30 बजे तक तैयार किया जाएगा। 16:01 बजे से 23.59 बजे तक और 00.00 बजे से 05:00 बजे तक प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट निर्धारित प्रस्थान से आठ घंटे पहले तैयार किया जाएगा।

दूसरे आरक्षण चार्ट की तैयारी के संबंध में मौजूदा प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं होगा, जो अंतिम समय की बुकिंग को समायोजित करने के लिए मौजूदा दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार किया जाता रहेगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा से पहले अपनी आरक्षण स्थिति की जांच करते समय अद्यतन चार्टिंग शेड्यूल को ध्यान में रखें।

7/11 मुंबई लोकल ट्रेन धमाका पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा 7/11 को मुंबई के उपनगरीय ट्रेनों में हुए बम ब्लास्ट की 19 वीं बरसी के अवसर पर इस दुखद घटना में मारे गए निर्दोष लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई । 11 जुलाई 2006 को माटुंगा रोड, माहिम जं., बांद्रा, सांताक्रुज़, जोगेश्वरी, बोरीवली और भायंदर स्टेशनों के पास सात उपनगरीय ट्रेनों में बम विस्फोटों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया गया था। एक कायरतापूर्ण कृत्य जिसने शहर को हिलाकर रख दिया और सैकड़ों निर्दोष लोगों की जान ले ली थी तथा कई अन्य घायल हुए थे। पश्चिम रेलवे द्वारा सम्मान और स्मरण के प्रतीक के रूप में 11 जुलाई को इन विस्फोटों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने संबंधित स्टेशनों पर माल्यार्पण किया, जहां विस्फोट हुए थे। जान गंवाने वालों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों में माटुंगा रोड स्टेशन पर प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक वी. ए. मालेगांवकर, माहिम स्टेशन पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) विनीत गुप्ता, बांद्रा स्टेशन पर प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर रविन्दर कुमार वर्मा, सांताक्रुज़ स्टेशन पर प्रमुख मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर रजनीश कुमार, जोगेश्वरी स्टेशन पर प्रमुख मुख्य इंजीनियर अमित गुप्ता, बोरीवली स्टेशन पर प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर रंजन श्रीवास्तव और भायंदर स्टेशन पर प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक आशुतोष कुमार श्रीवास्तव शामिल थे।

जबरन धर्मांतरण को लेकर बनेगा कानून

▶▶ समान धर्म में रहने पर ही मिलेगा आरक्षण का लाभ

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कहा कि जबरन या लालच देकर धर्मांतरण अपराध है। जबरन धर्मांतरण को लेकर कानून को कठोर बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में राज्य के पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण का लाभ लेने वाले व्यक्ति के समान धर्म का होने के संबंध में अपना फैसला सुनाया है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन करके धर्म परिवर्तन कर आरक्षण का लाभ उठाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विधायक गोपीचंद पडलकर ने जबरन धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किया था। चर्चा में जितेंद्र आव्हाड ने भी भाग लिया। मुख्यमंत्री ने जबरन या लालच देकर धर्मांतरण को अपराध बताते हुए कहा कि जबरन धर्मांतरण को लेकर सख्त कानून बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सांगली जिले में जबरन धर्मांतरण मामले में संबंधित धार्मिक नेता को अग्रिम जमानत दे दी गई है। इस संबंध में अपील दायर की जाएगी और देरी से मामला दर्ज करने के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों से भी पूछताछ की जाएगी। पुणे जिले में धर्मांतरण मामलों में विशेष जांच समिति की रिपोर्ट एक महीने के भीतर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

राज्य के पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण का लाभ लेने वाले व्यक्ति को उसी धर्म में बने रहने का आदेश दिया है। सरकार सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हुए इस संबंध में कार्रवाई की जाएगी। कुछ मामलों में आरक्षण के लाभ का दुरुपयोग किया जा रहा है।

पब्लिक प्लेस पर शराब पीने पर रोक लगाने के लिए समिति

मंत्री आशीष शेलार ने विधानसभा में आश्वासन दिया

सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने विधानसभा में आश्वासन दिया कि पार्कों और मैदानों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर रोक लगाने के लिए विधायकों की एक समिति बनाई जाएगी। इस समिति की बैठक मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में होगी। बैठक में हुई चर्चा के सारांश के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून छह महीने के भीतर लागू किया जाएगा। भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने शुक्रवार को विधानसभा में महाराष्ट्र शराबबंदी संशोधन का अशासकीय विधेयक पेश किया। इस विधेयक के माध्यम से मुनगंटीवार ने मांग की कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब के सेवन पर रोक लगाने के लिए एक सख्त कानून बनाया जाए, ताकि शराब पीने से होने वाले दुर्व्यवहार को रोका जा सके। शेलार द्वारा सरकार की ओर से इस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिए जाने के बाद मुनगंटीवार ने विधेयक वापस ले लिया। इससे पहले गैर-सरकारी विधेयक पेश करते हुए मुनगंटीवार ने ताना मारते हुए सरकार पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को यह मानकर ऐसा नहीं करना चाहिए कि राज्य की अर्थव्यवस्था सिर्फ शराब पर टिकी है। हमारा शराबबंदी कानून इतना कमजोर है कि इस कानून ने ही नशे की लत को जन्म दे दिया है।

चीन से किशमिश का अवैध आयात

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने लिखा केंद्र को पत्र

महानगर संवाददाता
मुंबई

उपमुख्यमंत्री तथा वित्त एवं नियोजन मंत्री अजित पवार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर चीन से निम्न गुणवत्ता वाली किशमिश के अवैध आयात को तुरंत रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इससे भारत के अंगूर उत्पादक किसानों को भारी नुकसान हो रहा है और देश की विदेशी मुद्रा और सरकारी राजस्व को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है।

अजित पवार ने इस संबंध में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र और देश के अंगूर उत्पादक किसानों की गंभीर चिंता की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि चीन से बिना कर चुकाए बड़ी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाली किशमिश भारत लाई जा रही है। इससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। खासकर, किशमिश के मौसम में इस तरह की अवैध आयात के चलते देश में उत्पादित किशमिश के दाम १०० से १२५ रुपए प्रति किलो तक गिर गए हैं, जिससे किसानों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उपमुख्यमंत्री ने मांग की है कि केंद्र सरकार इस अवैध आयात को रोकने के लिए तुरंत सख्त कार्रवाई करे। साथ ही आयातित किशमिश की गुणवत्ता की जांच तथा कर वसूली की व्यवस्था को बंदरगाहों, हवाई अड्डों और बाजारों में सशक्त और सक्षम किया जाए, ताकि कर चोरी रोकी जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा मौसम में किशमिश के दाम स्थिर बनाए रखने और किसानों को संभावित आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए तुरंत प्रभावी उपाय किए जाने चाहिए।

महाराष्ट्र राज्य अंगूर उत्पादक संघ, पुणे के प्रतिनिधियों ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री अजित पवार से मुलाकात कर इस विषय पर ध्यान दिलाया था और आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। इसी के अनुरूप उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर किसानों के हित में शीघ्र हस्तक्षेप की अपील की है।

महाराष्ट्र के दोनों सदनों में पास हुआ जन सुरक्षा विधेयक

विधान परिषद में बहुमत से पास हुआ विधेयक

- विधान परिषद में विधेयक का विरोध,विपक्ष ने किया सदन का वॉकआउट
- यह विधेयक किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं : योगेश कदम

महानगर संवाददाता
मुंबई

विधानसभा के बाद शुक्रवार को विधान परिषद में महाराष्ट्र की बहुचर्चित जन सुरक्षा विधेयक बहुमत से पास हुआ। भारी हंगामे के बीच गृह राज्य मंत्री (शहर) योगेश कदम ने सदन में विधेयक पेश किया। योगेश कदम ने कहा कि महाराष्ट्र में वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए यह विधेयक लाया गया है। जन सुरक्षा कानून बनने के बाद वामपंथी उग्रवादी संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। इससे पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में जन सुरक्षा विधेयक पेश किया था,जिस पर चर्चा होने के बाद विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया था। विधानसभा में पारित होने के बाद शुक्रवार को विधान परिषद में योगेश कदम ने विधेयक पेश किया। विपक्ष ने विधेयक का विरोध करते हुए जोरदार हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर दिया।

विपक्ष ने यह कहते हुए सदन का वाकआउट किया कि जन सुरक्षा विधेयक शहरी नक्सलवाद के खिलाफ लाया जा रहा है, लेकिन इस पूरे बिल में नक्सलवाद का कहीं जिक्र नहीं है। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम जन सुरक्षा विधेयक पर बोलते हुए कहा कि देश के संविधान को चुनौती देने वाले संगठनों, कट्टर वामपंथी, माओवादी विचारधारा वाले संगठनों और शहरी नक्सलवाद को बढ़ावा देने वाले संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए राज्य सरकार ने महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक, 2024 ला रही है। यह विधेयक किसी व्यक्ति या सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ नहीं है।

सरकार की कथनी और करनी में अंतर : उद्धव ठाकरे

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि जन सुरक्षा विधेयक भाजपा की सुरक्षा करने वाली विधेयक है। इस विधेयक में कुछ बदलाव होना चाहिए,जन सुरक्षा विधेयक के विरोध में सदन का वॉकआउट करने के बाद उद्धव ठाकरे विधानभवन के परिसर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उद्धव ने आरोप लगाया कि इस विधेयक में राजनीतिक दुरुपयोग की बू आ रही है। नक्सलवाद खत्म हो रहा है,तो यह कानून लाने की जरूरत क्यों पड़ी ठाकरे ने कहा कि यह विधेयक बिना किसी शीर्षक के है। विधेयक में अवैध कार्य की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। विपक्ष को परेशान करने के लिए यह कानून लाया जा रहा है।

विधान परिषद में उठा विद्यार्थियों के यूनिफार्म का मामला

मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई। शुक्रवार को विधानपरिषद में विद्यार्थियों को यूनिफार्म वितरण का मामला जोर -शोर से उठा.कांग्रेस सदस्य भाई जगताप ने अपने सवाल में कहा कि राज्य में स्कूल शुरू होकर एक महीने से अधिक दिन बीत चुके है लेकिन अब तक पालघर जिले में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को यूनिफार्म नहीं मिला है.इस सवाल के जवाब में स्कूली शिक्षा राज्य मंत्री पंकज भोयर ने कहा कि पालघर जिले के 160917 विद्यार्थियों में से 141258 विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म मिल चुका है, जबकि बाकी 19 हज़ार विद्यार्थियों को अभी तक यूनिफॉर्म नहीं मिल पाया है विद्यार्थियों को अब तक यूनिफॉर्म क्यों नहीं मिला इस पूरे मामले की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भोयर ने सदन को बताया कि वर्ष 2024-25 में यूनिफॉर्म वितरण की विधि अलग है। विद्यार्थियों के यूनिफार्म की सिलाई का दायित्व महिला आर्थिक विकास महामंडल को दिया गया है, जबकि स्काउट-गाइड की दूसरी यूनिफॉर्म की सिलाई की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन समिति को दी गई है। इस वजह से कई जगहों पर यूनिफॉर्म वितरण में देरी हुई है।

पालघर में 19 हजार विद्यार्थियों को नहीं मिला यूनिफार्म

विधान परिषद में गूंजा मीठी नदी सफाई में भ्रष्टाचार का मुद्दा

मुंबई। गुरुवार को विधान परिषद में मीठी नदी सफाई में हुए भ्रष्टाचार का मामला गूंजा। भाजपा विधायक राजहंस सिंह ने मीठी नदी सफाई में हुए घोटाले का मुद्दा जोर - शोर से उठाया। सिंह ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत मीठी नदी से गाद निकालने के मामले में आर्थिक घोटाला हुआ है, पिछले 20 साल में मीठी नदी की सफाई पर 2000 करोड़ रुपये खर्च किए गए। लेकिन अभी तक मीठी नदी की सफाई नहीं हो सकी है। नदी से गाद निकालने में बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है। इसकी जांच वर्ष 2005 से की जानी चाहिए। वर्ष 2005 में मुंबई में भीषण बाढ़ के दौरान मीठी नदी के किनारे पर बसे संदेश नगर और क्रांतिनगर के करीब 15 से 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बावजूद वहां के रहवासियों का पुनर्वसन नहीं हुआ। राजहंस सिंह के सवाल के जवाब में मंत्री उदय सामंत ने कहा कि मीठी नदी गाद निकालने के मामले में हुए घोटाले का मामला काफी चुनौतीपूर्ण है। इसकी जांच जिस तेजी से चल रही है और लोगों के नाम सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि इसमें बड़ी मछलियां भी फसेंगी।

27 करोड़ खर्च कर होगा कांदिवली मालाड के पुलों का पुनर्निर्माण

महानगर संवाददाता
मुंबई

मनपा प्रशासन ने कांदिवली पश्चिम और मालाड पश्चिम स्थित सात पुलों के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया है। यह पुल जर्जर हो चुके है और उनकी खराब स्थिति को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

मनपा प्रशासन ने जानकारी दी है कि सात पुलों में दो पुल वाहनों के लिए हैं, जबकि शेष पांच पैदल यात्रियों के लिए बनाए गए हैं। मनपा प्रशासन ने 2018 में अंधेरी रेलवे स्टेशन पर गोखले पुल का एक हिस्सा गिरने की घटना के बाद हर छह महीने में सभी पुलों का स्ट्रक्चरल ऑडिट कराना शुरू किया था। जिसके अंतर्गत इन पुलों की जांच की गई और उनका पुनर्निमाण की जरूरत पाई गई। मनपा ने पुलों की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण के लिए सलाहकार नियुक्त किया था। जिसने सातों पुलों को हटाकर नए सिरे से निर्माण का सुझाव देते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की है। सभी पुलों की योजनाएं भी तैयार कर ली गई हैं।

पुनर्निर्माण के लिए चयनित पुलों में शामिल हैं: कांदिवली पूर्व के महालक्ष्मी डेयरी फार्म और हनुमान नगर के दो पैदल पुल, कांदिवली पूर्व के गावदेवी रोड का पैदल पुल, कांदिवली पश्चिम में नरवणे ट्रांजिट कैंप और झोपड़पट्टी क्षेत्र को जोड़ने वाला पैदल पुल, रामनगर चाल और कामराज चाल के पास के पैदल पुल, कांदिवली पश्चिम में सुरभी कॉम्प्लेक्स के सामने का वाहन पुल और मालाड व कांदिवली पूर्व के आप्पा पाड़ा गांधी टेकड़ी क्षेत्र का वाहन पुल।

मध्य रेल

वार्षिक रखरखाव अनुबंध

मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), प्रथम तल, पार्सल कार्यालय भारत के राष्ट्रपति और केंद्रीय रेलवे, मुंबई सीएसटी ४०० ००१ की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदाओं के लिए आमंत्रित किया गया है। **(एकलनिविदा) निविदासूचनानं. सीआर/बीबी/सं.एवंदु.सं/दक्षिण/2025/34, दि. 08.07.2025. कार्य का नाम:** मुंबई डिवीजन के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) स्टेशन पर मेसर्स सीमेंस लिमिटेड / वेस्ट्रेस मेक के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का तीन वर्षों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध। **लगभग मूल्य:** रु.1.07/-Crore. **ईएमडी:** रु.203600/-. **खुलने कि तारीख:** 07.08.2025. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधी:** 36 महीने। यह निविदा 15.06.2017 दिनांकित सार्वजनिक खरीद नीति (भारत में बनाओ) आदेश 2017 का अनुपालन करती है। निविदाओं का पूरा ब्यौरा मध्य रेलवे में उपलब्ध है। आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पूरी निविदा दस्तावेजों को वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं का पूरा विवरण मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी) के कार्यालय, मुंबई सीएसटी के "नोटिस बोर्ड" में भी उपलब्ध है।

DE-241

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

AVAILABLE FOR SALE

VEHICLE	MODEL	REGN. NO.
TATA SIGNA 2830	2023	MH-46-CL-7190

IN AS IS WHERE IS CONDITION

: Contact :

SUNDARAM FINANCE LTD., CHEMBUR

Mob.- 8108637313 / 8108151743 Tel:- 022 25220160

WITHIN 7 WORKING DAYS

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large that our client intends to purchase the following immovable property: Room No.8, Ground Floor, building known as **Ajit Mansion**, constructed on **Plot No.29C** and CTS No.616 & 616/1–616/7, situated at Paranjape 'A' Scheme Road No.1, Vile Parle (East), Mumbai - 400 057, within the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban District, Municipal Ward K/East.

The said premises were held as a monthly tenement by the late Mr.Anant Venkatesh Nayak, and pursuant to a Permanent Alternate Accommodation Agreement dated 15 February 2017 (registered as BDR115392017), Mr. Upendra Kudva was designated as the Tenant's Nominee in the event of the tenant's demise. The Developer have recognized Mr.Nayak's succession, and a Deed of Surrender of Tenancy was executed in July 2025 ("the Sellers")..

Any person(s) having any right, title, interest, claim, demand, objection, or liability of any nature whatsoever in respect of Room No.8 -whether by way of tenancy, agreement, inheritance, mortgage, lien, charge, sale, gift, trust, possession, easement, or otherwise - is hereby required to make the same known in writing, along with documentary evidence, to the undersigned within fourteen (14) days from the date of publication of this notice.

Failure to notify within the stipulated period shall be deemed as a full and final waiver of all such claims, and our client shall proceed with the transaction assuming that the title to the said premises is marketable, clear, and free from encumbrances.

Dated this 12th day of July 2025.

Name: Manoj V. Jain & Co. Chartered Accountants

Address: Office No. 502, Balaji Business Centre, Ram Milan CHS Ltd., Opp. State Bank of India, Subhash Road, Vile Parle (East), Mumbai – 400 057. Contact: +91 98202 35308

मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायक्षेत्र में वसीयतनामा एवं निर्वसीयती उत्तराधिकार क्षेत्राधिकार याचिका क्र. 6004 / 2024

विमला रामकृष्ण शेट्टी उर्फ विमला आर. शेट्टी उर्फ विमला रामकृष्ण शेट्टी, भारतीय नागरिक, मुंबई निवासी, विधवा, व्यवसाय : गृहिणी, जिनका निधन के समय पता था – फ्लैट नं. बी-01, राजनंदन सीएचएसएल., राजेंद्र नगर, बोरिवली (पूर्व), मुंबई – 400066 की दिनांक 11 नवंबर 2021 को लिखित अंतिम वसीयत और इच्छापत्र का प्रोबेट प्राप्त करने हेतु याचिका

.......मृतक

जगदीश रामकृष्ण शेट्टी)
उम्र लगभग 52 वर्ष, धर्म – हिंदू, भारतीय)
नागरिक, व्यवसाय – व्यापारी,)
पता – फ्लैट नं. बी-01,)
राजनंदन सीएचएस लिमिटेड,)
दत्ता पाड़ा रोड, राजेंद्र नगर,)
बोरिवली (पूर्व), मुंबई – 400066)
अभिवक्ता के रूप में)
उपरोक्त नामित मृतक की उपरोक्त)
अंतिम वसीयत और इच्छापत्र में)
नामित एकमात्र निष्पादक)

..... याचिकाकर्ता

उद्धरण सूचना

प्रति,

1	सुरेश रामकृष्ण शेट्टी (पता और वर्तमान ठिकाना अज्ञात)

यदि आपका उपरोक्त मृतक की संपत्ति में कोई हित का दावा है तो आपको यह सूचित किया जाता है कि प्रोबेट की अनुमति दिए जाने से पूर्व आप आकर कार्यवाही देख सकते हैं.

यदि आप प्रोबेट के अनुदान का विरोध करना चाहते हैं, तो आपको इस उद्धरण की सेवा की तिथि से 14 दिनों के भीतर प्रोथोनोटरी और सीनियर मास्टर कार्यालय में एक केविएट (आपत्ति पत्र) दाखिल करना होगा.

"आपको यह सूचित किया जाता है कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण तथा तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा पात्रता मानदंडों के अनुसार निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यदि आप पात्र हैं और निःशुल्क विधिक सहायता लेना चाहते हैं, तो आप उपरोक्त किसी भी विधिक सेवा प्राधिकरण / समिति से संपर्क कर सकते हैं।"

साक्षी : बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे द्वारा इस 27 जून 2025 के दिन हस्ताक्षरित एवं जारी

हस्ता. /–
कृते प्रोथोनोटरी एवं सीनियर मास्टर

सील

हस्ता./–
सीलर

दिनांक : 11 जुलाई 2025
एच. एस. ठक्कर एवं श्रद्धा जाधव
याचिकाकर्ता के अधिवक्ता

नाबालिग से शिक्षक ने की छेड़खानी

महानगर संवाददाता
मुंबई

पुलिस ने दर्ज किया एफआईआर

कांदिवली के एक स्कूल में पढ़ने वाली 12 वर्षीय छात्रा के साथ शिक्षक द्वारा अनुचित व्यवहार किए जाने का मामला सामने आया है। छात्रा की शिकायत पर समता नगर पुलिस ने 40 वर्षीय शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। घटना का खुलासा तब हुआ जब छात्रा ने अपने माता-पिता को बताया कि स्कूल में एक शिक्षक बार-बार उसके साथ गलत तरीके से पेश आ रहा है। छात्रा ने बताया कि जब वह कक्षा में अपनी सहेली से बात कर रही थी, तब शिक्षक ने उसे टोकते हुए बहाने से हाथ पकड़ा और फिर दोबारा भी ऐसा ही व्यवहार किया। उसने यह भी बताया कि जब उसने शिक्षक से इस बारे में सवाल किया, तो शिक्षक ने उसे डांटा, हाथ पर छड़ी से मारा और दो बार थप्पड़ भी मारा। बेटी की बात सुनकर परिजन तुरंत स्कूल पहुंचे और फिर समता नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े पोक्सो कानून की धाराएं 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया।

दूसरे मंत्रियों के भी वीडियो मेरे पास : संजय राउत

महानगर संवाददाता
मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के एक वीडियो जारी करने के बाद महाराष्ट्र में एक बड़ा राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। इस वीडियो में कथित तौर पर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक और राज्य मंत्री संजय शिरसाट अपने आवास पर भारी मात्रा में कैश के साथ दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब एक दिन पहले ही संजय शिरसाट को इनकम टैक्स का नोटिस मिला है। संजय राउत द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो पर राजनीतिक घामासान बढ़ने के आसार हैं।

... तो पैसों के दूसरे वीडियो भी हैं

इसके साथ ही संजय राउत ने दावा करते हुए कहा, "मैं एक और वीडियो भी ट्वीट करने के लिए तैयार हूं। अगर आप कहें कि पैसों का बैग नजर नहीं आ रहा, तो पैसों के दूसरे वीडियो भी हैं और दूसरे मंत्रियों के भी वीडियो मेरे पास हैं,जिन्हें मैं देने के लिए तैयार हूं। ये सचमुच एक 'खजाना' है। " उनका ये बयान शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के मंत्री संजय शिरसाट के वायरल वीडियो पर था।

शिरसाट बोले- मानहानि का केस करूंगा, मेरे कैरियर पर कोई असर नहीं पड़ेगा'

वकीलों के साथ कानूनी सलाह ले रहे हैं

इसके जबाव में मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा कि वो संजय राउत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करेंगे। संजय शिरसाट संभाजीनगर में अपने वकीलों के साथ कानूनी सलाह ले रहे हैं। दरअसल, राउत ने एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया था। वीडियो में संजय सिरशाट सिरगेट पीते दिखाई दे रहें। पास में एक बैग में नोटों के बंडल जैसी तस्वीर नजर आ रही है। मंत्री का कहना है कि उस बैग में कपड़े हैं। उन्होंने ये भी कहा, ''अगर किसी ने वह वीडियो बना लिया तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है, इस तरह के वीडियो से मेरे करियर पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

गणपति मंडल को मनपा सिखाएगी सुरक्षा का पाठ

महानगर संवाददाता
मुंबई

आगामी अगस्त महीने में मनाए जाने वाले गणेशोत्सव को सुरक्षित और जिम्मेदारी से आयोजित करने में सहायता के लिए मनपा आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा प्रत्येक सार्वजनिक गणेश मंडल के दो स्वयंसेवकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित करेगी। मनपा प्रशिक्षण में त्योहार के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों अथवा आपदा से कैसे बचाव किया जाए इसको लेकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह किसी भी अनहोनी की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया कैसे दी जाए,इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस पहल के लिए मंडलों के साथ समन्वय संबंधित वार्ड कार्यालयों द्वारा किया जाएगा।

मनपा के एक अधिकारी ने बताया, कि मुंबई का गणेश उत्सव देशभर के लोगों को आकर्षित करता है। सार्वजनिक मंडलों द्वारा बनाए गए भव्य पंडालों और सजावट को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। इस प्रशिक्षण से स्वयंसेवकों को ऐसी भीड़ को संभालने, सुरक्षा सुनिश्चित करने, स्वच्छता के साथ खाद्य वितरण करने और आपातकालीन परिस्थितियों में उचित कार्रवाई करने की जानकारी मिलेगी। प्रत्येक मंडल से दो स्वयंसेवक नामित किए जाएंगे। यह प्रशिक्षण नागरिकों की आपदा प्रबंधन में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से भी किया जा रहा है।" इस कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में सहायक मुख्य अधिकारी राजेंद्र लोखंडे और आपदा प्रबंधन अधिकारी विकास कांबले को नियुक्त किया गया है। प्रशिक्षण कब और कहा दिया जाएगा उसकी रूप रेखा तैयार कर ली गई है। प्रशिक्षण में शामिल विषयों में आपदाओं की समझ, जोखिम की पहचान, जोखिम प्रबंधन, आपातकाल के दौरान क्या करें और क्या न करें, अग्निशमन का प्रदर्शन, प्राथमिक उपचार, और भीड़ नियंत्रण तकनीकें शामिल हैं। यह पाठ पढ़ाने के लिए मनपा, मुंबई फायर ब्रिगेड, मुंबई पुलिस, मनपा अस्पताल और बेस्ट के अधिकारी शामिल होंगे ।

पश्चिम रेलवे की ओर से बांद्रा टर्मिनस ⇌ अजमेर के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष गाड़ी का संचालन

गाड़ी क्र.	आरंभिक स्टेशन तथा गंतव्य	संचालन के दिवस	प्रस्थान	आगमन
09622	बांद्रा टर्मिनस - अजमेर	14.07.2025 से 29.09.2025 तक	09.35 बजे (सोमवार)	08.50 बजे (अगले दिन)
09621	अजमेर – बांद्रा टर्मिनस	13.07.2025 से 28.09.2025 तक	06.35 बजे (रविवार)	04.15 बजे (अगले दिन)

ठहराव : बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, विक्रमगढ अलोट, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर और किशनगढ़ स्टेशन पर दोनों दिशाओं में.

संयोजन : एसी 2 – टीयर, एसी 3-टीयर (इकॉनमी), शयनयान श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोचेस.

ठहराव, संयोजन और समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिये यात्रीगण कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन करें.

सभी पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर **गाड़ी सं. 09622** के लिये बुकिंग **दि. 12.07.2025** से शुरु होगी. उपरोक्त गाड़ी को विशेष किराए पर विशेष गाड़ी के तौर पर संचालित किया जाएगा.

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : Instagram/WesternRly

सभी आरक्षित टिकटों के लिए वैध पहचान पत्र साथ रखें.

संविदा नौकरियों और निजीकरण को बढ़ावा दे रही सरकार!

देश भर की 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों ने भाजपा नीत राजग के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कथित 'मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक' नीतियों के खिलाफ 9 जुलाई दिन बुद्धवार को जो देशव्यापी हड़ताल बुलाई थी और स्पष्ट रूप से भारत बंद का जो ऐलान किया था, वह एक हद तक विफल रहा। इसलिए उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं क्योंकि विपक्षी दलों के किसान-मजदूर-कामगार संगठनों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया लेकिन उन्हें जनसमर्थन नहीं मिला। लिहाजा, अपनी छिटपुट सफलता के बावजूद यह भारत बंद कामगारों के हित में कितना अनुकूल रहेगा और लाभदायक साबित होगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। कहना न होगा कि इससे पहले भी साल 2020, 2022 और 2024 में भी भारत की सड़कों पर ये ट्रेड यूनियंस उतर चुकी हैं लेकिन अभी तक मनोनुकूल परिणाम नहीं मिल पाया है। लगता भी नहीं कि मोदी सरकार इन्हें तवज्जो देगी। यही वजह है कि साल 2025 में एक फिर से इन्होंने जोर आजमाइश की कोशिश की है। ट्रेड यूनियन से जुड़े लोगों ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब इतने बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जा रहा है बल्कि इससे पहले भी ट्रेड यूनियनों ने 26 नवंबर 2020, 28-29 मार्च 2022 और पिछले साल 16 फरवरी 2024 को इसी तरह की देशव्यापी हड़ताल की थी जिसमें लाखों कर्मचारी सड़कों पर उतरे थे और श्रम समर्थक नीतियों और विवादास्पद आर्थिक सुधारों को वापस लेने की मांगें उठाईं थी लेकिन केंद्र सरकार हमेशा इनकी अनदेखी करती आई है। बताया जाता है कि इस आंदोलन से बैंकिंग, डाक सेवाएं, कोयला खनन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और सरकारी कामकाज भी प्रभावित हुए हैं। कहीं ट्रेनें लेट होने, और कहीं बिजली आपूर्ति में रुकावटें भी आई हैं। फिर भी सरकार की कानों पर जूं रेंगती हुई नहीं प्रतीत हुई क्योंकि वह 1990 के दशक से ही देश में लागू नई आर्थिक नीतियों के मुताबिक कानून बनाने और उसे अमल में लाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि देश में विदेशी निवेश बढ़े और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों-राष्ट्रीय कम्पनियों को कामकाज में सुविधा और सस्ते श्रमिक मिल सकें। ऐसे में सरकार की मंशा तो स्पष्ट लगती है लेकिन सीधा सवाल है कि तब केंद्रीय ट्रेड यूनियनें और उनके आनुषंगिक संगठन क्या चाहते हैं? आखिर लेबर कोड पर क्या दिक्कतें और क्या डिमांड्स हैं? बताया जाता है कि ट्रेड यूनियन को चार लेबर कोड पर सबसे ज्यादा आपत्ति है। यूनियंस कहती हैं कि नए लेबर कोड हड़ताल के अधिकार को कमजोर करते हैं। ये काम के घंटे बढ़ाते हैं। नियोक्ताओं को सजा से बचाते हैं। ट्रेड यूनियनों की शक्ति छीनते हैं। इसलिए कर्मचारियों के हक छीनने वाले चारों लेबर कोड खत्म किए जाएं। दरअसल, यूनियंस का कहना है कि चार नए लेबर कोड लागू करने से यूनियंस कमजोर होंगी और काम के घंटे बढ़ेंगे? क्या सरकार संविदा नौकरियों और निजीकरण को बढ़ावा दे रही है? क्या पब्लिक सेक्टर में ज्यादा भर्ती और सैलरी बढ़ोतरी की मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है? क्या युवा बेरोजगारी से निपटे बिना ही कर्मचारियों को प्रोत्साहन देने की पेशकश की जा रही है? ट्रेड यूनियनों ने बिजली कंपनियों के निजीकरण के मुद्दे को भी गरमा दिया है। उन का आरोप है कि बिजली वितरण और उत्पादन को निजी हाथों में देने से नौकरियों की सुरक्षा, वेतन और स्थायित्व खत्म हो जाएगा जिसका सीधा असर कर्मचारियों और उपभोक्ताओं दोनों पर पड़ेगा। वहीं, प्रवासी श्रमिकों का मुद्दा भी गर्माया हुआ है। खासकर श्रमिक उत्पादक राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर आरोप है कि प्रवासी मजदूरों के मताधिकार को सीमित किया जा रहा है, जिससे उनका राजनीतिक हक छीना जा रहा है। अब तो यूनियनें कह रही हैं कि सरकार की नीतियां मजदूरों को कमजोर कर रही हैं। किसानों को हाशिए पर डाल रही हैं और कॉरपोरेट्स को लाभ पहुंचा रही हैं। सामाजिक क्षेत्र के खर्चों में कटौती, मजदूरी में गिरावट और रोजगार संकट ने हालात बदतर कर दिए हैं। वहीं, बेरोजगारी और महंगाई पर भी बड़ी चिंता जताई जा रही है। सरकार पर नई भर्तियों को रोकने, रिटायर्ड लोगों की दोबारा तैनाती और युवाओं को रोजगार न देने के आरोप हैं। साथ ही जरूरी वस्तुओं की कीमतें और सामाजिक असमानता बढ़ी है। लिहाजा, यूनियनें न्यूनतम वेतन 26,000 मासिक तय करने और पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग कर रही हैं। साथ ही एमएसपी की कानूनी गारंटी और कर्जमाफी भी इनके प्रमुख मुद्दे हैं। वहीं, इन यूनियनों की मांग है कि सार्वजनिक क्षेत्र में भर्ती शुरू हो और निजीकरण, आउटसोर्सिंग और ठेकाकरण पर रोक लगे। इसके अलावा, मजदूर विरोधी और मजदूर संगठन विरोधी चारों लेबर कोड रद्द हों। मनरेगा की मजदूरी और दिन बढ़ें। शहरी बेरोजगारों के लिए योजना बने। शिक्षा, स्वास्थ्य और राशन पर खर्च बढ़े। साथ ही न्यूनतम वेतन और पेंशन पर भी जोर दिया जा रहा है। जबकि यूनियन के पदाधिकारियों ने दो टूक शब्दों में बताया है कि किसान और ग्रामीण मजदूर भी इस बार देशभर में हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, क्योंकि केंद्र सरकार ने हमारी 17 सूत्री मांगों को नजरअंदाज किया है। हैरत की बात तो यह भी है कि पिछले 10 सालों में वार्षिक मजदूर सम्मेलन भी नहीं बुलाया है। इतना ही नहीं, सरकार ने संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर जन आंदोलनों को अपराधी घोषित कर दिया है, जैसे महाराष्ट्र में पब्लिक सिक्योरिटी बिल और छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश में भी इसी तरह के कानून से पाबंदी लगाई जा रही है। कहीं-कहीं पर सरकार ने नागरिकों से नागरिकता छीनने की भी कोशिश की है। यही वजह है कि 17 सूत्रीय मांगें लेकर देशभर में हड़ताल की गई। इस विरोध प्रदर्शन में तमाम संगठन शामिल हुए।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

कुछ भी कोई कह रहा, वाणी में बिष घोल
नेता, मंत्री, विधायक, नहीं कहीं कंट्रोल
नहीं कहीं कंट्रोल, नागरिक, होटल वाला
कैंटीन में खूब चलाएं थप्पड़ लाला
कह सुरेश कविराय देखकर भाषा रोई
सत्ता पक्ष विपक्ष बक रहा कुछ भी कोई

भारत के लिए चीन-पाक गठजोड़ की चुनौतियां

पाकिस्तान को चीन के हथियारों से लेकर तकनीकी समर्थन का बढ़ता सिलसिला भारत की चुनौतियां बढ़ाने वाला है। बीते पांच साल में पाकिस्तान द्वारा खरीदे गए रक्षा उपकरणों में करीब 81 प्रतिशत चीन से लिए गए। इस तरह चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को अपनी प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल किया।

आपरेशन सिंदूर के दौरान जब भारतीय सैन्य बल पाकिस्तान को सबक सिखाने में जुटे हुए थे तो चीन की ओर से उसे पूरी मदद मिल रही थी। केवल सैन्य स्तर पर ही नहीं, बल्कि पाकिस्तानी प्रोपेगंडा को आगे बढ़ाने में भी चीनी मीडिया पुरजोर प्रयासों में लगा था। इसमें एक कारण उन चीनी हथियारों की कथित सफलता को रेखांकित करना भी था, जिनका इस्तेमाल पाकिस्तानी सेना कर रही थी। पाकिस्तान को चीन के हथियारों से लेकर तकनीकी समर्थन का बढ़ता सिलसिला भारत की चुनौतियां बढ़ाने वाला है। उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने हाल में चीन-पाकिस्तान की इस दुरभिसंधि के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन के अलावा साइबर आपरेशन और नेटवर्क आधारित वारफेयर एलिमेंट्स पर चीनी सैन्य प्रतिष्ठान की छाप दिखी। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी आइएसआर सिस्टम ने पाकिस्तानी सैन्य बलों को रियल टाइम डाटा, वस्तुस्थिति से जुड़ी जानकारियां और निगरानी क्षमताएं भी उपलब्ध कराईं। यहां तक कि मछली पकड़ने वाले चीनी बेड़े का इस्तेमाल भी भारतीय नौसेना पर नजर रखने के लिए किया गया, जबकि पाकिस्तानी नौसेना अपने तटों तक ही सीमित रही। जब सैन्य अभियान महानिदेशक यानी डीजीएमओ स्तर पर वार्ता जारी थी तो पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि हमें पता है कि आपके सैन्य संसाधन कहां, कितनी मात्रा में लगे हुए हुए हैं, इसलिए अनुरोध है कि उन्हें हटा लिया जाए। यह दर्शाता है कि पाकिस्तान के पास भारतीय सैन्य तैनाती से जुड़ी काफी सूचनाएं थीं, जो उसे किसी और से नहीं, बल्कि चीन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही थीं। आपरेशन सिंदूर चीनी रक्षा उद्योग के लिए अपनी क्षमताओं के परीक्षण का भी एक पड़ाव बना, जिसमें वास्तविक युद्ध की स्थिति में उसके उपकरणों की परख होनी थी। बीते पांच साल में पाकिस्तान द्वारा खरीदे गए रक्षा उपकरणों में करीब 81 प्रतिशत चीन से लिए गए। इस तरह चीन ने पाकिस्तान को अपनी प्रयोगशाला के रूप में इस्तेमाल किया, जिसमें उसके हथियारों का अन्य हथियार प्रणालियों के आगे प्रदर्शन दिख जाए। इससे सबक लेकर चीन अपनी रक्षा प्रणालियों को उन्नत बनाएगा, जिसका लाभ अंततः पाकिस्तान जैसे खरीदारों को ही मिलेगा। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को एक साथ तीन मोर्चों पर जूझना पड़ रहा था। पाकिस्तान से तो सीधा मुकाबला था ही, चीन से हरसंभव सहयोग के अलावा तुर्किये से उसे ड्रोन एवं प्रशिक्षित कर्मियों के जरिये भी मदद मिली। हाल के वर्षों में चीन ने पाकिस्तान का लगभग हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर बचाव करते हुए उसे आधुनिक मिसाइलें और परमाणु तकनीक उपलब्ध कराई है। आपरेशन सिंदूर के दौरान तमाम हथियार प्रणालियों के अलावा चीनी बायडू नेविगेशन सिस्टम ने भी पाकिस्तान को बड़ी मदद पहुंचाई। इसमें पीएल-15 के लिए मिसाइल गाइडेंस जैसी सुविधा भी शामिल रही। यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी सामरिक संचालन में चीनी प्रणालियों का सीधा जुड़ाव बढ़ रहा है। कुछ रिपोर्ट यह इशारा भी करती हैं कि स्वीडिश साब 2000 एरिये एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यूएंडसी) प्लेटफार्म की चीनी सिस्टम के साथ जुगलबंदी के जरिये भारतीय विमानों को निशाना बनाया गया। स्पष्ट है कि अलग-अलग स्रोतों वाली प्रणालियों को भी चीनी तकनीक के साथ जोड़कर उनका उपयोग किया जा रहा है। पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के जे-37 चीनी लड़ाकू विमान भी मिलने वाले हैं। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे-सीपैक के अंतर्गत भी चीन ने ग्वादर जैसे बंदरगाह के अलावा सामरिक महत्व का दूसरा इन्फ्रास्ट्रक्चर भी पाकिस्तान में विकसित किया है। यह पाकिस्तान की आर्थिकी के साथ ही उसकी सैन्य क्षमताओं को लाभ पहुंचाता है। अपनी भू-सामरिक भौगोलिक स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान महाशक्ति बनने की चीनी महत्वाकांक्षाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह सीपैक और सामुद्रिक सिल्क रूट के जरिये बीजिंग को अहम कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। इस तथ्य को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि एक लंबे अर्से से चीन और पाकिस्तान के साथ भी भारत का सीमा विवाद चला आ रहा है। इस कारण अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए हमें सैन्य बलों की व्यापक तैनाती रखनी पड़ती है। गलवन संकट के बाद से तनातनी घटाने के कुछ प्रयास हुए हैं, लेकिन सैनिकों की वापसी पूरी तरह नहीं हो सकी है। आपरेशन सिंदूर के बाद से नियंत्रण रेखा पर भी संघर्ष विराम की धज्जियां उड़ती दिखीं। आपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने भी बिना कोई औपचारिक लक्ष्मण रेखा लांघे अपनी क्षमताओं को परखा। यह भारत की काट के लिए पाकिस्तान की सामरिक एवं पारंपरिक क्षमताओं को बढ़ाने की चीनी रणनीति में एक अहम मोड़ रहा। इन दोनों देशों की साठगांठ में कोई पर्दा शेष नहीं रहा। आपरेशन सिंदूर के सबक स्पष्ट हैं कि भारत को खतरे के आकलन, सैन्य आधुनिकीकरण और परिचालन संबंधी प्रक्रियाओं को और दुरुस्त बनाना चाहिए। इसने भारत के सामरिक गुणा-गणित और रक्षा नियोजन जैसे पहलुओं को बुनियादी रूप से बदल कर रख दिया, क्योंकि दो मोर्चों पर लड़ाई कोई कपोल-कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविकता का रूप लेती दिख रही है। इसलिए हमें अपनी आर्थिकी को मजबूत बनाते हुए सैन्य क्षमताओं को सशक्त बनाना ही होगा। तभी सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। चीन-पाकिस्तान की जोड़ी और उनका जुड़ाव निरंतर खतरनाक होता जा रहा है। इसमें भी किसी को कोई संदेह नहीं कि इस क्षेत्र में चीन का भू-राजनीतिक फोकस भारत की राह में रोड़े बिछाने के लिए पाकिस्तान को अपने पिट्ठू के रूप में इस्तेमाल करते रहना है। आपरेशन सिंदूर ने यह भी दर्शाया कि नई लड़ाइयां पुराने तौर-तरीकों से नहीं लड़ी जाएंगी। अब सैन्य टकराव के साथ ही साइबर, आर्थिक, कानूनी, सूचना और छद्म युद्ध जैसे मोर्चों पर भी मुकाबला करना होगा। ऐसे परिदृश्य में चीन पर्दे के पीछे रहते हुए भी प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपने दांव आजमाता रहेगा। भारत के पास इन दोनों देशों की चुनौती का माकूल तोड़ निकालने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

- जगतबीर सिंह

समावेशी शासन की प्राथमिकता लोकहित

समावेशी शासन के लिए सरकार ने 'सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण' के 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह 11 वर्ष गरीबों का कल्याण करने, मध्यम वर्ग को सुविधानुकूल वातावरण प्रदान करने, महिलाओं को सशक्त बनाने, किसानसमर्थक नीतियों को क्रियान्वित करने, देश के युवाओं को शैक्षणिक एवं रोजगारनुमुख माहौल देने, पड़ोसी देशों के साथ शांति, सहयोग, स्थिरता एवं सौहार्द की नीति को क्रियान्वित करने, वैश्विक पटल पर भारत को सम्मान दिलाने, देश के भीतर उपद्रव उत्पन्न करने वालों को त्वरित दंड की प्रक्रिया को उपलब्ध करवाने एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में अव्वल रहने के द्वारा सरकार ने पूरे किये हैं। 11 सालों के समग्र मूल्यांकन से यह पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का सम्मान एवं गौरव उन्नयन हुआ है। विगत 11 वर्षों में सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली उत्कृष्टता के शिखर पर पहुंची हैं, साथ ही सरकारी योजनाओं एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं के कार्यान्वयन में एक आदर्श परिवर्तन देखा गया हैं कि दशकों से विलंबित आधारभूत परियोजनाओं के पूरा होने से लेकर बुनियादी मौलिक सुविधाएं मुहैया कराने तक, जो पहले की सरकार प्रदान करने में असफल रहे हैं परंतु वर्तमान सरकार के तहत भारत सरकार एवं शासन में बदलाव आया है। सरकार ने विभिन्न उपेक्षित समूहों के लिए अपरिवर्तनीय सशक्तिकरण सुनिश्चित किया हैं जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करके आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली हैं। सरकार ने हमेशा यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया है कि बुनियादी सुविधाओं से कोई वंचित न हों। विगत 11 वर्षों में लोक कल्याणकारी पहुंच बृहद पैमाने पर विस्तार ने भारत को अंततः शत - प्रतिशत परिपूर्णता को प्राप्त करने पर जोर दिया है। बैंकिंग, शौचालय, एलपीजी सिलेंडर, नल से जल, विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी मौलिक सुविधाएं सभी को प्राप्त हो रहे हैं। सरकार की मजबूत इच्छा शक्ति एवं अथक प्रयासों से अब 21वीं सदी में यह मूलभूत सुविधाएं सभी भारतीयों तक आसानी से पहुंच रही हैं। सरकार ने 2014 में प्रारंभ की गई सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी भारतीयों तक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा हैं।

सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि लोगों को यह बुनियादी सुविधाएं लोगों का चुनाव, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं राजनीतिक पसंद के आधार पर करने के बजाय प्रत्येक हकदार को योजनाओं का पूरा लाभ मिले। अब योजनाओं की परिपूर्णता शत - प्रतिशत लक्ष्य की तरफ बढ़ने पर केंद्रित हो रही हैं। इससे सभी भारतीयों की बुनियादी मौलिक सुविधाओं तक सभी भारतीयों तक परिपूर्णता की प्राप्ति सरकार के अथक प्रयासों की देन है। सरकार ने सार्वजनिक सेवाओं का लाभ लोगों तक पहुंचने में होने वाले रिसाव (लीकेज) को रोकने में सफलता प्राप्त की है। सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के सरकारी उपायों एवं गरीबी उन्मूलन के प्रयासों पर वैश्विक स्तर के संस्थानों ने स्वीकृति प्रदान की हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक हालिया शोध पत्र में भारत से अत्यधिक गरीबी को खत्म करने का श्रेय वर्तमान सरकार को दिया गया है। समावेशी शासन के अथक प्रयासों एवं सद इच्छा से सभी भारतीयों में प्रसन्नता की भावना आ रही हैं। 81.75 करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिए मुफ्त अनाज प्रदान किया गया हैं। 15 करोड़ परिवारों को नल से जल कनेक्शन प्रदान किया गया हैं जिससे उनके जीवन में गुणात्मक परिवर्तन एवं संतुष्टि प्राप्त हो रही है। सरकार ने रेहड़ी - पटरी वालों को पीएम स्वनिधि से लोन प्रदान किया हैं, जो उनके जीवन में भौतिक सुख, संतुष्टि एवं जीवन में गुणात्मक सुख प्रदान कर रहा हैं। गरीबों एवं वंचितों के जीवन में गुणात्मक एवं भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए चार करोड़ पक्के मकानों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई हैं जिससे उनके जीवन में गुणात्मक संतुष्टि प्राप्त हो। सरकार की जनहित हितैषी अनगिनत योजनाएं वर्तमान में प्रत्येक गरीब का मान, सम्मान एवं स्वाभिमान बढ़ा रही हैं। यह भौतिक चेतना की उत्क्रांती ही वास्तविक विकास है। वर्तमान में भारत के 64 % आबादी यानी 95 करोड़ लोगों को किसी - ना - किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। सरकार ने 2014 में 'सबका साथ, सबका विकास और सब का विश्वास' के मूल मंत्र से अपने शासन का श्रीगणेश किया। यह समावेशी शासन का नवीन स्वरूप है। समाज के सभी वर्गों विशेषकर पिछड़ों एवं दलितों को सत्ता में सहभागिता दिया जा रहा है। सरकार की शासकीय स्थिरता सभी वर्गों की सहभागिता से होती हैं। महिलाओं, किसानों, गरीबों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों को आर्थिक मजबूती के लिए शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन इन वर्गों तक किया जा रहा है। सरकार ने अनेक जनहित कार्य योजनाओं की धनराशि सीधे जन- धन खातों में हस्तांतरित कर उनका आर्थिक उन्नयन किया है। बिना भेदभाव के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। सरकार ने हमेशा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया हैं कि विकास की प्रक्रिया में सभी की सहभागिता हों। शासकीय योजनाओं एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। व्यक्तियों को सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच हो सकें। 11 वर्षों के मजबूत एवं स्थिर शासकीय व्यवस्था के द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की परिपूर्णता शत - प्रतिशत हो रही है। सुशासन एवं जाति भेद विहीन शासकीय प्रणाली परिपूर्णता की नीति को सफल बना रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में सरकार के अथक प्रयासों से भारतीय संस्कृति, मूल्योंत एवं आदर्शों को उचित मान्यता प्राप्त हुआ है, एवं दुनिया भर में भारत की समृद्ध एवं उन्नत सभ्यतागत विकास एवं ऐतिहासिक विरासत को उन्नयन किया जा रहा हैं। सरकार के प्रयासों से कल्याण से लेकर संस्कृति तक, व्यापार के सुगम पहुंच से राष्ट्रीय सुरक्षा तक, आर्थिक विकास से लेकर जीवन यापन की सुगमता तक चहुमुखी विकास हो रहा है।

- डॉ.बालमुकुंद पांडेय

सुनियोजित प्रयासों से मिलती सफलता

आज के समय में, हम सभी सफलता को अपनी मेहनत और समर्पण से पाते हैं। लेकिन, जब एक छात्र अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की कोशिश करता है, तो अक्सर वह खुद को उलझन में पाता है। हर दिन एक नई समस्या, एक नई चुनौती, और वही पुरानी निराशा। क्या अगर हम आपको बताएँ कि सफलता का रास्ता सिर्फ कड़ी मेहनत नहीं बल्कि सुनियोजित प्रयासों और मानसिक शांति से भी है? यह कहानी एक ऐसे छात्र की है जो हमेशा यह महसूस करता था कि वह अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा। वह कड़ी मेहनत करता, लेकिन हर बार उसे लगता था कि वह कहीं न कहीं चूक रहा है। परीक्षा की तारीख पास आ रही थी, और तनाव बढ़ता जा रहा था। यह छात्र, जिसे हम 'अमित' कहेंगे, हर दिन अपने पढ़ाई के शेड्यूल को लेकर चिंतित रहता था। वह अपनी दिनचर्या में लगातार बदलाव करता रहा, लेकिन फिर भी कोई न कोई चीज़ उसे अटकती दिखती थी। एक दिन, उसने एक प्रेरक उद्धरण पढ़ा जिसे उसने कभी सुना नहीं था: यह उद्धरण अमित के दिल में गूंजने लगा। उसे एहसास हुआ कि सफलता सिर्फ एक बार के बड़े प्रयास से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे, सुनियोजित प्रयासों से मिलती है। और यही उस परिवर्तन की शुरुआत थी। अमित ने सबसे पहले अपनी दिनचर्या को पुनः संगठित किया। उसने तय किया कि वह हर दिन सुबह के समय में पढ़ाई करेगा, न कि दिन के अंत में जब थकान और मानसिक अवसाद हावी हो जाता था। उसने पहले उन विषयों को चुना जिनमें उसे ज्यादा मुश्किलें आ रही थीं। सुनियोजित तरीके से काम करने से अमित को यह एहसास हुआ कि उसे हर दिन अपने प्रयासों को प्राथमिकता के हिसाब से व्यवस्थित करना था। यह एक साधारण लेकिन असरदार तरीका था, और धीरे-धीरे उसने महसूस किया कि उसकी समस्या अब कम होने लगी थी। अमित ने एक और महत्वपूर्ण नियम अपनाया, जिसे उसने किताबों और पॉडकास्ट में सुना था - "21 का जादुई नियम"। इसका मतलब था कि अगर आप किसी भी नए कार्य को 21 दिन तक नियमित रूप से करते हैं, तो वह आपकी आदत बन जाती है। अमित ने इस नियम का पालन करते हुए हर रोज़ अपने अध्ययन समय को सही तरीके से तय किया और उसे 21 दिन तक बिना कोई बहाना बनाए पालन किया। तीसरे हफ्ते के बाद, उसे महसूस हुआ कि अब उसकी पढ़ाई का तरीका पूरी तरह से बदल चुका था। अब उसे तनाव नहीं हो रहा था, और वह अपनी पढ़ाई में अधिक मनोयोगी हो गया था। अमित को अब समझ में आने लगा था कि जितना महत्वपूर्ण अपने भविष्य के लिए तैयारी करना है, उतना ही महत्वपूर्ण वर्तमान को सही तरीके से जीना है। उसने अपनी हर छोटी-छोटी गतिविधि को योजनाबद्ध तरीके से किया। अब वह न सिर्फ पढ़ाई बल्कि अपने शरीर और मानसिक स्थिति के लिए भी ध्यान रखने लगा। अमित ने अपने दिन की शुरुआत प्रार्थना से की, जिसमें उसने अपने मन को शांत करने की कोशिश की। यह उसे मानसिक शांति और अनुशासन दोनों देता था। यह प्रार्थना एक नियमित अभ्यास बन गया, जो उसकी सफलता की कुंजी बन गई।

- आकाश अग्रवाल

आज का कार्टून

साभार

भगवान भोलेनाथ को "मनाने" चले भक्त कांवड़िये

मन में भगवान भोलेनाथ के प्रति अगाध श्रद्धा। जुबान पर बम बम भोले का जय घोष। कंधों पर पवित्र गंगाजल से भरी कावड़। और गंगाजल को शिव मंदिर में चढ़ाने का जुनून। सावन के महीने में पवित्र कावड़ यात्रा का यही नजारा इन दिनों दिखाई पड़ रहा है। आदि देव महादेव की आराधना का पर्व कहे जाने वाले सावन के महीने में गंग तीर्थ से कावड़ लाकर शिव मंदिरों पर जलाभिषेक करने की परंपरा काफी प्राचीन है। कावड़ यात्रा का शुभारंभ सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल देश में कावड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू जो रही है। इस साल सावन मास में कुल चार सोमवार पड़ेंगे। कांवड़ यात्रा सावन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर कृष्ण चतुर्दशी तक यानि सावन की शिवरात्रि तक चलती है। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि होती है, इसलिए कृष्ण पक्ष को भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए अच्छा माना जाता है। ऐसी पौराणिक मान्यता है कि जब समुद्र मंथन के दौरान विषपान करने से भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया था, तब उसके प्रभाव को कम करने के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। इसी तरह आज भी शिवलिंग पर जलाभिषेक से प्रसन्न होकर भोलेनाथ भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कावड़ यात्रा शिव की असीम भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान कावड़िए पैदल चलकर पवित्र तीर्थस्थानों से गंगाजल लेकर आते हैं और उससे शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। कावड़ के प्रकार की बात करें तो वर्तमान में चार प्रकार की कावड़ प्रचलन में है जिनमें साधारण, डाक, खड़ी, और झूला कांवड़ शामिल हैं। पवित्र कावड़ यात्रा के संबंध में एक प्राचीन मत यह भी है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने कांवड़ यात्रा की नींव रखी थी। कथा के अनुसार अपने अंधे माता-पिता की तीर्थ यात्रा की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने उन्हें कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार लाया और गंगा स्नान कराया। लौटते समय वे साथ में गंगाजल भी ले गए, जिससे यह परंपरा शुरू हुई। वैसे तो भारत मे कावड़ यात्रा में कई प्रमुख रास्ते शामिल हैं। लेकिन हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री इसके मुख्य शुरूआती स्थल माने जाते हैं। भक्त यहां से पवित्र गंगा जल लेकर अलग-अलग शिव मंदिरों की ओर रवाना होते हैं। हरिद्वार वाला रास्ता सबसे लोकप्रिय है, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार से ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव मंदिर या उत्तर प्रदेश के बागपत में स्थित पूरा महादेव मंदिर तक यात्रा करते हैं। कुछ भक्त गौमुख जाकर वहां से गंगाजल लेते हैं और फिर अपनी पसंद के शिव मंदिर तक यात्रा करते हैं। गंगोत्री भी एक पवित्र स्थान है, जहां से भक्त गंगाजल लेकर वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर या झारखंड के देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम तक पहुंचते हैं। इसी तरह, देश में कई जगहें हैं जहां से लोग गंगाजल लेकर अपने-अपने शिव मंदिरों तक जाते हैं और वहां शिवलिंग पर जल चढ़ाकर पूजा करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। कहा तो यह भी जाता है कि इस यात्रा से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार, इससे अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है। मान्यता यह भी है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा, नियम और संयम से यह यात्रा करते हैं, उन्हें जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। गंग तीर्थ से पवित्र गंगाजल लाकर अपने इलाके के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने की यह प्राचीन परंपरा सर्वाधिक रूप से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा तथा बिहार और पश्चिम बंगाल में है। सावन के महीने में इन दोनों कावड़ यात्रा के चलते काफी रौनक देखने को मिलती है बता भगवान भोलेनाथ के भक्ति कावड़ चढ़कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। इसके अलावा कई भक्त विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए भी कावड़ यात्रा करते हैं। उधर, सावन का महीना आते ही श्रद्धा, विश्वास और आस्था का प्रतीक मानी जाने वाली कावड यात्रा पर राजनीति शुरू हो जाती है। पिछले पांच सालों से यात्रा हर बार किसी न किसी विवाद के कारण सुर्खियों में रही है। फिर चाहे वह कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा हो, कांवड़ की ऊंचाई को लेकर नियम हो, या फिर कांवड़ मार्ग पर होटलों और दुकानों के मालिकों की पहचान की अनिवार्यता संबंधी सरकारी फरमान।

-प्रदीप कुमार वर्मा

बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का मैनिफेस्टो तैयार

युवा और महिलाओं के वादों की भरमार

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन यानी इंडिया अलायंस ने अपना मैनिफेस्टो तैयार कर लिया है। राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और वाम दलों के गठबंधन की उप समिति ने गुरुवार को अपने साझा संकल्प पत्र को अंतिम रूप दिया। इसे अब महागठबंदन की कोऑर्डिनेशन कमिटी को सौंपा जाएगा, जिसके अध्यक्ष तेजस्वी यादव हैं। वहां से फाइनल मुहर लगने के बाद जनता के बीच इसे जारी किया जाएगा। महागठबंधन के चुनावी मैनिफेस्टों में बिहार के युवाओ और महिलाओं को फोकस करते हुए कई वादे शामिल किए जा रहे हैं।

इसके अलावा आशा एवं स्कीम वर्कर के बेहतर भविष्य को लेकर भी उसमें वायदे होंगे। मैनिफेस्टों में पूर्व में घोषित सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1500 रुपये प्रति माह करने, माई बहिन योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने समेत अन्य तमाम घोषणाओं को साझा संकल्प पत्र में शामिल किया जाएगा। पटना के कदमकुआं स्थित लेफ्ट पार्टी सीपीआई माले के प्रदेश कार्यालय में इंडिया गठबंधन की साझा संकल्प पत्र उप समिति की गुरुवार को बैठक हुई। इसमें मैनिफेस्टो के सभी प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया गया। उपसमिति की यह तीसरी बैठक थी, जिसमें राजद, कांग्रस, सीपीआई, सीपीएम, माले और वीआईपी के सदस्य मौजूद रहे। उपसमिति अपना प्रस्ताव 12 जुलाई को गठबंधन की समन्वय समिति को सौंप देगी।

बिहार में आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राजद, कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई-माले और वीआईपी महागठबंधन में साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के भी गठबंधन में शामिल होने पर बात चल रही है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने भी विपक्षी गठबंधन में शामिल होने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, राजद ने इस पर कोई विचार नहीं किया है।

तेज प्रताप यादव ने बदला पार्टी का झंडा

इस सीट से चुनाव लड़ने का दिया संकेत

महानगर नेटवर्क

महुआ

बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने महुआ मेडिकल कॉलेज का दौरा किया। तेज प्रताप यादव ने कहा कि मैं महुआ में मेडिकल कॉलेज के दौरे पर आया था। हमने चुनाव में वादा किया था कि मेडिकल कॉलेज देंगे। मैं जो वादा करता हूं वे निभाता हूं। पार्टी और परिवार से निकल जाने के बाद पहली बार जनता के बीच पहुंचे तेज प्रताप यादव ने महुआ पहुंचते ही हरे रंग की टोपी और सिर पर मुरेठा बांधकर रोड शो भी किया। इस दौरान तेज प्रताप यादव ने आरजेडी के झंडा और बैनर का इस्तेमाल नहीं किया। दरअसल वह खुद का एक संगठित टीम चला रहे हैं जिसका नाम है तेज प्रताप यादव टीम।

इस दौरे के दौरान तेज प्रताप टीम का झंडा देखा गया। पार्टी और घर से निकाले जाने के बाद वह आरजेडी का झंडा और बैनर का इस्तेमाल उन्होंने नहीं किया।

तेज प्रताप ने महुआ से चुनाव लड़ने का दिया संकेत

चुनाव किस पार्टी से लड़ेंगे इस सवाल को लेकर तेज प्रताप यादव ने कहा कि वह आने वाला वक्त बतलाएगा कि किस पार्टी से चुनाव लड़ा जाएगा,लेकिन टीम तेज प्रताप यादव का झंडा लगाकर घूमने को लेकर कहा कि यह सब जानते हैं तेज प्रताप टीम के बारे में। क्या वह महुआ से चुनाव लड़ेंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए तेज प्रताप ने कहा कि जनता मांग करेगी तो चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

'बिहार में AAP किसी राजनीतिक दल से गठबंधन नहीं करेगी'

संजय सिंह बोले- सीमांचल में गठबंधन का वोट काटेंगे, किशनगंज में करेंगे रैली

महानगर नेटवर्क

पटना

आम आदमी पार्टी (AAP) ने बिहार की राजनीति में अपनी गतिविधियां तेज कर दी है। राज्यसभा सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने पटना में आयोजित पीसी में नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला और साथ ही पार्टी की आगामी चुनावी रणनीति पर भी चर्चा की।

संजय सिंह ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। राज्य में लूट, हत्या और बलात्कार की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं,लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। हर तरफ अराजकता फैली हुई है,अपराधियों के हौसले बुलंद हैं,लेकिन सरकार की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। संजय सिंह ने बताया कि पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल से चुनावी रणनीति पर चर्चा के बाद हरी झंडी मिल चुकी है और पार्टी अब बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि AAP किसी भी राजनीतिक दल से गठबंधन नहीं करेगी और स्वतंत्र रूप से अपनी विचारधारा और कार्यशैली के आधार पर जनता के बीच जाएगी।

वोटर लिस्ट पुनः निरीक्षण पर चुनाव आयोग को घेरा

संजय सिंह ने वोटर लिस्ट के पुन: निरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है। मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों को योजनाबद्ध तरीके से मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। यह एक गहरी साजिश है जिससे लोगों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

भागलपुर में जमीन के लिए रिश्ते का कत्ल

भाई ने पकड़ा, भतीजे ने हथियार से काट दिया सिर

भागलपुर। भागलपुर में जमीन के विवाद में भाई ने सगे भाई की बेटे की मदद से हत्या कर दी। रंगरा थाना क्षेत्र के जहांगीरपुर बैसी में गुरुवार की अहले सुबह भूमि विवाद में सगे भाई और उसके बेटे ने ही अपने भाई के सिर पर दबिया से प्रहार कर निर्मम हत्या कर दी। मृतक की पहचान कमलेश्वरी यादव (62) पिता बीरो यादव के रूप में हुई। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए।

ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना रंगरा पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर रंगरा थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार पुलिस बलों के साथ पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भिजवाया। मृतक की बड़ी बेटी बबली कुमारी ने पुलिस को बताया कि मेरे चाचा अंबिका यादव ने जमीन विवाद में मेरे पिता की हत्या की है। कमलेश्वरी यादव की छोटी बेटी जूली ने कहा कि सुबह चाचा अंबिका यादव, उनकी पत्नी नूतन देवी ने मेरे पिताजी को पकड़ लिया था और उसके बेटे गौरव और सौरभ ने दबिया से सिर पर वार कर मेरे पिता की हत्या कर दी और जब मैं हंगामा करने लगी तो मुझको भी मारने दौड़े और कहा- तुमको भी मार देंगे।

बिहार में मेडिकल कॉलेजों को निजी हाथों में देने की तैयारी

नए अस्पताल के लिए जमीन भी देगी सरकार

महानगर नेटवर्क

पटना

बिहार में चुनिंदा सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों को निजी हाथों में देने की कवायद शुरू हो गई है। इन कॉलेजों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड के तहत प्राइवेट सेक्टर को सौंपने के लिए सरकार ने निजी कंपनियों से प्रस्ताव मांगे हैं। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर कोई पीपीपी मोड पर नया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बनाता है, तो इसके लिए सरकार की ओर से जमीन भी उपलब्ध कराई जाएगी।

डिप्टी सीएम सम्राट ने शुक्रवार को पटना के ज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय स्वास्थ्य मेला के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। इस मौके पर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय भी मौजूद रहे। सिन्हा ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया। वहीं, पांडेय ने दावा किया कि बीते 20 सालों में बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं बदल गई हैं।

इसी साल मार्च महीने में नीतीश सरकार का बजट पेश करते हुए सम्राट चौधरी ने विधानसभा में पीपीपी मोड पर नए मेडिकल कॉलेज खोले जाने की घोषणा की थी। अब सरकार ने इस पर काम शुरू कर दिया है। सम्राट ने कहा था कि राज्यभर में पीपीपी मोड पर नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। साथ ही निजी क्षेत्र के सहयोग से प्राइवेट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भी खुलेंगे।

बता दें कि नीतीश सरकार बिहार के सभी 38 जिलों में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल खोलने के लक्ष्य पर काम कर रही है। बिहार में अभी कुल 15 मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें से 3 केंद्र सरकार के हैं। कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान 7 नए मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल खोले जाने का ऐलान किया था। इन्हें अररिया, औरंगाबाद, बांका, जहानाबाद, कैमूर, खगड़िया और नवादा में खोला जाना है। इनके जमीन हस्तांतरण का काम चल रहा है। जल्द ही निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा। आने वाले समय में बाकी जिलों में भी नए मेडिकल कॉलेज अस्पताल खुलेंगे।

गया में पुलिस की गाड़ी से युवक की मौत पर बवाल

गुस्साई भीड़ ने स्कॉर्पियो फूंकी

महानगर नेटवर्क

गया

गया जी जिले में पुलिस की गाड़ी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने पुलिस की निजी गाड़ी फूंक दी। पहले तोड़फोड़ की फिर आग लगा दी। घटना इमामगंज के कोठी इलाके की है।

बताया जा रहा है कि शराब तस्करी के शक में पुलिस बाइक सवार युवक का पीछा कर रही थी। इसी दौरान विधिचक गांव में पुलिस की गाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। वही इस घटना के बाद पुलिसकर्मी वहां से भाग निकले।

गुस्साई भीड़ ने पुलिस की निजी स्कॉर्पियो को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि अब स्थिति काबू में है। लेकिन इस घटना के बाद से इलाके के लोगों में रोष है।

हाई स्पीड कार कई बार पलटी, बाल-बाल बचे मॉर्निंग वॉक पर निकले लोग

महानगर नेटवर्क

पटना

रील बनाने के चक्कर में हुआ हादसा सहरसा में शुक्रवार को रील बनाने के चक्कर में बड़ा हादसा हो गया। सुबह के समय कुछ लड़के रील बनाने के लिए स्कॉर्पियो कार लेकर निकले थे। कार बेहद तेज गति में थी और लड़के रील बना रहे थे। इसी बीच कार ने अपना संतुलन खो दिया और कई पलटियां खाकर खड़ी हो गई। गनीमत रही कि मॉर्निगं वॉक पर निकला कोई भी व्यक्ति इस गाड़ी की चपेट में नहीं आया, लेकिन कार में सवार लड़के बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद लड़के गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने पुलिस को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने कार बरामद कर ली है और लड़कों की छानबीन की तो पता चला कि प्राथमिक इलाज कराने के बाद सभी लड़के फरार हो गए हैं।

रीलबाजों का अड्डा बना सहरसा एयरपोर्ट

सहरसा एयरपोर्ट शहर में वीआईपी लोगों के आगमन पर उपयोग किया जाता है। उनके विमान इसी एयरपोर्ट पर उतरते हैं। आमतौर पर यह जगह आम लोगों के लिए खुली रहती है। यहां लोग मॉर्निंग वॉक के लिए आते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से यह जगह रीलबाजों का अड्डा बनती जा रही है। रील बनाने के चक्कर में यहां कई हादसे भी हुए हैं। शुक्रवार सुबह भी रील बनाते समय एक स्कॉर्पियो कार हादसे का शिकार हो गई।

अपराधियों ने जमीन कारोबारी को मारी गोली

भोजपुर। भोजपुर में हथियारबंद अपराधियों ने जमीन कारोबारी को गोली मार दी। बुलेट बाएं पैर में अंगूठा के पास लगी है। गंभीर हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सखुआ कॉम्प्लेक्स के पास की है। घायल की पहचा सखुआ कॉम्प्लेक्स के मालिक राम नारायण सिंह(66) के तौर पर हुई है। 2 महीने पहले अपराधियों ने 50 हजार की रंगदारी मांगी थी। घायल ने बताया कि आज सुबह पान खाने के बाइक से पियनिया बाजार गया था। वहां से लौटते समय बाइक सवार 2 बदमाशों ने टारगेट करके फायरिंग शुरू कर दी।

गहनों की दुकान में घुसते ही तान दी बंदूक

वैशाली में 20 लाख के जेवर समेट फरार हुए बदमाश

महानगर नेटवर्क

वैशाली

वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र में अपराधियों ने एक बड़ी लूट की वारदात को अंजाम देकर पूरे इलाके में सनसनी फैला दी. गोरौल बाजार स्थित एक ज्वेलरी दुकान से बाइक सवार छह बदमाशों ने दिनदहाड़े हथियार के बल पर करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर लूट लिए. घटना गोरौल थाना से महज कुछ दूरी पर हुई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। घटना के वक्त दुकान के मालिक अरुण कुमार साह अपने काउंटर पर बैठे थे. तभी दो बाइक पर सवार छह बदमाश पहुंचे और दुकान में घुसते ही हथियार तानकर उन्हें धमकाया. फिर अलमारी और डिस्प्ले से सोने-चांदी के जेवरात समेटकर फरार हो गए. वारदात इतनी तेजी से हुई कि दुकानदार और आसपास के लोग कुछ समझ ही नहीं पाए।

बाजार में मचा हड़कंप, SDPO ने संभाला मोर्चा

लूट की सूचना मिलते ही पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई. तुरंत गोरौल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, जिसके बाद SDPO कुमारी दुर्गा शक्ति भी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं. उन्होंने दुकानदार से गहन पूछताछ की और आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं. पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है और इलाके को सील कर संदिग्धों की तलाश जारी है।

दरभंगा के केवटी थाने में गोलाबारी मामले में FIR

दरभंगा। दरभंगा में बुधवार को उत्तर भेड़ियाही गांव में नकाबपोश बदमाशों ने 12 राउंड फायरिंग की। गोलीबारी मुस्लिम बेदारी करवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम के छोटे भाई शमशे आलम उर्फ पप्पू के नवनिर्मित मकान के बाहर हुई। वारदात के बाद सभी हथियार लहराते हुए फरार हो गए।

पीड़ित ने केवटी थाने में आवेदन देकर 5 बदमाशों के खिलाफ नामजद FIR दर्ज कराई है। मेघा निवासी सुनील यादव, श्रवण यादव, राहुल यादव, चतरा निवासी मनीष यादव और बिरला यादव को नामजद अभियुक्त बनाया है।

व्यापार

सेंसेक्स 690 अंक गिरकर 82,500 पर बंद

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (11 जुलाई) को सेंसेक्स 690 अंक गिरकर 82,500 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 205 अंक की गिरावट रही, ये 25,150 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 शेयरों में गिरावट और 7 में तेजी रही। TCS, महिंद्रा और टाटा मोटर्स सहित कुल 14 शेयरों में 1% से 3.5% तक की गिरावट रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर 4.65% ऊपर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 में गिरावट और 11 में तेजी रही। NSE के IT में 1.78%, ऑटो में 1.77%, मीडिया में 1.60% और रियल्टी शेयर में 1.21% की गिरावट रही। वहीं, FMCG, फार्मा और हेल्थकेयर में तेजी चढ़कर बंद हुए।

थर्ड वेव कॉफी ने पेश किए नए वैरिएंट

महानगर नेटवर्क

मुंबई

भारत की लोकप्रिय प्रीमियम कॉफ़ी और पेय श्रृंखला, थर्ड वेव कॉफ़ी ने आधिकारिक तौर पर बॉबल्स - बबल टी की अपनी रेंज लॉन्च की है, जो उनकी मौजूदा बोबा-प्रेरित श्रेणी में एक रोमांचक बदलाव का प्रतीक है। अब सभी जगहों पर उपलब्ध, बॉबल्स नौ बोल्ड और ताज़ा स्वादों में उपलब्ध है, जहां ग्राहक दिन भर के मूड के अनुसार पॉपिंग बोबा से लेकर च्यूई बोबा, दोनों का स्वाद ले सकते हैं। यह नया लॉन्च ब्रांड की खाद्य और पेय नवाचार यात्रा में एक और मील का पत्थर भी है। क्लासिक बॉबल्स के साथ एक मौसमी प्रयोग के रूप में शुरू हुआ यह उत्पाद जल्द ही ग्राहकों का पसंदीदा बन गया, जिससे और अधिक विविध पेशकश की मांग बढ़ गई। जैसे-जैसे मिलेनियल और जेनरेशन Z उपभोक्ता वैश्विक स्वादों और सामाजिक रूप से प्रेरित विकल्पों की तलाश में तेज़ी से बढ़ रहे हैं, बबल टी श्रेणी के 2033 तक दोगुने से भी ज्यादा होने की उम्मीद है, जो भोग-विलास के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित करेगा। थर्ड वेव कॉफ़ी के सह-संस्थापक अनिरुद्ध शर्मा ने कहा कि प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही है।

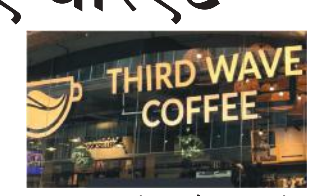

FASTag के साथ होशियारी दिखाने वालों की खैर नहीं

NHAI ने सीधे ब्लैक लिस्ट करने का किया फैसला

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने शुक्रवार को कहा कि गाड़ियों की विंडस्क्रीन पर सही तरीके से फास्टैग न लगाने वाले ड्राइवरों को ब्लैक लिस्ट में डालने से जुड़ी प्रक्रिया को मजबूत किया गया है। एनएचएआई ने फास्टैग को ठीक से न लगाने यानी 'लूज फास्टैग' की वजह से टोल संचालन में आने वाली दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए ये जरूरी कदम उठाया है। 'लूज फास्टैग' का मतलब ऐसे फास्टैग से है जो गाड़ी की विंडस्क्रीन पर सही तरीके से चिपकाया नहीं गया है, बल्कि चालक के पास हाथ में है या किसी ऐसी जगह पर रखा गया है जहां से उसे आसानी से स्कैन नहीं किया जा सकता है।

लूज फास्टैग को लेकर एनएचएआई ने सुव्यवस्थित की नीति

एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि एनुअल पास सिस्टम और मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए 'लूज फास्टैग' मुद्दे को हल करना अहम है। प्राधिकरण ने कहा, "एनएचएआई ने टोल कलेक्शन एजेंसियों और यूजर्स के लिए 'लूज फास्टैग' की तत्काल सूचना देने और ब्लैक लिस्ट में डालने की अपनी नीति को और सुव्यवस्थित किया है।"

बयान के मुताबिक, फास्टैग को ठीक से न लगाने से टोल प्लाजा पर परिचालन संबंधी चुनौतियां पैदा होती हैं और लेन में भीड़भाड़, झूठे चार्जबैक, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह ढांचे में व्यवधान, टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी और अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को असुविधा होती है। एनएचएआई ने समय पर सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने के लिए अलग से ईमेल आईडी मुहैया कराई है और टोल कलेक्शन एजेंसियों और यूजर्स को ऐसे फास्टैग की तुरंत सूचना देने का निर्देश दिया गया है।

सेंट्रल मुंबई की पहली 5G-इनेबल्ड एडवांस्ड एम्बुलेंस सेवा शुरू

महानगर नेटवर्क

मुंबई

सेंट्रल मुंबई में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। रेड हेल्थ और डॉ. एल.एच. हीरानंदानी हॉस्पिटल, पवई ने मिलकर शहर की पहली 5G-चालित एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एम्बुलेंस सेवा शुरू की है। रेड हेल्थ एशिया की एकमात्र जेसीआई-मान्यता प्राप्त और भारत की सबसे बड़ी आपातकालीन चिकित्सा सेवा है। इस सेवा का शुभारंभ प्रदीप चव्हाण, उपायुक्त पुलिस (ट्रैफिक – पूर्वी विभाग) ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर रेड हेल्थ के संस्थापक और सीईओ प्रभदीप सिंह, डॉ. एल.एच. हीरानंदानी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. समीर कुलकर्णी और डॉ. हीरानंदानी हॉस्पिटल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह अत्याधुनिक एम्बुलेंस सेवा तेज़ 5G नेटवर्क की मदद से मरीज़ों की हालत से जुड़ी अहम जानकारी तुरंत डॉक्टरों तक पहुंचाती है। इससे वीडियो कॉल पर विशेषज्ञों से संपर्क करना आसान होता है और अस्पतालों व इमरजेंसी टीमों के बीच बेहतर तालमेल बनता है।

पीएलआई योजना-भारत के वस्त्र क्षेत्र के लिए एक परिवर्तनकारी पहल

मुंबई। 2021 में शुरू की गई वस्त्र क्षेत्र के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (PLI) योजना भारत के वस्त्र उद्योग के लिए एक परिवर्तनकारी पहल बनकर उभरी है। यह योजना 24 सितंबर 2021 से 31 मार्च 2030 तक लागू है और इसमें मैनमेड फाइबर (MMF) परिधान, कपड़े और तकनीकी वस्त्रों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्षों तक वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं,जिससे उत्पादन का विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक एकीकरण को बढ़ावा मिलता है। वस्त्र मंत्रालय ने इस योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कई सक्रिय कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने तकनीकी वस्त्रों के लिए अतिरिक्त एचएस कोड अधिसूचित कर पात्र उत्पादों की श्रेणी का विस्तार किया है। 20 फरवरी को मंत्रालय ने प्रारंभिक समर्थन की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 54 करोड़ की प्रारंभिक राशि वितरित करने की मंजूरी दी।

डिपॉजिटरीज़ संस्थाएं एकजुट हुईं

मुंबई। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ने अपने निवेशक ऐप्स में एक नई सुविधा शुरू करने की घोषणा की है,जिसके तहत खुदरा शेयरधारक अब ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से कंपनी प्रस्तावों पर मतदान करते समय प्रॉक्सी एडवाइजर की सिफारिशें देख सकेंगे। इस नई सुविधा का औपचारिक शुभारंभ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अध्यक्ष तुहिन कांता पांडेय द्वारा किया गया। यह अपडेट SEBI के खुदरा निवेशकों की कॉरपोरेट गवर्नेंस में भागीदारी को बढ़ाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

ज़ेलियो ई मोबिलिटी ने Eeva का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया

महानगर नेटवर्क

मुंबई

भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में से एक ज़ेलियो ई मोबिलिटी ने अपने पॉपुलर लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर Eeva के नए फेसलिफ्ट मॉडल को ऑफिशियली लॉन्च कर दिया है। Eeva 2025 को आज के शहरी जीवन के हिसाब से नए सिरे से डिजाइन किया गया है। इसमें अब पहले से बेहतर परफॉर्मेंस, ज्यादा कोम्फेर्ताब्ले राइडिंग एक्सपीरियंस और जरूरी फीचर्स दिए गए हैं, खासतौर पर स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और डिलीवरी जैसे गिग वर्कर्स के लिए यह सबसे बढ़िया ऑप्शन है। यह स्कूटर ज़ेलियो की उस सोच को दर्शाता है जिसमें वो लोगों को सस्ता, स्मार्ट और सिटी-फ्रेंडली इलेक्ट्रिक व्हीकल देना चाहते हैं। नई Eeva तीन वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिन्हें सिटी राइड की अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

सैमसंग की भारत में प्रोडक्शन बढ़ाने की तैयारी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

एपल के बाद सैमसंग भी अमेरिकी बाजार में बेचे जाने वाले स्मार्टफोन्स भारत में बनाने की तैयारी में है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई ट्रेड पॉलिसी और टैरिफ बढ़ोतरी के चलते कई कंपनियां अपने प्रोडक्शन बेस को लेकर रणनीति बदल रही हैं। सैमसंग फिलहाल वियतनाम से अमेरिका को स्मार्टफोन एक्सपोर्ट करता है, लेकिन अगर वहां से शिपमेंट पर 20% तक टैरिफ लगा तो कंपनी के लिए लागत बढ़ जाएगी। इस वजह से सैमसंग अब भारत में अपनी ग्रेटर नोएडा फैक्ट्री को अमेरिका के लिए एक्सपोर्ट हब बनाने की प्लानिंग कर रहा है।

सैमसंग के ग्लोबल प्रेसिडेंट वॉन-जून चोई ने कहा कि हम पहले से ही भारत में कुछ ऐसे स्मार्टफोन बना रहे हैं, जो अमेरिका भेजे जा रहे हैं। अगर टैरिफ को लेकर कोई बड़ा फैसला हुआ, तो हम तुरंत अपने प्रोडक्शन को शिफ्ट कर सकते हैं।

अमेरिका में बिकने वाले 97% आईफोन

एपल को ट्रम्प की धमकी के बावजूद अमेरिका में बिकने वाले लगभग सभी आईफोन भारत में बन रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक एपल ने मार्च से मई 2025 के बीच भारत से जितने भी आईफोन एक्सपोर्ट किए, उनमें से 97% अमेरिका भेजे गए हैं। इनकी कीमत 3.2 बिलियन डॉलर (27,000 करोड़ रुपए) रही। सिर्फ मई में ही करीब 1 बिलियन डॉलर यानी 8,600 करोड़ के आईफोन भारत से अमेरिका भेजे गए हैं। यानी एपल अब भारत में आईफोन एक्सक्लूसिव तौर पर अमेरिकी बाजार के लिए बना रहा है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सावन मास के पहले दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया रुद्राभिषेक

प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि तथा शांति की मंगलकामना की

महानगर संवाददाता

गोरखपुर

सावन मास के पहले दिन गोरक्षपीठाधीश्वर और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक और हवन कर भगवान शिव का पूजन किया। शुक्रवार सुबह अपने आवास के शक्तिपीठ में उन्होंने विधिवत भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र, दुर्वा, मदार, कमल पुष्प सहित विभिन्न पूजन सामग्री अर्पित कर जल, दूध और ऋतुफलों के रस से रुद्राभिषेक किया। इस दौरान शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी मंत्रों के साथ मठ के आचार्यों और पुरोहितों ने अनुष्ठान संपन्न कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन भी किया। पूजन के बाद उन्होंने भगवान शिव से चराचर जगत के कल्याण और प्रदेशवासियों के आरोग्य, सुख, समृद्धि तथा शांति की मंगलकामना की। सावन माह में भगवान शिव की विशेष आराधना का महत्व बताते हुए, उन्होंने कहा कि यह माह भक्ति, साधना और कल्याण का प्रतीक है।

उधर, सावन पर कांवड़ियों की सकुशल यात्रा के लिए मुरादाबाद में ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार को डायवर्जन प्लान जारी किया। जिसके अनुसार शुक्रवार शाम छह बजे से दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर एक लेन को बंद कर दिया गया। इस लेन में केवल कांवड़ियां चलेंगे। जबकि दूसरी से छोटे और हल्के वाहन चल सकेंगे। पहले सोमवार के लिए 11 जुलाई को शाम छह बजे से 14 जुलाई को शाम चार बजे तक के लिए डायवर्जन लागू किया गया है। इसी तरह दूसरे सोमवार और शिवरात्रि के लिए 18 जुलाई को शाम छह बजे से 23 जुलाई को शाम चार बजे तक डायवर्जन रहेगा।

वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मनकापुर कोट पहुंचकर पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री आनंद सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी करीब 40 मिनट तक मनकापुर कोट में रुके। उन्होंने केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को उनके पिता के निधन पर ढांढस बंधाया। सुबह करीब पौने 12 बजे सीएम का हेलीकॉप्टर आरपी इंटर कालेज में उतरा। उनका काफिला सीधे मनकापुर कोट पहुंचा।

विश्वनाथ धाम में उमड़े श्रद्धालु

भक्तों पर हुई पुष्पवर्षा ■ गूंजा हर-हर महादेव

महानगर संवाददाता

वाराणसी

श्रावण के पहले दिन शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में भक्तों का रेला लग गया। मंगला आरती के साथ ही बाबा का दर्शन शुरू हुआ तो हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा धाम गूंज उठा। मंडलायुक्त व मंदिर के सीईओ समेत अन्य लोगों ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। इस दौरान श्रद्धालु खुशी से झूम उठे।

श्रावण मास के प्रथम दिवस का प्रारंभ भगवान विश्वनाथ की मंगला आरती से किया गया। मंगला आरती के बाद इस वर्ष मंदिर न्यास के कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस राजलिंगम की पहल पर श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

धाम परिसर में बाबा विश्वनाथ, भगवान दंडपाणि एवं उनके मध्य स्थित भगवान बैकुण्ठेश्वर के तीन शिखरों के सम्मुख श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर शिखर आराधना के साथ-साथ भक्तों का स्वागत किया गया। इसके बाद गर्भगृह से मंदिर प्रांगण में ही विराजमान भगवान बद्रीनारायण मंदिर तक श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा करते हुए हर-हर की काशी परंपरा को आगे बढ़ाया गया। यह पुष्प दिन भर श्रद्धालुओं को मां अन्नपूर्णा के अक्षत प्रसाद के साथ सावन के पहले दिन स्वागत भेंट के रूप में दिए जाएंगे। मंगला आरती के बाद भक्तों का स्वागत करने के लिए मंदिर न्यास की कार्यपालक समिति के अध्यक्ष मंडलायुक्त एस राजलिंगम, मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, डिप्टी कलेक्टर शम्भु शरण, तहसीलदार मिनी एल शेखर मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं को सर- मैडम कहकर बुलाएंगे पुलिसकर्मी

सावन में श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को कमिश्नरेट के पुलिसकर्मी सर और मैडम कहकर संबोधित करेंगे। नो-टच नीति के तहत किसी भी श्रद्धालु, विशेषकर महिलाओं को बिना आवश्यक कारण के नहीं स्पर्श करेंगे। सावन की पूर्व संध्या पर बृहस्पतिवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने श्री काशी विश्वनाथ धाम में तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को ब्रीफ कर कहा कि दर्शनार्थियों को सर या मैडम संबोधित कर सहयोगात्मक व्यवहार व बेहतर अनुभव दें। पुलिस आयुक्त ने धाम परिसर की सुरक्षा-व्यवस्था की समीक्षा कर सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, एंटी-ड्रोन का प्रभावी प्रयोग, प्रवेश द्वारों की निगरानी, आतंकी व संदिग्ध गतिविधियों पर प्रतिक्रिया के लिए "रैपिड-रिस्पांस यूनिट" को प्रभावी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

सर्पदंश से महिला की मौत किया गोबर में दफन

सीतापुर। जिले के तम्बौर थाना क्षेत्र की चकपुरवा ग्राम पंचायत में 60 वर्षीय महिला कलावती को घर में कंडा हटाते समय सांप ने काट लिया। परिजनों ने तुरंत इलाज कराया लेकिन डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि के बाद भी परिजनों ने हार नहीं मानी। उन्होंने बाबा कृपाल दास को फोन किया। बाबा गांव पहुंचे और बोले एक गड्ढा खोदो, गोबर से भर दो, मैं झाड़-फूंक करूंगा। अगर ऊपरवाले की मर्जी होगी तो महिला जिंदा हो जाएगी। बाबा के कहने पर परिजनों ने रात 8 बजे महिला को गोबर से भरे गड्ढे में दफन कर दिया। बाबा के अनुसार अगले दिन शुक्रवार रात को फिर से उस स्थान की खुदाई की गई, लेकिन नतीजा नहीं बदला।

बिजली संविदाकर्मी की मौत मामले में SDO और JE निलंबित

महानगर संवाददाता

प्रतापगढ़

बिजली उपकेंद्र सैफाबाद में संविदाकर्मी पिछले दिनों एचटी लाइन के पोल पर चढ़कर फाल्ट ठीक कर रहा था। इसी दौरान करंट की चपेट में आने से वह जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में उच्च अधिकारियों के आदेश पर जांच कमेटी गठित की गई। प्राथमिक जांच रिपोर्ट के आधार पर उपकेंद्र के जेई और एसडीओ को निलंबित कर दिया गया है।

आसपुर देवसरा के नोही गांव निवासी 26 वर्षीय राजीव कुमार गुप्ता पुत्र कमला गुप्ता विद्युत उपकेंद्र सैफाबाद में संविदाकर्मी हेल्पर के रूप में पिछले तीन वर्षों से कार्य कर रहा था। मंगलवार को उसके बेटे का घर में छठी समारोह मनाया जा रहा था। सुबह 10 बजे बासूपुर गांव में किसी ने फाल्ट ठीक करने के लिए राजीव को बुलाया था। बताया जाता है कि शट डाउन लेने के बाद वह वहां पहुंचकर एचटी लाइन के पोल पर चढ़कर फाल्ट ठीक कर रहा था। इसी दौरान लगभग 10:05 बजे बिजली की आपूर्ति चालू हो गई थी। करंट की चपेट में आने से राजीव की मौत हो गई थी।

पंचायत चुनाव में इस बार बदल सकता है सीटों का भूगोल

महानगर संवाददाता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में अगले साल अप्रैल-मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पंचायत चुनाव को लेकर किए गए नए परिसीमन में 504 ग्राम पंचायतें कम हुई हैं, जिसके बाद अब ग्राम पंचायतों की संख्या घटकर 57695 हो गई है। इसके बाद अब अगले चरण में आरक्षण का काम किया जाना है। अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव की तैयारियों के चरण में पंचायत पुनर्गठन के बाद अब अगले चरण को लेकर तैयारी की जा रही है जिसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत व क्षेत्र पंचायत सदस्यों समेत अन्य पदों को लेकर आरक्षण किया जाना है। बता दें कि अभी आरक्षण की प्रक्रिया कब शुरू होगी ये तय नहीं हो पाया है। लेकिन, संबंधित विभागीय अधिकारियों ने आरक्षण को लेकर मंथन शुरू कर दिया है।

विभागीय स्तर पर ग्राम पंचायतों की जानकारी

सूत्रों की माने तो वार्डों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इसे लेकर आपत्तियां और सुझाव जल्दी ही मांगे जाएंगे। चूंकि पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण निर्धारित करने से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन होना बाकी है और इसके गठन में और समय लग सकता है। संभावना है कि आरक्षण की प्रक्रिया अक्टूबर माह तक शुरू की जा सकेगी। वर्ष 2021 में हुए पंचायत चुनाव में आरक्षित सीटों का इस बार भूगोल बदल सकता है। सूत्रों के अनुसार इस बार ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत, एससी के लिए 20.69 प्रतिशत व एससी श्रेणी के लिए 0.56 प्रतिशत सीटें आरक्षित होंगी। आरक्षित सीटों में संबंधित वर्ग की महिलाओं के लिए भी 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जाएंगी। पंचायती राज विभाग के अधिकारी अगले चरण के लिए मंथन में जुटे हैं। जल्द ही इस पूरी कवायद को जमीन पर उतारे जाने की उम्मीद है। बता दें कि इसे लेकर गांव गांव में टीम बनाई गई है। इस कार्य के पूरा होने के बाद पंचायत चुनावों में इस बार का समीकरण बदला बदला सा दिखाई देने वाला है।

मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में जूनियर डॉक्टर ने की खुदकुशी

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार की सुबह एक जूनियर डॉक्टर का शव हॉस्टल के कमरे में मिला। आशंका जताई जा रही है कि उसने इंजेक्शन लगाकर खुदकुशी की है। गुलरिहा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के मुताबिक, एनेस्थीसिया विभाग में डॉ. अभीशू पीजी का छात्र था। वह मूलरूप से केरल का रहने वाला था। तीन महीने पहले ही उसी शादी हुई थी। शुक्रवार की सुबह हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर के रूम नंबर 25 में उसका शव मिला। उसने इंजेक्शन लगाकर खुदकुशी कर ली।

कांग्रेस नेता अजय राय ने सरकार पर साधा निशाना

महानगर संवाददाता

वाराणसी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने काशी में हो रहे निर्माण कार्यों के बीच सड़क पर हुए गड्ढे को लेकर भाजपा सरकार को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि हम सच्चाई बाहर करने का काम कर रहे हैं। ये सरकार हम लोगों के ऊपर मुकदमों की फेहरिस्त लगा रही है। कितने मुकदमें लगा रखी है, कितने थानों में लगा रखी है, सभी को पता है। मुकदमे इसलिए कराए जा रहे है कि हम लोग लगातार सड़क पर उतरकर, जो सरकार आंख बंद कर काम कर रही है उसे उजागर कर रहे हैं।

अजय राय ने कहा कि 'यह सरकार (भाजपा) हम पर कई मुकदमें लगा रही है... यह सब इसलिए क्योंकि आज हम सड़कों पर उतरकर सरकार की नींद खोलने का काम कर रहे हैं। आज से सावन का महीना शुरू हुआ है और पूरे शहर में गड्ढे हैं। कल मैं एक कांवड़िया शिविर में गया लेकिन वहां बिजली की व्यवस्था भी नहीं थी।"

छात्रावास के लिए जारी 10 लाख सिर्फ कागजों पर हुए खर्च, अधीक्षिका पर गिरी गाज

महानगर संवाददाता

लखनऊ

यूपी के मुरादाबाद में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास के रखरखाव के लिए 10 लाख रुपये सिर्फ कागजों पर खर्च कर दिए गए। उससे जमीन पर कोई कार्य नहीं कराया गया। मामले में छात्रों की शिकायत पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) असीम अरुण ने जांच कराई। जांच रिपोर्ट के आधार पर अधीक्षिका प्रवेश कुमारी को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही जिला समाज कल्याण अधिकारी के खिलाफ भी जांच के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री असीम अरुण ने 7 जुलाई को मुरादाबाद के एक छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास के छात्रों ने उनसे कई शिकायतें कीं। शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उन्होंने जांच के निर्देश दिए। मामले में मेरठ मंडल की उपनिदेशक सुनीता यादव ने 10 जुलाई को छात्रावास पहुंचकर जांच की। जांच में उन्होंने पाया कि मार्च में 14 कैमरे कागजों में तो खरीद लिए गए, लेकिन लगाए नहीं गए। जांच अधिकारी के पहुंचने से पहले 9 जुलाई को कैमरा लगाए गए थे। इसी तरह 42 इंच का टीवी भी मार्च में ही लगना कागजों में बताया गया। लेकिन, टीवी 7 जुलाई को लगाया गया। इतना ही नहीं कमरों, खिड़कियों की पुताई, मुख्य गेट की मरम्मत और पुताई के काम में भी गड़बड़ी मिली। इसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई।

हरियाणा पुलिस ने कुशीनगर से दो ठगों को गिरफ्तार किया

कुशीनगर। साइबर ठगी के मामले रोज सामने आ रहे हैं। इस बीच हरियाणा पुलिस दो साइबर ठगों को ढूंढते-ढूंढते यूपी के कुशीनगर आ पहुंची। कुशीनगर के तमकुहीराज क्षेत्र के रहने वाले इन दोनों साइबर फ्राडों को तमकुहीराज पुलिस की मदद से हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हरियाणा पुलिस दोनों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने के बाद कानूनी प्रक्रिया अपनाने के बाद उन्हें अपने साथ लेकर चली गई। दोनों साइबर अपराधियों द्वारा हरियाणा प्रांत के लोगों के साथ लाखों की ठगी की गई है। हरियाणा पुलिस की कार्रवाई से हड़कंप की स्थिति है।

रात में रेलवे स्टेशन की लिफ्ट हुई खराब

ढ़ाई घंटे फंसे रहे दो युवक

महानगर संवाददाता

सुल्तानपुर

रेलवे स्टेशन पर लगी लिफ्ट में बृहस्पतिवार की रात दो युवक फंस गए। ढ़ाई घंटे तक लिफ्ट में परेशान युवकों ने दिल्ली में रह रहे पिता को घटना बताई। इसके बाद उन्होंने पूर्व सांसद मेनका गांधी के ओएसडी को जानकारी दी। पूर्व सांसद ने स्थानीय कार्यकर्ताओं व उच्चाधिकारियों को फोन किया। इसके बाद हरकत में आए रेल महकमे के पास युवकों को निकालने की कोई तरकीब नहीं सूझी तो लिफ्ट को तोड़कर उन्हें बाहर निकाला गया। इस दौरान एक युवक की ट्रेन भी छूट गई।

शहर के महुअरिया निवासी प्रदीप त्रिपाठी आर्मी हेड क्वार्टर दिल्ली में नायब सूबेदार हैं। बृहस्पतिवार की रात महामना एक्सप्रेस से पत्नी व बेटे को दिल्ली जाना था। बेटा कुशाग्र त्रिपाठी अपने भाई आदर्श त्रिपाठी व मां को ट्रेन में बैठाने आया था। ट्रेन को तीन नंबर प्लेटफॉर्म पर आना था। समय की जानकारी हेतु तीन नंबर प्लेटफॉर्म पर लगी लिफ्ट से एक नंबर प्लेटफॉर्म पर आ रहे थे तभी यह घटना घटी।

एसी का कंप्रेसर फटने से मैकेनिक का एक हाथ उड़ा

एसआरएन अस्पताल में बरती गई लापरवाही

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

मरम्मत के दौरान एयर कंडीशनर का कंप्रेसर तेज आवाज के साथ फट जाने से एसी मैकेनिक का दाहिना हाथ उड़ गया। साथ ही चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आई हैं। हादसा शुक्रवार को जार्जटाउन इलाके में एसी ठीक करने के दौरान हुआ। आनन फानन में मैकेनिक को उपचार के लिए एसआरएन अस्पताल लाया गया।

बहरिया इलाके के रामपुर दौलतपुर गांव का निवासी तस्लीम एक बड़ी कंपनी में एयर कंडीशनर का मैकेनिक है। जार्जटाउन के एक कस्टमर ने कंपनी में शिकायत दर्ज कराई थी उसका एयर कंडीशनर ठंडा नहीं कर रहा है। कंप्रेसर में खराबी की आशंका जताई थी। शुक्रवार को कंपनी की ओर से एसी की मरम्मत करने के लिए तस्लीम पहुंचा था। मरम्मत के दौरान कंप्रेसर तेज आवाज के साथ फट गया। इससे हलचल मच गई। विस्फोट की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आनन फानन में उसे अस्पताल लाया गया। खून से लथपथ तस्लीम को प्राथमिक चिकित्सा के लिए ट्रॉमा सेंटर में लाया गया तो डॉक्टरों ने उसे डिजिटल एक्सरे के लिए भेज दिया।

कांग्रेस कार्यालय में रेप पर महानगर उपाध्यक्ष को भेजा जेल

महानगर संवाददाता

आगरा

जिले में कांग्रेस के महानगर उपाध्यक्ष जलालउद्दीन को रेप और जानलेवा हमले के मुकदमे में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। जलालउद्दीन पर जबरिया धर्मांतरण के मामले में भी केस दर्ज किया गया है। एक महिला ने कांग्रेस कार्यालय में रेप का आरोप लगाते हुए चार जुलाई को शाहगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता ने चाकू से हमले का वीडियो भी वायरल किया था।

महिला के अनुसार वर्ष 2019 में वह दीवानी कोर्ट गई थी। वहां पेशे से वकील जलालउद्दीन से उसकी मुलाकात हुई। मदद के बहाने आरोपित ने उससे पहचान कर ली। उसके घर आने लगा। सितंबर 2019 में दवा दिलाने के बहाने उसे साथ ले गया। कलेक्ट्रेट से पहले पुराने कांग्रेस कार्यालय में उसके साथ रेप किया। उस पर धर्मांतरण और निकाह का दबाव बनाया, जबकि वह पहले से विवाहित है। पति विकलांग है।

एपीएस परीक्षा-2010 में धांधली आगे की परीक्षाओं पर पड़ी भारी, अभ्यर्थी परेशान

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

अपर निजी सचिव (एपीएस) परीक्षा-2010 में धांधली ने एपीएस परीक्षा-2013 व 2023 को संकट में डाल दिया है। एपीएस परीक्षा-2013 का मामला कोर्ट में लंबित है तो एपीएस परीक्षा-2023 के तहत शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट का रिजल्ट एक साल बाद भी जारी न होने से अभ्यर्थी परेशान हैं।

यूपीपीएससी की भर्ती परीक्षाओं की जांच कर रही सीबीआई ने एपीएस परीक्षा-2010 के मामले में तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि पर्याप्त संख्या में योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध होने के बावजूद नियमों से छेड़छाड़ कर अयोग्य को शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट में सफल घोषित कर दिया गया था। एपीएस भर्ती-2010 में शॉर्ट हैंड व टाइप टेस्ट 135 अंकों का था और न्यूनतम 125 अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को क्वालिफाई कराया जाना था। साथ ही शॉर्ट हैंड टेस्ट में पांच फीसदी तक गलती अनुमन्य थी। बाद में आयोग ने बैठक कर तय कर लिया कि अभ्यर्थी को 125 अंक मिल रहे हैं और शॉर्ट हैंड टेस्ट में आठ फीसदी तक गलती है तो अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में आयोग अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए अतिरिक्त तीन फीसदी गलती को अनुमन्य करते हुए ऐसे अभ्यर्थियों को भी मौका देगा। साथ ही जो अभ्यर्थी न्यूनतम 119 अंक पाते हैं, उन्हें भी आठ फीसदी तक गलती होने पर तीसरे चरण की परीक्षा कंप्यूटर टेस्ट के लिए क्वालिफाई करा दिया जाएगा।

बेवजह अलग रह रही पत्नी भरण पोषण की हकदार नहीं : हाईकोर्ट

महानगर संवाददाता

प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के विवाद में फैमिली कोर्ट के पत्नी को भरण पोषण देने का आदेश रद्द करते हुए कहा कि बिना किसी वाजिब कारण के ससुराल और पति से अलग रह रही पत्नी को भरण पोषण नहीं दिया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा ने मेरठ निवासी विपुल अग्रवाल की निगरानी याचिका पर उसके अधिवक्ता रजत ऐरन और दूसरे पक्ष के वकील को सुनकर दिया है। याची के अधिवक्ता रजत ऐरन ने दलील दी कि याची की पत्नी निशा अग्रवाल विवाह के कुछ समय बाद ही छोटे बच्चे के साथ ससुराल छोड़कर मायके जाकर रहने लगी और पति के भरसक प्रयास के बाद भी वापस आने को तैयार नहीं हुई। उन्होंने कोर्ट को बताया कि मध्यस्थता के दौरान भी पत्नी द्वारा पति के साथ जाने से स्पष्ट इनकार कर दिया गया।

एडवोकेट रजत ऐरन ने कहा कि पत्नी ने भरण पोषण के लिए फैमिली कोर्ट मेरठ के समक्ष सीआरपीसी की धारा 125 का मुकदमा किया। फैमिली कोर्ट ने अपने आदेश में पति से अलग रहने का कोई वाजिब कारण पत्नी के पास नहीं पाया। फिर भी आठ हजार रुपये मासिक भरण पोषण सहानुभूति के आधार पर तय कर दिया गया जो सीआरपीसी की धारा 125(4) के प्रावधान का उल्लंघन है। हाईकोर्ट ने पति की निगरानी याचिका स्वीकार करते हुए फैमिली कोर्ट के गत 17 फरवरी के आदेश को भरण पोषण के मूलभूत प्रावधानों के विपरीत पाते हुए रद्द कर दिया और मामले में फिर से निर्णय के लिए उसे फैमिली कोर्ट मेरठ भेजने का निर्देश दिया।

युवती को प्यार में फंसाने जीशान बना समर सिंह, गिरफ्तार

बाराबंकी। जिले में लव जिहाद का मामला सामने आया है। यहां जीशान ने समर सिंह बनकर युवती को फंसाया। इसके बाद न सिर्फ उसका शारीरिक शोषण किया, बल्कि ठगी भी की। पुलिस ने आरोपी और उसके बहन-बहनोई को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रयागराज जबकि उसके बहन-बहनोई लखनऊ के हैं। तीनों पर धोखाधड़ी, धर्मांतरण और शोषण की धाराओं में केस दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, युवती ने तहरीर में बताया कि करीब एक साल पहले उसकी एक युवक से बातचीत शुरू हुई थी। कुछ समय बाद दोनों में झगड़ा हो गया। लेकिन फिर से बातचीत शुरू हो गई। युवक ने अपना नाम समर सिंह बताया। युवती से शादी करने का वादा कर उसे लखनऊ बुलाया।

बेवफा पत्नी ने प्रेमी से कराई पति की हत्या

महानगर संवाददाता

अलीगढ़

जिले के बरला में सुरेश हत्याकांड को लेकर नया खुलासा हुआ है। मामले में सीओ बरला गर्वित सिंह के अनुसार पति सुरेश की हत्या से पहले बीना और उसके प्रेमी दोनों में फोन पर लगातार बातचीत भी हो रही थी। बीना अपने पति की लोकेशन मनोज को बता रही थी। घटना से पहले बीना ने ही पति को घर के बाहर बैठने भेजा था। मृतक के भाई विजय जब गोली की आवाज सुनकर दौड़कर आए, तो बीना मनोज से कह रही थी कि 'जितनी गोली मारनी है मार, मगर आज बचने न पाए।'

ये सब आठ साल से चल रहा था, मगर पति बेवफा के इस रिश्ते को सिर्फ बच्चों की खातिर निभा रहा था। यह सच घटना के बाद बृहस्पतिवार शाम तक चली पुलिस जांच में उजागर हुआ। आरोपी के मोबाइल में दोनों के आपत्तिजनक वीडियो फोटो देख खुद पुलिस अधिकारी दंग रह गए। पुलिस मुकदमे की मजबूती के लिए इन साक्ष्यों को विवेचना में शामिल करेगी। पत्नी के विवाहेत्तर संबंधों की जानकारी सुरेश को लंबे समय से थी। कई बार पंचायत तक हुई। बात थाने गई। मामले में खुद पति ने हत्यारोपी मनोज के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। मगर खुद महिला ने अपने प्रेमी का पक्ष लिया, इसलिए पुलिस उस शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकी।

अगर, कार्रवाई की होती तो शायद हत्या तक बात न पहुंचती, मगर इतने के बावजूद सुरेश अपनी पत्नी को सिर्फ बच्चों की परवरिश की खातिर निभाता रहा। महिला ने तो उसे रास्ते से हटाने की ही ठान रखी थी। एसपी देहात अमृत जैन बताते हैं कि आरोपी के मोबाइल में दोनों के आपत्तिजनक वीडियो-फोटो भी मिले हैं। उन्हें देखकर उजागर हुआ है कि दोनों लंबे समय से इस प्रेम संबंध में थे। साथ में यह भी देखा जाएगा कि इस साजिश में कोई अन्य तो शामिल नहीं था, उसे भी विवेचना में उजागर होने पर आरोपी बनाया जा सकता है।

जबरन धर्मांतरण कराने पर ठीक से इलाज करेगी योगी सरकार : अपर्णा यादव

गोंडा। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो जबरन धर्मांतरण कराएगा उसका योगी सरकार ठीक से इलाज करेगी। बलरामपुर के छांगुर बाबा प्रकरण को लेकर उन्होंने यह बात कही। सपा नेताओं की ओर कावड़ यात्रा पर उठाए जा रहे सवाल पर अपर्णा यादव ने कहा कि हमारे देश में सभी प्रकार के धर्म के लिए जगह है किंतु कोई भी व्यक्ति सनातन धर्म के लिए अपमानजनक बात कहेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बोलीं, कावड़ मेले पर कोई भी सवाल नहीं उठाना चाहिए। वह शुक्रवार को गोंडा में सीएचसी का निरीक्षण करने पहुंची थीं। इस दौरान खामियां देखकर अपर्णा यादव ने नाराजगी भी जताई।

SC की टिप्पणी पर कांग्रेस-बीजेपी में घमासान

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन

एक-दूसरे को बता रहे 'झूठा'

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों के चलते राज्य में बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित होने से बचाया जा सकेगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा, 'निर्वाचन आयोग ने 'स्थगनादेश नहीं मिलने' को लेकर जो भ्रम फैलाने की कोशिश की, उसकी असलियत भी अब सामने आ चुकी है।'' कांग्रेस नेता ने न्यायालय की टिप्पणियों के कुछ अंश एक्स पर साझा किए। बीजेपी ने रमेश पर न्यायालय की टिप्पणियों की गलत व्याख्या करने का आरोप लगाया और कहा कि उनके विरुद्ध अवमानना का आरोप लगाया जा सकता है।

रमेश ने पोस्ट किया, 'माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश के आधिकारिक रूप से सामने आने के बाद, अब निर्वाचन आयोग को बिहार में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड और राशन कार्ड को शामिल करना होगा। इससे बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित होने से बचाया जा सकेगा।' उन्होंने दावा किया, 'इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया है कि 'स्थगनादेश नहीं मिलने' की बात कहकर निर्वाचन आयोग जो भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा था, उसकी असलियत अब सामने आ चुकी है। आदेश के पृष्ठ संख्या सात पर स्पष्ट रूप से लिखा है कि किसी भी याचिकाकर्ता ने कल (गुरुवार को) न्यायालय से स्थगन आदेश की मांग ही नहीं की थी।' रमेश ने कहा कि इस तरह का जानबूझकर भ्रामक 'हेडलाइन मैनेजमेंट' एक संवैधानिक संस्था को शोभा नहीं देता।कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए बीजेपी आईटी प्रकोष्ठ प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'उच्चतम न्यायालय की (टिप्पणियों की) गलत व्याख्या करना बंद करें।

सिद्धारमैया का दिल्ली में अपमान

राहुल से नहीं हुई मुलाकात तो भाजपा ने कसा तंज

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद में बदलाव को लेकर चल रहीं अटकलों के बीच सीएम सिद्धारमैया राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिलने का समय मांगा, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। इस पर बीजेपी ने तंज कसा है। बीजेपी नेता और आईडी हेड के प्रमुख अमित मालवीय ने इसे अपमान करार दिया है। अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट किया, ''कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का दिल्ली में अपमान। वह दिल्ली तक आए, लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया और अब बिना किसी मुलाकात के ही लौट आए हैं। यह पहली बार नहीं है जब किसी गांधी ने कर्नाटक के किसी वरिष्ठ नेता का अपमान किया हो। इतिहास याद करता है कि कैसे राजीव गांधी ने बीमार वीरेंद्र पाटिल को बेवजह बर्खास्त कर दिया था, जिससे राज्य में कांग्रेस का पतन हुआ था।''

बीजेपी नेता ने आगे कहा, ''अब कमजोर सिद्धारमैया को उसी व्यक्ति के पीछे छिपना पड़ रहा है जो उनके खिलाफ साजिश रच रहा है- डीके शिवकुमार, जो उनकी कुर्सी संभालने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस, और खासकर गांधी परिवार, हमेशा से कन्नड़ लोगों के साथ तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करता रहा है। यह तो बस ताजा उदाहरण है।''

कर्नाटक में लंबे समय मुख्यमंत्री पद को लेकर अटकलें लग रही हैं। डीके शिवकुमार के समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, जबकि सिद्धारमैया पद छोड़ने को तैयार नहीं हैं। सिद्धारमैया ने राज्य नेतृत्व में बदलाव की अटकलों को फिर से खारिज कर दिया।

जनता के कश्मीर जाने को लेकर विवाद

ममता बनर्जी और सुवेंदु आमने-सामने

महानगर नेटवर्क

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के लोग घूमने कश्मीर जाएंगे या नहीं जाएंगे? इस सवाल को लेकर राज्य की दो मुख्य पार्टियां आमने-सामने आ गई हैं। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों ने जम्मू-कश्मीर घूमने का आह्वान किया। वहीं दूसरी और ममता के इस आह्वान पर विधानसभा में नेता विपक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी भड़क गए। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हमारे लोगों को चुन-चुनकर मारा गया है। ऐसे में कोई भी वहां नहीं जाएगा। इतना ही नहीं सुवेंदु ने लोगों से कश्मीर की जगह उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जाने की अपील की। यह पूरा मामला उस वक्त शुरु हुआ, जब राज्य के दौरे पर आए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ममता बनर्जी को जम्मू-कश्मीर आने का न्यौता दिया। इतना ही नहीं उन्होंने पहलगाम हमले के बाद पुंछ और राजौरी में मदद के लिए टीम भेजने पर ममता का धन्यवाद भी किया। सीएम ममता बनर्जी ने

उमर अब्दुल्ला का न्यौता स्वीकार करते हुए दुर्गा पूजा के आसपास कश्मीर आने की बात कही। उन्होंने कहा, "मैं पूजा के बाद कश्मीर जाने की कोशिश करूँगी। हमारी सरकार कश्मीर की हर संभव मदद के लिए तैयार है। हमारे पर्यटकों को कश्मीर जाना चाहिए। डरने की कोई ज़रूरत नहीं है।"

केंद्र सरकार से पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, "भारत सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि अधिक पर्यटक जम्मू-कश्मीर आ सकें। सीमा सुरक्षा केंद्र के हाथों में है, इसलिए उन्हें आवश्यक कदम उठाने चाहिए। अगर जरूरत पड़े, तो उन्हें उमर अब्दुल्ला से बात करनी चाहिए और उचित

उमर अब्दुल्ला बोले- कश्मीर आइए

इससे पहले ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, "बंगाल से आए प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित परिवारों से बात की और उनकी शिकायतों और चिंताओं को सुना। मैं प्रतिनिधिमंडल भेजने के लिए दीदी (ममता बनर्जी) का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं चाहता हूँ कि पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर भविष्य में व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर काम करें। इसीलिए मैंने दीदी को कश्मीर आने का न्योता दिया है।"

जाओ ममता बनर्जी की इस टिप्पणी के वायरल होते ही सबसे पहसे भारतीय जनता पार्टी के नेता सुवें अधिकारी का बयान सामने आया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कोई भी बंगाली, कश्मीर नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, "जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है वहां कोई भी बंगाली नहीं जाएगा। पहलगाम हमले में कोलकाता के लोगों को भी मारा गया था।

ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएं हो गईं गायब'

- भुवनेश्वर में गरजे राहुल गांधी
- बीजेपी सरकार पर किया बड़ा प्रहार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज भुवनेश्वर के बारामुंडा मैदान में एक विशाल रैली 'संविधान बचाओ समावेश' को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ओडिशा में 40,000 से ज्यादा महिलाएं गायब हो गई हैं। आज तक नहीं मालूम कि ये महिलाएं कहां पर गईं। महिलाओं के खिलाफ हर रोज यहां पर अत्याचार होता है। यहां की सरकार को इससे कोई लेना-देना नहीं है। राहुल गांधी ने कहा, 'ओडिशा सरकार का एक ही काम है कि राज्य के गरीब लोगों के हाथों से ओडिशा का धन चुराना। पहले बीजेडी सरकार ने यही किया और अब बीजेपी सरकार यही कर रही है। एक तरफ ओडिशा की गरीब जनता, दलित, आदिवासी, पिछड़ा वर्ग, किसान और मजदूर हैं, और दूसरी तरफ 5-6 अरबपति और बीजेपी सरकार है। यह लड़ाई जारी है।'

कांग्रेस सांसद ने कहा, 'BJP लगातार संविधान पर आक्रमण कर रही है। जिस तरह से महाराष्ट्र में चुनाव चोरी किया गया, उसी तरह से बिहार में चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। चुनाव चोरी करने के लिए चुनाव आयोग ने नई साजिश शुरू की है। चुनाव आयोग BJP का काम कर रहा है, अपना काम नहीं कर रहा है। महाराष्ट्र के लोक सभा और विधानसभा चुनाव के बीच एक करोड़ नए वोटर आ गए, लेकिन अभी तक किसी को नहीं मालूम यह वोटर कौन थे और कहां से आए। हमने चुनाव आयोग से कई बार कहा कि- हमें वोटर लिस्ट दीजिए, वीडियो दीजिए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं दे रहा। ये लोग बिहार का चुनाव भी चोरी करना चाहते हैं, पर हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे।'

सेटेलाइट तस्वीरों में बड़ा दावा

ईरान के हमले में अमेरिकी एयरबेस को हुआ था भारी नुकसान

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

ईरान- इजरायल संघर्ष के दौरान अब एक बड़ी बात सामने आ रही है। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा शुक्रवार को विश्लेषण किए गए उपग्रह चित्रों से पता चलता है कि कतर स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान के हमले में संभवतः जियोडेसिक गुंबद पर हमला हुआ। जिसमें अमेरिकी सेना ने सुरक्षित संचार के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण रखे गए थे। हालांकि, अमेरिकी सेना और कतर ने नुकसान पर टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। जिसे अब तक सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है। कतर की राजधानी दोहा के बाहर अल उदीद एयर बेस पर 23 जून को ईरानी हमला हुआ था। यह हमला ईरान ने तेहरान में तीन परमाणु स्थलों पर अमेरिकी बमबारी के

जवाब में किया था। जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता की और सीजफायर का ऐलान किया। जिसके चलते 12 दिनों से चल रहा ईरान-इज़रायल संघर्ष खत्म हुआ। ईरानी हमले से अमेरिका का बहुत कम हानि हुई। संभवतः इस इसके कारण कि अमेरिका ने हमले से पहले ही अपने विमानों को बेस से हटाकर अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के अग्रिम मुख्यालय में पहुंचा दिया था।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान ने संकेत दिया कि वह कब और कैसे जवाबी कार्रवाई करेगा। जिससे अमेरिकी और कतर वायु रक्षा को हमले के लिए तैयार रहने का मौका मिल गया। जिससे मध्य पूर्व में हवाई यात्रा कुछ समय के लिए बाधित हुई, हालांकि, यह क्षेत्रीय युद्ध में तब्दील नहीं हुआ, जिसकी विश्लेषकों को लंबे समय से आशंका थी। प्लैनेट लैब्स पीबीसी की उपग्रह छवियों में 23 जून की सुबह, हमले से कुछ घंटे पहले, अल उदीद एयर बेस पर दिखाई देने वाला जियोडेसिक गुंबद दिखाई दे रहा है। अमेरिकी वायु सेना की 379वीं एयर एक्सपेडिशनरी विंग, जो इस बेस से संचालित होती है। उसने 2016 में 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से एक उपकरण स्थापित करने की घोषणा की थी।

पीएम मोदी की विदेश यात्रा की आलोचना करने पर

विदेश मंत्रालय के निशाने पर सीएम भगवंत मान

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

पीएम मोदी के विदेश दौरे को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में तंज कसा था। भगवंत मान के इस तंज को लेकर सियासी पारा चढ़ने लगा है। इस बीच विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा की और इसे 'गैरजिम्मेदाराना' करार दिया। मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार

'राज्य के एक उच्च पदाधिकारी' की ओर से की गई उन अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है, जिसमें मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों की अनदेखी की गई है।

कर्नाटक हाईकोर्ट-कन्नड़ अनिवार्य करने पर केंद्र-राज्य को नोटिस

3 हफ्ते में जवाब मांगा, 2023 में दायर याचिका में राज्य के तीन कानूनों को चुनौती

महानगर नेटवर्क

बेंगलुरु

कर्नाटक हाईकोर्ट ने कन्नड़ भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने पर सरकार से जवाब मांगा है। इसके लिए तीन हफ्ते का समय दिया है। अदालत ने राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस भी जारी किए हैं। राज्य के CBSC और CISCE स्कूलों में कन्नड़ की पढ़ाई अनिवार्य करने के खिलाफ 2023 में एक जनहित याचिका (PIL) दायर हुई थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सीएम जोशी की बेंच ने शुक्रवार को मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। दो साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी सरकार ने मामले में कोई आपत्ति दाखिल

दाखिल नहीं की है। इस पर बेंच ने कहा कि अपनी मशीनरी तैयार करें, वरना हम अंतरिम राहत देने पर विचार करेंगे। याचिका में कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग एक्ट- 2015, कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग रूल- 2017 और कर्नाटक एजुकेशनल इंस्टीट्यूट रूल- 2022 को चुनौती दी गई है।

दुकानदारों ने श्रद्धालुओं को पीटा, चार दुकानदार गिरफ्तार

- हमें अंदाजा ही नहीं था कि ऐसा हमला होगा

महानगर नेटवर्क

सीकर

बाबा श्याम की नगरी खाटूश्यामजी से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो श्याम कुंड के पास का है, जहां श्रद्धालुओं और स्थानीय दुकानदारों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद झगड़ा हुआ। घटना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार मामला शुक्रवार सुबह 11 बजे का बताया जा रहा है। उस

समय तेज बारिश हो रही थी। बताया गया कि खाटूश्यामजी में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। ऐसे में अचानक बारिश होने लगी तभी कुछ श्रद्धालु बचने के लिए एक दुकान में चले गए। इस पर दुकानदार ने उनको बाहर जाने को कहा। श्रद्धालुओं ने तेज बारिश का हवाला दिया तो दुकानदार से बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठियां चल गईं। इस घटना में कई लोग चोटिल हुए हैं। इस दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने मारपीट का वीडियो बना लिया। वीडियो में झमाझम बारिश के बीच कुछ लोग आपस में भिड़ते नजर आ रहे हैं। ये वीडियो अब वायरल हो रहा है। हालांकि मंदिर कमेटी की ओर से अब तक वीडियो पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

'अगर दलित आदिवासी अपने अधिकारों के लिए लड़ना नहीं सीखेंगे तो...'

खड़गे बोले- संविधान से धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद शब्दों को हटाने का प्रयास कर रही है BJP

महानगर नेटवर्क

भुवनेश्वर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 'संविधान बचाओ सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि अगर दलित और आदिवासी समुदाय अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना नहीं सीखेंगे, तो भाजपा उनकी हर चीज छीन लेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश के संविधान से 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' जैसे मूल शब्दों को हटाने की कोशिश में जुटी है।

खड़गे ने कहा कि ओडिशा में भाजपा समर्थक दलितों और सरकारी अधिकारियों पर हमले कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को चेताया कि अगर समय रहते दलितों, आदिवासियों और वंचितों ने आवाज नहीं उठाई, तो उनके वोट और अधिकार दोनों खत्म कर दिए जाएंगे। खड़गे ने ओडिशा में कांग्रेस सरकार के योगदान को याद दिलाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में पारादीप पोर्ट, राउरकेला स्टील प्लांट, हीराकुंड डैम, नाल्को, एनटीपीसी, चिल्का नेवल एकेडमी, मंचेश्वर रेल कोच फैक्ट्री, और कोरापुट में एचएएल व ऑर्डिनेंस फैक्ट्री जैसे कई सार्वजनिक उपक्रम स्थापित हुए। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि सभी संवैधानिक संस्थाओं पर अब मोदी और शाह का नियंत्रण है। एजेंसियां संविधान से नहीं, भाजपा के इशारों पर काम कर रही हैं।

यूपी-बिहार और असम समेत देश के 20 नदी स्थलों पर बाढ़ का खतरा

- केंद्रीय जल आयोग ने जताई चिंता

नई दिल्ली। केंद्रीय जल आयोग (CWC) ने शुक्रवार को जारी अपने दैनिक बाढ़ बुलेटिन में कहा कि देश भर में 20 नदी स्थलों को बाढ़ का खतरा बना हुआ है, जिनमें से असम में एक और बिहार में दो स्थान बाढ़ की गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। बाढ़ की गंभीर स्थिति वाले स्थान असम के गोलाघाट में ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के किनारे स्थित इलाके तथा बिहार के मुजफ्फरपुर और गोपालगंज में गंगा की सहायक नदियों क्रमशः बागमती और गंडक के तट पर स्थित हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि इन स्थानों पर जल स्तर खतरे के निशान कुल मिलाकर, केंद्रीय जल आयोग ने 20 स्थानों के लिए बाढ़ को लेकर चिंता जताई है, जिनमें मुख्य रूप से असम, बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। ब्रह्मपुत्र और गंगा नदी प्रणालियां ज्यादातर उच्च-जोखिम वाले स्थानों पर हैं। हालांकि, अभी तक कोई भी नदी बाढ़ के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर नहीं पहुंची है। केंद्रीय जल आयोग ने 17 स्थानों पर बाढ़ की स्थिति को असमान्य बताया है। पिछले 24 घंटों में कई स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी को बरकरार रखा गया।

चैन नहीं ले पाएगा पाकिस्तान...

मॉनसून के बाद के लिए भी इंतजाम

चिनाब नदी पर जल्द डैम बनाने के लिए लोन लेगी सरकार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत सरकार जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर बन रहे क्वार बांध के काम को तेजी से पूरा करना चाहती है। इसके लिए सरकार 3,119 करोड़ रुपये का लोन लेना चाहती है। यह एक नया प्रोजेक्ट है, जिससे पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी के बहाव पर असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी है। यह प्रोजेक्ट चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड नाम की कंपनी कर रही है। यह कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड और जम्मू & कश्मीर स्टेट पावर

डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड का जॉइंट वेंचर है। सीवीपीपीएल ने 540 मेगावाट की क्वार हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए 3,119 करोड़ रुपये का लोन लेने के लिए अलग-अलग बैंकों और वित्तीय संस्थानों से सबसे कम ब्याज दर पर लोन देने का ऑफर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत 4,526 करोड़ रुपये है और अभी इसका काम चल रहा है।

जनवरी 2024 में चिनाब नदी का रास्ता बदला गया था। यह इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा मुकाम था। इससे बांध का मुख्य काम शुरू करने का रास्ता खुल गया है और काम चल रहा है। इसके अलावा, प्रोजेक्ट के अलग-अलग हिस्सों में काम शुरू हो गया है। सबसे खास बात यह है कि 609 मीटर लंबी मेन एक्सेस टनल की खुदाई शुरू हो गई है। नदी का रास्ता बदलना हर हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के लिए बहुत जरूरी होता है। इससे बांध का काम शुरू करने में मदद मिलती है। यह प्रोजेक्ट जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चिनाब नदी पर है। इसमें 109 मीटर ऊंचा कंक्रीट का बांध बनाया जाएगा।

उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉक्टरों का किया गया सम्मान

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली \ मुंबई

कई वर्षों से निरंतर समाज में अपना बड़ा योगदान देने वाला पी एस फाउंडेशन (प्रदीप शर्मा फाउंडेशन) लगातार अंधेरी पूर्व विधानसभा के गली मोहल्ले में जाकर एंबुलेंस के जरिए मुफ्त में लोगों का इलाज करा रहा है। यह संस्था रक्तदान शिविर के अलावा मोतियाबिंद, कैंसर और अन्य प्रकार के बीमारियों के इलाज में अपना योगदान करती आ रही है। हाल ही में पी एस फाउंडेशन द्वारा स्वास्थ्य शिविर के आयोजन को सफल बनाने वाले डॉक्टरों को सम्मानित करके उनका उत्साह बढ़ाया गया।

मुंबई जैसे महानगर में यह एक ऐसी पहली संस्था है जो अंधेरी विधानसभा में सभी जनमानस को मिली हुई है। लगभग डेढ़ वर्षो से लगातार लोगों के बीच में जाकर के लोगों का मुफ्त में इलाज किया जाता है जिसकी देख रेख प्रदीप शर्मा एवं स्वीकृति प्रदीप शर्मा की निगरानी में की जाती है।

संस्था के वालंटियर अंधेरी पूर्व विधानसभा के सभी वॉर्ड में जाकर स्थानीय नागरिकों का इलाज मुफ्त में कराते हैं। चलता फिरता मुफ्त दवाखाना की विशेषता यह है कि सर्दी जुखाम, बुखार, खुजली, आंखों में समस्या, डायबिटीज जैसी बीमारियों के इलाज के लिए एंबुलेंस में डॉक्टर उपलब्ध रहते हैं।

पीएस फाउंडेशन द्वारा 80 से 90 हजार लोगों का इलाज मुफ्त में किया जा चुका है।

इजरायल को मान्यता देगा एक और मुस्लिम देश!

पहली बार अरब से बाहर जाएगा अब्राहम अकॉर्ड | **डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी कामयाबी**

महानगर नेटवर्क

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब्राहम अकॉर्ड के विस्तार की अपनी कोशिश में बड़ी कामयाबी मिल सकती है। मुस्लिम देशों और इजरायल के बीच संबंध सामान्य बनाने वाले अब्राहम समझौते का विस्तार अफ्रीका तक हो सकता है। इस्लामिक गणराज्य मॉरिटानिया जल्दी ही इस समझौते में शामिल होने वाला पांचवां देश बन सकता है। बुधवार को वाइट हाउस में इजरायली प्रतिनिधियों ने मॉरिटानियाई प्रतिनिधियों से मुलाकात की है। अफ्रीकी देश मॉरिटानिया की इजरायल के साथ अब्राहम अकॉर्ड पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका-अफ्रीका शिखर सम्मेल के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अफ्रीकी देशों के नेताओं से मुलाकात की है। बुधवार को ट्रंप ने गैबॉन, गिनी-बिसाऊ, लाइबेरिया, मॉरिटानिया और सेनेगल के नेताओं के साथ वाइट हाउस में बातचीत की है। ट्रंप के अफ्रीकी नेताओं की मेजबानी करने का उद्देश्य ट्रेड पर वार्ता है लेकिन इस दौरान मॉरिटानिया की अब्राहम समझौते को लेकर भी अमेरिका और इजरायल से बात हो रही है।

नेतन्याहू से मिलेंगे मॉरिटानिया के प्रेसीडेंट!

सेमाफोर के अनुसार, मॉरिटानिया और इजरायल के अधिकारियों की अमेरिका में यूएस-अफ्रीका समिट से इतर लंबी बातचीत हुई है। मॉरिटानिया के राष्ट्रपति मोहम्मद औलद गजौनी और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच भी मुलाकात की संभावना है। दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद मॉरिटानिया के अब्राहम समझौते में शामिल होने का ऐलान किया जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान इजराइल और मॉरिटानिया में अब्राहम समझौते पर बातचीत हुई थी। ट्रंप के चुनाव हारने के बाद ये बातचीत ठंडे बस्ते में चली गई। ट्रंप ने दूसरी बार प्रेसीडेंट बनने के बाद फिर से इस पर काम शुरू किया है। माना जा रहा है कि दोनों पक्ष डील पर सहमत हैं। हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर कोई बयान नहीं आया है। ट्रंप प्रशासन अब्राहम समझौते को आगे बढ़ाते हुए ज्यादा मुस्लिम देशों से इजरायल को मान्यता दिलाने की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में मॉरिटानिया का इसमें शामिल होना उसकी कामयाबी होगी। मॉरिटानिय अरब लीग का सदस्य है, जिसने 2010 में पहले गाजा युद्ध के जवाब में इजरायल से संबंध तोड़ लिए थे। मॉरिटानिया का महत्व इसलिए भी है क्योंकि उत्तर पश्चिमी अफ्रीका स्थित इस मुस्लिम देश की अटलांटिक महासागर तक पहुंच है।

उत्तराखंड में पाखंडियों के खिलाफ 'ऑपरेशन कालनेमि' जारी

पुलिस ने 25 ढोंगी बाबा किए गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

उत्तराखंड पुलिस ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि के तहत शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है, जो बाबा का भेष धरकर लोगों को ठगने का काम कर रहा था। एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने बताया कि हमारा अभियान अभी जारी है। इसमें हमने अभी तक 25 फर्जी बाबाओं को गिरफ्तार किया है, उससे पूछताछ के बाद ये जानकारी मिली है कि वो बांग्लादेश के ढाका का निवासी है.

सड़क किनारे बाबा के वेश में बैठे थे सभी पाखंड़ी

एसएसपी देहरादून ने सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में जब एसएसपी स्वयं पहुंचे तो उन्होंने देखा कि कई लोग सड़क किनारे बाबा के वेश में बैठे हैं और राहगीरों को मंत्र-तंत्र, ग्रह-नक्षत्र और भाग्य बदलने की बातें बता रहे हैं। पूछताछ में वे न तो अपने दावे सिद्ध कर पाए और न ही कोई धार्मिक ज्ञान या प्रमाण प्रस्तुत कर सके।

संतों के गिरोहों और उनके अपराधों पर लगाम लगाने के लिए ऑपरेशन कालनेमि शुरू किया है।

कमजोर किडनी की निशानी है ये संकेत

लक्षण दिखते ही हो जाएं सतर्क

हमारे शरीर में दो किडनी होती हैं। किडनी मुख्य रूप से शरीर के लिए छन्नी का काम करती है,जो शरीर में बने जहरीले पदार्थों को पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देती है। अगर दोनों किडनी काम करना बंद कर दें तो इंसान 24 घंटे भी जीवित नहीं रह सकता है। इसलिए किडनी को बचाना बहुत जरूरी है। किडनी खून को फिल्टर या छानने का काम करती है। इस फिल्टरेशन के माध्यम से खून में मौजूद टॉक्सिन को छान लिया जाता है शरीर से बाहर निकाल दिया जाता है। शरीर में जितना खून है, वह सभी एक दिन में कम से कम 40 बार किडनी से होकर गुजरता है। अगर किडनी पूरी तरह से काम कर दें शरीर के विभिन्न हिस्सों में वेस्ट मैटेरियल जमा होने लगेगा जो शरीर को धीरे-धीरे जहर से भर देगा और जीवन को जोखिम में डाल देगा। किडनी अपनी सफाई खुद कर लेती है लेकिन आजकल जिस तरह का खान-पान हो गया, उसमें हर चीज में केमिकल मिला होता है। ऐसे में किडनी पर इस केमिकल को निकालने का अतिरिक्त दबाव रहता है। इसलिए किडनी समय से पहले कमजोर होने लगती है। अच्छी बात यह है कि किडनी कमजोर होने से पहले कई संकेत देती है ताकि समय रहते इंसान सतर्क हो जाए।

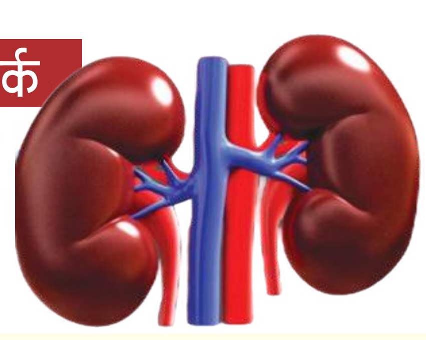

पेशाब में गड़बड़ी

किडनी के कमजोर होने का सबसे पहला संकेत पेशाब में ही दिखता है। किडनी खराब होने पर पेशाब की मात्रा, रंग और टेक्सचर में परिवर्तन होने लगता है। यानी या तो कम होता है या पहले से बहुत ज्यादा होता है। इसी तरह पेशाब का रंग भी बदल लगता है। पेशाब से स्मैल भी आने लगती है। किडनी पर लोड ज्यादा आने पर पेशाब में प्रोटीन ज्यादा आने लगता है, इस कारण पेशाब में झाग आने लगता है।

भूख कम लगना– हालांकि कई बीमारियों में भूख कम लगती है लेकिन अगर पेशाब में दिक्कत के साथ भूख कम लगती है तो यह किडनी के कमजोर होने के संकेत है। अगर किडनी वेस्ट प्रोडक्ट को निकालना कम कर देगी तो ये वेस्ट प्रोडक्ट शरीर के अंदरुनी हिस्सों में जमा होने लगेगा। इससे जी मितलाने लगता है, उल्टी होने लगती है, भूख कम लगती, वजन कम हो जाता है। पेट में दर्द भी करने लगता है।

ध्यान केंद्रित नहीं कर पाना

खून जब उपर दिमाग में पहुंचने लगे तो ध्यान केंद्रित करना मुश्किल होने लगता है। इसमें दिमाग में वेस्ट मैटेरियल जमा होने लगता है इससे एकाग्रता में कमी होने लगती है। कभी-कभी अचानक बेहोशी भी हो सकती है।

पैरों में सूजन

चूंकि किडनी का काम खून का छानना है और खून से टॉक्सिन को निकाल कर बाहर करना है। इसलिए जब किडनी कमजोर होती है तो खून पर भी असर होता है। इसमें हीमोग्लोबिन का बैलेंस बिगड़ जाता है। इससे पैरों में सूजन होने लगती है। यह सूजन चेहरे पर आंखों के नीचे भी दिखने लगती है।

हाई ब्लड प्रेशर

अगर किडनी कमजोर होने लगे और यह बहुत ज्यादा खराब हो जाए तो हाई ब्लड प्रेशर की बीमारी हो जाती है। किडनी की बीमारी की स्थिति में हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए यदि किडनी से संबंधित परेशानी है तो हाई बीपी को नजरअंदाज न करें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। छाती में दर्द-किडनी की परेशानी जब बढ़ जाए और किडनी खून को सही से छान न पाता हो तो यह हार्ट की लाइनिंग के पास जमा होने लगता है जिससे छाती में दर्द भी करने लगता है।

सांस फूलना

जब सांस फूलने लगे तो हमेशा यह नहीं समझना चाहिए कि यह दमा या फेफड़े की बीमारी है। किडनी खराब होने की स्थिति में भी सांस फूल सकता है। दरअसल, खून में असंतुलन के कारण लंग्स में वेस्ट मैटेरियल जमा होने लगता है जिससे फेफड़े में सूजन होने लगती है और सांस फूलने लगता है।

अगर बालों में डेंड्रफ बहुत ज्यादा भर जाता है तो इससे स्कैल्प में इंफेक्शन या घाव की समस्या भी पैदा हो जाती है। आज हम आपके लिए डैंड्रफ से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू नुस्खे लेकर आए हैं जिनकी मदद से आप जिद्दी से जिद्दी डेंड्रफ को बालों से साफ कर सकते हैं। बारिश के मौसम में बाल चिपचिपे और ऑयली हो जाते हैं जोकि डेंड्रफ की वजह बन जाते हैं। अगर बालों में डेंड्रफ बहुत ज्यादा भर जाता है तो इससे स्कैल्प में इंफेक्शन या घाव की समस्या भी पैदा हो जाती है। ऐसे में आज हम आपके लिए डैंड्रफ से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू नुस्खे लेकर आए हैं जिनकी मदद से आप जिद्दी से जिद्दी डेंड्रफ को बालों से साफ कर सकते हैं, तो चलिए जानते हैं डैंड्रफ से छुटकारा पाने के घरेलू नुस्खे...

बारिश के चलते बालों में भर गया है डेंड्रफ

आजमाएं ये रामबाण उपाय

एप्पलसाइडर विनेगर
इसके लिए आप पानी और एप्पलसाइडर विनेगर की बराबर-बराबर मात्रा लेकर मिलाएं। फिर आप पहले बालों को शैंपू से अच्छी तरह से वॉश कर लें। फिर आप इस मिक्चर से बालों में डालकर कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें। इसके बाद आप बालों को धोकर साफ कर लें। इससे आपकी स्कैल्प का पीएच लेवल मेंटेन रहेगा।

नींबू का रस- इसके लिए आप ताजे नींबू के रस को निकालकर अपनी स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। फिर आप हल्के हाथों से करीब 5-10 मिनट तक हल्के हाथों की मसाज करें। इससे आपकी स्कैल्प का पीएच लेवल बना रहेगा जिससे आपको ड्रेंड्रफ को कम करने में मदद मिलेगी। लेकिन अगर आपके कोआ कट या घाव है तो इसे लगाने से बचें।

टी ट्री ऑयल – इसके लिए आप टी ट्री ऑयल की कुछ बूदें कोकोनट ऑयल और ऑलिव ऑयल के साथ मिलाएं। फिर आप इसको बालों की जड़ों में लगाकर अच्छी तरह से मसाज करें। टी ट्री ऑयल में एंटीफंगल गुण मौजूद होते हैं जोकि बालों से डेंड्रफ का सफाया करते हैं।

एलोवेरा– इसके लिए आप ताजा एलोवेरा जेल निकालकर सीधे अपनी स्कैल्प में लगाएं। फिर आप इसको करीब 30 मिनट तक लगाकर छोड़ दें। इसके बाद आप इसको अपने रेगुलर शैंपू से धोकर साफ कर लें। एलोवेरा में मॉइस्चराइजिंग गुण पाए जाते हैं जोकि स्कैल्प ड्रायनेस और डेंड्रफ को दूर करने में मदद करते हैं।

सावन में भगवान शंकर को लगाएं मोदक का भोग

सावन के महीने में ज्यादातर लोग सोमवार का व्रत रखते हैं। ऐसे में आप पकवान में कुछ मीठा बनाकर भगवान शंकर को भोग लगा सकते हैं। हम आपको बताएंगे टेस्टी मोदक की रेसिपी जिसे आप घर पर दुकान जैसा बना सकते हैं। सावन की महीना लगते ही त्योहारों की शुरुआत होने लगती है। पहले तो सावन के सोमवार, फिर तीज और फिर रक्षाबंधन। इन सभी मौकों पर मिठाईयों का खास चलन रहता है। मिठाई के बिना तो त्योहार अधूरा सा लगता है। वहीं दुकानों पर त्योहारों के मौसम में ये मिठाईयां काफी महंगी हो जाती हैं। ऐसे में आप समय से पहले कुछ आसान तरह की मिठाई घर पर ही बना सकते हैं। मोदक इनमें से एक मिठाई है। ये गणेश जी की प्रिय मिठाई है। लेकिन आप इसे घर पर तैयार करके सावन में भगवान शंकर को भी भोग लगा सकते हैं। आज हम जानेंगे इसकी आसान रेसिपी। मोदक काफी लोगों को पसंद आता है, साथ ही बच्चे भी इसे खूब मन से खाते हैं। आइये जानें मदक को घर पर दुकान जैसा बनाने की विधि, और इसे आप भोलेनाथ को भोग भी लगाएं।

खाना खजाना

सामग्री

2 कप चावल का आटा, 2 कप कसा हुआ नारियल, 1 कप गुड़, देसी घी, इलायची पाउडर, आधा चम्मच नमक

बनाने के विधी

टेस्टी मोदक बनाने के लिए सबसे पहले आप एक पैन में देसी घी गर्म करके उसमें कसा हुआ नारियाल डालकर भून लें। इसके बाद उसमें थोड़ा सा गुड़ का चूरा मिला लें। फिर एकसाथ दोनों को भूनें और पिघलने दें। इस मिक्सचर को गाढ़ा होने पर इसमें इलायची पाउडर मिलाएं। अब आपका मोदक स्टफिंग तैयार है। अब एक पैन में घी डालें और उसमें नमक डालकर चलाएं। फिर घी में 2 कप पानी डालकर चलाएं। पानी अच्छे से उबलने के बाद उसमें चावल का आटा डालें और पकाएं। आटा चिपकने न पाए इसलिए इसे चलाते रहें। अब चावल को छोड़ी देर ढक कर रख दें। फिर इसे ठंडा होने पर गूंथ लें और मोदक का आटा तैयार है। अब इस आटे की लोई बनाएं और हल्का पतला बेलकर इसमें स्टफिंग भरें। फिर इसे मोदक का आकार दें। अब सारे मोदक को 15 से 20 मिनट के लिए स्टीम कर लें। आपको टोस्टी मोदक तैयार हैं।

मानसून में गलती से मत खाना ये फल

हो जाएगा नुकसान

बरसात के दिनों में हम सबकी पाचन शक्ति पहले से कमजोर हो जाती है। ऐसे में गलती से भी 2 खास फलों का सेवन कभी नहीं करना चाहिए वर्ना आपको बीमार पड़ते देर नहीं लगेगी। बरसात के मौसम का सभी लोगों को काफी इंतजार रहता है। इस मौसम में कई तरह की परेशानियां भी आ खड़ी होती हैं। इस मौसम में नमी की वजह से नाक बंद होने और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन न पहुंच पाने की समस्या हो जाती है। साथ ही अपच और कमजोर इम्यूनिटी की दिक्कत भी झेलनी पड़ती है।

बरसात के मौसम में खानपान से जुड़ी चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। इस मौसम में 2 तरह के फलों को पूरी तरह अवॉइड करना चाहिए। ये फल इन दिनों जहर की तरह असर करते हैं। अगर आप जीभ के स्वाद के लिए बरसात के दिनों में इन फलों को खाते हैं तो तेजी से बैक्टीरिया की चपेट में आकर बीमार हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि वे 2 फल कौन से हैं।

गलती से भी न खाएं स्ट्रॉबेरी

अंगूर की तरह ही स्ट्रॉबेरी भी मानसून में खानी वर्जित मानी जाती है। बरसात के मौसम में इसे खाने से आपके पेट में दर्द, ऐंठन और गैस की दिक्कत

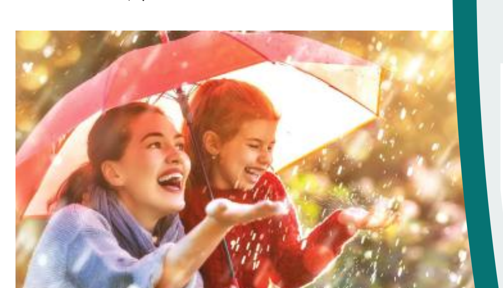

बन सकती है। इसके पतले छिलकों में इन दिनों बारीक कीड़े लगने का डर होता है, जो सीधे आपके पेट में जाकर आपको बीमार कर सकते हैं। बरसात के दिनों स्ट्रॉबेरी का सेवन करना डायरिया को बुलावा देना होता है।

बारिश में अंगूर से बना लें दूरी

आयुर्वेद के जानकारों के मुताबिक बरसात के दिनों में अंगूर के सेवन से पूरी तरह परहेज करना चाहिए। इसकी तासीर खट्टी-मीठी होती है, जो बरसात के दिनों में पेट के लिए सही नहीं होती। अगर आप नॉर्मल दिनों की तरह मानसून में अंगूर खाते हैं तो उससे गैस-एसिडिटी और उल्टी की शिकायत हो सकती है।

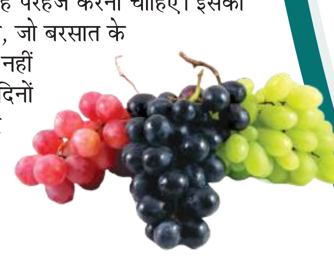

---

60 साल की उम्र में भी दिखेंगे जवान

रोजाना खाना शुरू कर दें बस ये एक चीज

अगर आप चेहरे पर झुर्रियां बढ़ने से परेशान हैं तो आप चिंता मत करें। डॉक्टरों के मुताबिक अगर आप रोजाना एक चीज खाना शुरू कर देते हैं तो आप 60 साल की उम्र में भी 30 वर्षीय नौजवान की तरह फिट दिखाई देंगे। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा शख्स होगा, जो सदा फिट और जवान नहीं रहना चाहता होगा। हालांकि यह चाहत किसी की भी पूरी नहीं हो सकती है। फिर भी कई ऐसे उपाय हैं, जिनके जरिए आप अपनी जवानी और चुस्ती को लंबे वक्त तक स्थिर रख सकते हैं। आज हम आपको ऐसे ही जादुई चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे रोज खाने से 60 की उम्र के लोग भी 35 साल के युवक की तरह जवान दिख सकते हैं। आइए जानते हैं कि वह जादुई चीज क्या है और उसे खाकर हम फिट और जवान कैसे रह सकते हैं।

मखाने में होते हैं ये जादुई तत्व

आयुर्वेद के जानकारों के मुताबिक बढ़ती उम्र के बावजूद जवां बनाए रखने वाली इस जादुई चीज का नाम मखाना है। इसमें प्रति 100 ग्राम मखाने में 14.5 ग्राम फाइबर और 9.7 ग्राम प्रोटीन होता है। इसके अलावा उसमें एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन-ए, ओमेगा- 3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये पोषक तत्व सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं।

चेहरे पर नहीं दिखाई देंगी झुर्रियां

डॉक्टरों के मुताबिक रोजाना मखाना खाने से स्किन टाइट बनी रहती है, जिससे चेहरे और दूसरे हिस्सों में झुर्रियां नहीं पड़ पाती हैं। इसके चलते शरीर की त्वचा भरी हुई और जवां दिखती है। स्किन स्पेशलिस्टों का कहना है कि अगर आप रोजाना एक मुट्ठी मखाना भी खाना शुरू कर देते हैं तो न केवल स्किन में ग्लो आ जाता है बल्कि बाल और नाखूनों की चमक भी बरकरार रहती है।

कसी रहती है त्वचा

मखाने में आर्जिनिन, मेथिओनिन, ग्लूटामाइन और सिस्टीन जैसे एंटी-एजिंग गुण होते हैं। इनमें ग्लूटामाइन से प्रोलाइन नाम के तत्व का उत्पादन होता है, जिससे कोलेजन में पाया जाने वाला अमीनो एसिड पनपता है। यह तत्व शरीर की त्वचा में कसावट लाने और बॉडी को जवां रखने में अहम भूमिका निभाता है।
जब शरीर की त्वचा ढीली पड़ने लगती हैं तो उसे बुढ़ापे की बड़ी निशानी माना जाता है। त्वचा में इस ढीलेपन को रोकने के लिए डॉक्टर मखाना खाने की सलाह देते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जिससे स्किन से फ्री रेडिकल्स हट जाते हैं और स्किन हेल्दी बन जाती है।

पार्टनर की 5 गलतियों को न करें अनदेखा

टूट सकता है रिश्ता

किसी से भी गलती होना बहुत ही नार्मल बात होती है। ऐसे में कई बार आपके पार्टनर से भी कुछ गलतियां हो जाती हैं। जिसको भूलकर रिलेशनशिप में आगे बढ़ना कई बार आपके रिश्ते को लांग लास्टिंग बनाने में मदद करता है,लेकिन अगर आपका पार्टनर कुछ गलतियों को कई बार लगातार दोहराता रहता है, तो आपको इस बारे में एक बार जरूर सोचना चाहिए। देखा जाये तो रिलेशनशिप में गलतियां सभी से हो जाया करती हैं, लेकिन कुछ गलितयां अगर लगातार की जाएं, तो वो आपके रिलेशन में कड़वाहट पैदा करने का काम करती हैं। ये मिस्टेक आपके बेहतर रिश्ते को स्ट्रेसफुल बना देती हैं। ऐसे में ये जानना जरूरी है कि पार्टनर के किन गलतियों को बार-बार दोहराने पर आपको ब्रेकअप के लिए सोचना चाहिए।

बार-बार झूठ बोलना – रिलेशनशिप में रिश्ते की बुनियाद विश्वास पर टिकी होती है। लेकिन अगर आपका पार्टनर बात-बात पर आपसे झूठ बोलता है। तो रिश्ते की बुनियाद हिल जाती है और इसको संभालना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में पार्टनर को सच बोलने के लिए कहें और फिर भी वो लगातार झूठ बोलने में हिचकिचाए नहीं, तो फिर आपको एक बार पार्टनर से अलग होने के लिए सोचना जरूरी है।

कॉल-मैसेज नजरअंदाज करना – अगर आप इस बात को नोटिस करते हैं कि आपका पार्टनर अक्सर आप के फोन कॉल और मैसेज को नजरअंदाज करता है। तो आपको अपने रिश्ते के बारे में एक बार दोबारा सोचने की जरूरत है। आपके फोन कॉल और मैसेज को नजरअंदाज करने का मतलब है कि आपका पार्टनर आपमें कोई खास रुचि नहीं लेता है। ऐसे में एकतरफा रिश्ते को निभा पाना आपके लिए मुश्किल हो सकता है।

बहुत ज्यादा झगड़ा करना
रिश्तों में लड़ाई-झगड़ा होना आम बात होती है,लेकिन अगर आपका पार्टनर अक्सर ही छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा करने पर आमादा रहता है,तो आपको अपने रिलेशनशिप को आगे बढ़ाने के लिए एक बार जरूर सोचना चाहिए। वैसे तो नॉर्मल कपल्स छोटे-मोटे लड़ाई-झगड़ों को बातचीत से निपटा लेते हैं, लेकिन कुछ मसलों में छोटा सा झगड़ा भी बड़ा रूप ले लेता है। ऐसे में पार्टनर से ब्रेकअप के बारे में सोचना आपके लिए बेहतर हो सकता है।

धोखा देने की स्थिति में
अगर आपका पार्टनर आपके साथ रिलेशनशिप में होने के बावजूद किसी और के साथ इंन्वॉल्व होता है, तो वो आपको धोखा दे रहा है। ऐसे में उनके साथ रहना आपके लिए बेमतलब हो सकता है। ऐसे में आपको किसी और की बात पर भरोसा न करके इसकी जानकारी खुद हासिल करनी चाहिए। अगर आपको पार्टनर का इन्वॉल्मेंट कहीं और दिखता है तो आप ब्रेकअप के बारे में सोच सकते हैं।

एक्स को मिस करना
अगर आपका पार्टनर पहले किसी के साथ रिलेशनशिप में रह चुका है, लेकिन आपके साथ होने पर हमेशा अपने एक्स को ही याद करता रहता है। आपकी तुलना अपने एक्स से करता है और हमेशा उसके बारे में ही बात करता रहता है। तो इसके लिए आपको ऑब्जेक्शन जरूर करना चाहिए। इसके बावजूद भी अगर उनका एक्स के बारे में बात करना जारी रहता है। तो भी आपको ब्रेकअप के बारे में जरूर सोचना चाहिए।

इस फूल के बीज में छिपा है शुगर कम करने का नुस्खा

डायबिटीज का डर होगा कम

डायबिटीज के मरीजों के लिए हेल्दी डाइट लेना बेहद जरूरी है, वरना ब्लड शुगर लेवल काफी हद तक बढ़ जाता है, ऐसे में कमल का बीज काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।
पहले के जमाने में डायबिटीज की बीमारी आमतौर पर 40-45 की उम्र के बाद होती थी, लेकिन आजकल बच्चे, बूढ़े और जवान सभी एज ग्रुप के लोगों को इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अगर किसी शख्स को एक बार ये डिजीज हो जाए तो उम्रभर उसका पीछा नहीं छोड़ती, क्योंकि दुनियाभर के वैज्ञानिक अब तक इसका इलाज नहीं खोज पाए हैं। भारत में मधुमेह से पीड़ित लोगों की तादाद काफी ज्यादा है इसलिए हर किसी को इससे सतर्क रहना चाहिए।

इस फूल का बीज है फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों को अपनी लाइफस्टाइल और फूड हैबिट्स का खास ख्याल रखना पड़ता है, वरना ब्लड शुगर लेवल स्पाइक हो सकता है और फिर किडनी डिजीज और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। आइए आज हम जानेंगे कि वो कौन से फूल का बीज है जिसकी मदद से खून में ग्लूकोज लेवल को काफी हद तक मैनेज किया जा सकता है। मधुमेह के रोगी के लिए कमल के फूल का बीज काफी फायदेमंद है, इसे कमल गट्टा भी कहा जाता है, इसकी मदद से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल किया जा सकता है। डायबिटीज के मरीजों को हमेशा हेल्दी फूड्स खाने की सलाह दी जाती है, और लोटस सीड किसी पौष्टिक आहार से कम नहीं है।

कमल का बीज क्यों है जरूरी ?

कमल के बीजों में न्यूट्रिएंट की कोई कमी नहीं रहती, इसमें विटामिन बी6, मैग्नीशियम, पोटैशियम, आयरन और प्रोटीन की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो डायबिटीज में काफी असरदार है और इससे ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है। कमल के फूल के अंदर बीज पाए जाते हैं जिसे नियमत तौर पर खाया जाए तो हाई ब्लड प्रेशर पर भी लगाम लगाई जा सकती है। भारतीय संस्कृति में कमल के फूल को पवित्र माना जाता है और इसका इस्तेमाल पूजा के लिए होता है। इस फूल के जड़ों की स्वादिष्ट सब्जी भी तैयार की जाती है, जिसे लोग बेहद चाव से खाते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए जरूरी है कि इस फूल के बीज को ज्यादा से ज्यादा से सेवन करें।

रोहित से छिन सकती है वनडे टीम की कप्तानी

नई दिल्ली। टेस्ट के बाद अब शुभमन गिल भारत की वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान बनने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल इस पद पर रोहित शर्मा हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार गिल 2027 विश्व कप में भारत की कप्तानी करेंगे और निकट भविष्य में यह पद संभालेंगे। रोहित कब तक अपनी जगह बनाए रख पाएंगे, यह स्पष्ट नहीं है। अन्य रिपोर्टों का दावा है कि गिल अक्टूबर में भारत तीन मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। दिसंबर 2024 में जब रोहित ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट से खुद को अलग कर लिया था जो भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनका आखिरी कार्यकाल भी था। इस बात की अटकलें तेज हो गई थी। उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में टीम का नेतृत्व किया और भारत के लिए वनडे और टेस्ट खेलने की अपनी इच्छा बनाए रखी (उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लिया)। हालांकि इंग्लैंड टेस्ट टीम की घोषणा होने से पहले ऐसी खबरें आईं कि बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने रोहित को टेस्ट कप्तानी से हटाने का फैसला किया है। इसके तुरंत बाद, इस सीनियर स्टार ने इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। रोहित वनडे विश्व कप जीतना चाहते हैं और उन्होंने इसका जिक्र भी किया था। ऐसे में जब विश्व कप 2027 में है तो रोहित फिट रहना चाहेंगे ताकि 2023 संस्करण के निराशाजनक प्रदर्शन को बदला जा सके, जहां भारत अहमदाबाद में फाइनल में हार गया था। वहीं उनके साथी विराट कोहली का भी यही लक्ष्य है जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। गिल ने टेस्ट से पहले वनडे में खुद को स्थापित किया, और 2023 और 2024 में सलामी बल्लेबाज के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड में उनकी कप्तानी प्रभावशाली रही है, जिसमें अच्छे रणनीतिक फैसले और साथियों के साथ खुला संवाद शामिल है।

लारा के सम्मान में 400 से पहले घोषित कर दी थी पारी

मुल्डर ने दिग्गज बल्लेबाज की प्रतिक्रिया शेयर की

बुलावायो। दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर ने कहा है कि ब्रायन लारा ने उनसे कहा था कि उन्हें टेस्ट में सर्वाच्च व्यक्तिगत स्कोर का उनका रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जाना चाहिए था। बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मुल्डर ने लंच ब्रेक के दौरान पारी घोषित कर दी थी तब मुल्डर 367 के निजी स्कोर पर नाबाद थे। इस फैसले के बाद मुल्डर 2004 में, एंटीगा में इंग्लैंड के खिलाफ लारा द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड नाबाद 400 रन से 33 रन दूर रह गए थे। मुल्डर ने पारी घोषित करने के बाद कहा था कि लारा का रिकॉर्ड लारा के नाम ही रहना चाहिए लेकिन बाद में उन्होंने खुलासा किया कि इस मामले पर लारा की दूसरी राय थी। मुल्डर ने कहा, 'अब चीजें पहले के मुकाबले बेहतर हुई हैं। मेरी ब्रायन लारा से भी बात हुई है। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं अपनी लीगेसी बना रहा हूं और मुझे रिकॉर्ड के लिए जाना चाहिए था।' उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और उन्होंने यह उम्मीद जताई कि मैं दोबारा उस स्थिति में आऊं कि रिकॉर्ड तोड़ पाऊं। उनकी ओर से यह एक दिलचस्प पहलू था लेकिन मुझे अब भी यही लगता है कि मैंने सही किया क्योंकि गेम की इज्जत करना मेरे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।' मुल्डर का 367 का नाबाद स्कोर दक्षिण अफ्रीका के लिए सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है और कुल मिलाकर यह टेस्ट में पांचवां व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर है। मुल्डर ने कहा था कि दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने उनसे कहा था कि महान खिलाड़ियों का रिकॉर्ड महान खिलाड़ियों के नाम ही रहने देना उचित होगा। दक्षिण अफ्रीका तीन दिन के भीतर यह टेस्ट पारी और 236 रनों से जीत गया।

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में रचा इतिहास

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट हासिल किए हैं। पहली पारी में उन्होंने इंग्लिश बल्लेबाजों को खूब दबाव में रखा और टीम को समेटने में अहम भूमिका निभाई। दूसरे टेस्ट में आराम करने वाले बुमराह ने तीसरे मैच में वापसी करते ही अपने जबरदस्त फॉर्म का परिचय दिया। बुमराह ने इतिहास रचते हुए विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज बनकर कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने इस टेस्ट की पहली पारी में 27 ओवर गेंदबाजी करते हुए 74 रन देकर पांच विकेट लिए। अब बुमराह के नाम विदेशी जमीन पर 13 बार पांच विकेट हॉल का कारनामा दर्ज हो चुका है, जबकि कपिल देव ने यह उपलब्धि 12 बार हासिल की थी।

टेस्ट में ले चुकें हैं 200 विकेट

जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टेस्ट टीम में 2018 में डेब्यू किया था। तब से वह टीम इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गए हैं। विदेशी मैदानों पर उनका प्रदर्शन खासतौर पर शानदार रहा है। अब तक बुमराह ने 47 टेस्ट मैचों में कुल 215 विकेट हासिल किए हैं। इसके अलावा, उन्होंने 15 बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी किया है। बुमराह ने वनडे में 149 और टी20 इंटरनेशनल मैचों में 89 विकेट अपने नाम किए हैं।

इंग्लैंड की पहली पारी समाप्त

तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रन बनाए। टीम के कप्तान जो रूट ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली और 104 रन बनाए। निचले क्रम के बल्लेबाज जेमी स्मिथ और क्रिस वोक्स ने भी 51 और 56 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से बुमराह ने सर्वाधिक पांच विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और नीतीश रेड्डी ने दो-दो विकेट झटके। रवींद्र जडेजा को भी एक सफलता मिली।

तमिल और तेलुगु भाषा में उठा सकेंगे क्रिकेट और अन्य खेलों का लुत्फ

मुंबई। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने दो नए क्षेत्रीय चैनलों को लांच किया है जो तमिल और तेलुगु में खेलों का प्रसारण करेंगे। इसका उद्देश्य पूरे भारत में अपने दर्शकों के लिए एक अधिक भाषा-विशिष्ट चैनल बनाना है। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क, सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 तमिल लॉन्च किया गया जो विशेष रूप से तमिल भाषी दर्शकों के लिए होगा। सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 तेलुगु पूरी तरह से तेलुगु भाषा की खेल सामग्री पर केंद्रित होगा। इससे यह सुनिश्चित होता है कि दर्शकों को अपनी पसंदीदा भाषा में सामग्री के साथ-साथ लक्षित और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक प्रोग्रामिंग प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट चैनल मिलेगा। इसके अतिरिक्त नेटवर्क के लोकप्रिय हिंदी स्पोर्ट्स चैनल की भी एक नई पहचान होगी। सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 (एसडी) का नाम बदलकर सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 हिंदी और सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 (एचडी) का नाम बदलकर सोनी स्पोर्ट्स टेन 3 हिंदी एचडी होगा।

पंत डॉक्टरों की निगरानी में

लॉर्ड्स में चोट के बाद जुरेल को मिली विकेटकीपिंग

लंदन। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कहा कि भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन दूसरे सत्र के खेल के दौरान अपने बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगने के बाद मैदान से बाहर चले गए जिसके बाद वह चिकित्सकीय टीम की निगरानी में हैं। BCCI ने एक बयान में कहा कि पंत पर चिकित्सकीय टीम की निगरानी है और उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीसीसीआई ने कहा, 'टीम इंडिया के उप-कप्तान ऋषभ पंत के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगी है। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और वे चिकित्सकीय टीम की निगरानी में हैं। ऋषभ की अनुपस्थिति में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग कर रहे हैं।' चोट लगने के बाद मैदान में दिए गए उपचार के बाद भी पंत को कोई फायदा नहीं हुआ और वह मैदान से बाहर चले गए जिनकी जगह ध्रुव जुरेल को भेजा गया जबकि वह तीसरे टेस्ट के लिए अंतिम एकादश में भी शामिल नहीं थे। पारी के 34वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की गेंद को लेग साइड में रोकने के लिए डाइव लगाने के बाद पंत दर्द से कराह रहे थे। पंत गेंद पर हाथ लगाने में कामयाब रहे लेकिन इसे पूरी तरह से रोक नहीं पाए। इसके बाद खेल कुछ देर के लिए रुका रहा क्योंकि भारतीय सहयोगी स्टाफ पंत के हाथ का उपचार करने के लिए मैदान में थे। लेकिन खेल फिर से शुरू होने पर वह विकेटकीपिंग करने में असमर्थ हो गए। अंत में बुमराह का ओवर समाप्त होने के बाद पंत मैदान से बाहर चले गए और जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली।

टेस्ट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने जो रूट

द्रविड़-स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ा

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शतक लगाया। रूट के टेस्ट करियर का यह 37वां सैकड़ा है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। रूट ने 192 गेंदों पर शतक पूरा किया। वह पहले दिन 99 रन बनाकर नाबाद रहे थे और दूसरे दिन की पहली ही गेंद पर चौका लगाकर रूट सैकड़ा पूरा करने में सफल रहे। रूट का लॉर्ड्स मैदान पर यह लगातार तीसरा शतक है। वह तीसरे ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने लॉर्ड्स में लगातार तीन शतक लगाए हैं। उनसे पहले जैक हॉब्स और माइकल वॉन ऐसा कर चुके हैं। रूट ने लॉर्ड्स में पिछली दो पारियों में 143 और 103 रन का स्कोर बनाया था और अब फिर उन्होंने 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। रूट अब तक लॉर्ड्स मैदान पर कुल आठ शतक लगा चुके हैं। रूट भारत के खिलाफ 60 पारियों में 11 शतक लगा चुके हैं। रूट ने इस मामले में स्टीव स्मिथ की बराबरी कर ली है जिन्होंने भारत के खिलाफ 46 पारियों में इतने ही शतक लगाए हैं। रूट शतक लगाने के बाद ज्यादा देर टिक नहीं सके और जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड कर उनकी पारी का अंत किया। रूट 199 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 104 रन बनाकर आउट हुए। रूट ने तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन भारत के खिलाफ 3000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए थे। रूट उन खिलाड़ियों में शामिल हो गए थे जिन्होंने किसी एक टीम के खिलाफ टेस्ट में 3000 रन बनाए हैं। रूट इसके साथ ही डॉन ब्रैडमैन और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए थे। ब्रैडमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ 5028 रन बनाए हैं। ब्रैडमैन, जैक हॉब्स, सचिन, एलेन बॉर्डर, स्टीव स्मिथ, डेविड गोवर, गैरी सोबर्स और स्टीव वॉ उन बल्लेबाजों में शामिल हैं जिन्होंने किसी टीम के खिलाफ टेस्ट में 3000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं।

भारत को नीतीश को टीम में बनाए रखना चाहिए : अनिल कुंबले

लंदन। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें टेस्ट टीम में नियमित रूप से शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने खुद को अनुशासन और प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण साबित किया है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे में अपना दूसरा मैच खेल रहे रेड्डी गुरुवार को तीसरे टेस्ट के पहले दिन दो विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज रहे। कुंबले ने जियोस्टार से कहा, 'मैं यह देखकर हैरान था कि नीतीश कुमार रेड्डी ने कितनी अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार सही क्षेत्रों में गेंद डाली। वह भाग्यशाली थे जो उन्हें लेग साइड में डाली गई शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट मिला लेकिन इसके अलावा उन्होंने पूरे दिन अनुशासित गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'नीतीश ने आस्ट्रेलिया में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था तथा शतक लगाया था। इसके अलावा उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की थी भले ही उन्हें ज्यादा विकेट नहीं मिले थे। टीम के मुख्य तेज गेंदबाजों को राहत देने और साझेदारी तोड़ने के लिए उनके जैसे गेंदबाज की जरूरत होती है।' इस दिग्गज लेग स्पिनर ने आगे कहा, 'उन्होंने एक स्पेल में लगभग 14 ओवर फेंके जिससे उनकी फिटनेस और गेंदबाजी पर नियंत्रण का पता चलता है। वह युवा हैं। अच्छे बल्लेबाज हैं और शतक लगा चुके हैं। वह अच्छे क्षेत्र रक्षक ही हैं। भारत को उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए और बदलाव करने के प्रलोभन से बचना चाहिए।'

गेंद बदलने को लेकर अंपायर से भिड़ गए शुभमन गिल

मैदान पर दिखा एंग्री यंग मैन अवतार

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारतीय क्रिकेट टीम ने धमाकेदार शुरुआत की। खास तौर से जसप्रीत बुमराह ने बैक टू बैक तीन विकेट लेकर इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया। इंग्लैंड की टीम ने पहले दिन के खेल में 82 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 251 रन का स्कोर खड़ा किया था। खेल के दूसरे दिन के 10 ओवर के बाद टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने अंपायर से गेंद बदलने की बात कही, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। ऐसे में भारतीय कप्तान अंपायर पर बिफर गए। इस घटना वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें कि टीम इंडिया ने पहले ही अंपायर से गेंद के बारे में शिकायत की थी। दूसरे दिन के खेल के बाद यह लगभग 10 ओवर पुरानी हो गई थी। यही कारण है कि कप्तान शुभमन गिल ने गेंद को बदलने की मांग की। हालांकि, अंपायर ने गेंद को हूप के पार डालकर देखी तो उन्हें ऐसा लगा कि गेंद अभी खेलने लायक बचा हुआ और उन्होंने शुभमन गिल की मांग को खारिज कर दी।

अंपायर की तरफ गेंद बदलने की मांग को खारिज किए जाने के बाद टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल बुरी तरह से भड़क गए। दोनों के बीच कुछ देर के लिए जोरदार बहस हुई। गिल के साथ मोहम्मद सिराज भी स्टंप माइक में कहते हुए सुनाई दिए कि गेंद सच में 10 ओवर पुरानी हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद कुछ नहीं हुआ और अंपायर ने खेल को शुरू करने का आदेश दिया। इस घटना से कुछ देर के लिए मैदान पर एक गर्म माहौल देखने को मिला।

दो देशों के लिए खेल चुके पीटर मूर ने की संन्यास की घोषणा

35 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली । आयरलैंड के बल्लेबाज पीटर मूर ने 35 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने करियर को अलविदा कहने से पहले 85 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। हरारे में जन्मे मूर ने आयरलैंड जाने से पहले जिम्बाब्वे के साथ अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल फरवरी में बुलावायो में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में खेला था। नवंबर 2014 में, मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान मूर ने जिम्बाब्वे के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उन्होंने 2016 में क्रमशः न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के खिलाफ अपना टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया। उनके 49 वनडे, 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 8 टेस्ट मैच ज़िम्बाब्वे के लिए खेले। उन्होंने अक्टूबर 2022 में आयरलैंड के लिए खेलने के लिए अर्हता प्राप्त की, क्योंकि उनकी नानी की आयरिश विरासत के कारण उनके पास आयरिश पासपोर्ट था। उन्हें पहली बार मार्च-अप्रैल 2023 में बांग्लादेश और श्रीलंका के टेस्ट दौरों के लिए आयरलैंड की टीम में चुना गया था। इसके बाद उन्होंने आयरलैंड के लिए सात टेस्ट मैच खेले।

ओली पोप ने रक्षात्मक बल्लेबाजी का किया बचाव

भारतीय गेंदबाजों ने रन बनाना मुश्किल कर दिया

लंदन। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी टीम की रक्षात्मक बल्लेबाजी का बचाव करते हुए कहा कि यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप आक्रामक होकर खेल सकते हैं। इंग्लैंड ने पिछले कुछ वर्षों में आक्रामक बल्लेबाजी शैली को अपनाया है लेकिन गुरुवार को उसने भारतीय गेंदबाजों के सामने रक्षात्मक बल्लेबाजी की और पहले दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 251 रन बनाए। पोप ने कहा, 'यह ऐसी पिच नहीं है जिस पर आप खुलकर खेल सकें। भारतीय गेंदबाजों ने अपनी लेंथ बनाए रखी और रन बनाना मुश्किल कर दिया।' उनका इशारा भारतीय गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी की ओर था, जिसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (35 रन देकर एक विकेट) की वापसी से मजबूती मिली है। नितीश कुमार रेड्डी ने 46 रन देकर दो विकेट लिए हैं और वह पहले दिन भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। तेज गेंदबाज आकाशदीप और मोहम्मद सिराज को पहले दिन विकेट नहीं मिला लेकिन उन्होंने किफायती गेंदबाजी की।

'यह मुझे उम्रदराज महसूस कराता है'

100वें टेस्ट पर बोले मिशेल स्टार्क

किंग्स्टन। पिछले सप्ताह क्रेग ब्रैथवेट 100वें टेस्ट की उपलब्धि तक पहुंचने वाले 82वें खिलाड़ी बने थे जबकि मिशेल स्टार्क फ्रंटलाइन तेज गेंदबाजों में इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले केवल 12वें खिलाड़ी बनेंगे। अपने 14 वर्ष के लंबे करियर में स्टार्क वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में रविवार से खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट के दौरान इस उपलब्धि तक पहुंच जाएंगे, वह 400 टेस्ट विकेट हासिल करने से भी केवल 5 विकेट दूर हैं। स्टार्क ने कहा कि उनके लिए यहां तक पहुंचना अपने आप में एक बड़ी बात है। उन्होंने कहा, 'बड़ा होते समय मैं हमेशा ही ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहता था लेकिन मुझे नहीं लगता था कि मैं कभी एक टेस्ट मैच भी खेल पाऊंगा। लेकिन 99 टेस्ट खेलना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है।' स्टार्क ने अपनी इस यात्रा में जॉश हेजलवुड और पैट कमिंस के साथ अपनी मित्रता पर भी बात की जिन्होंने उन्हें बतौर गेंदबाज विकसित होने में मदद की जिसमें वोबल सीम पर पकड़ बनाना भी शामिल है।

स्टार्क ने कहा, 'जब गेंद अधिक हरकत नहीं कर रही होती थी तो मेरे पास अधिक अलग करने के लिए कुछ नहीं हुआ करता था। हां मेरे पास गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता थी लेकिन यह खेल के मध्य के हिस्से में संभव था। बतौर गेंदबाज विकसित होने में मेरे दो करीबी मित्रों जोश हेजलवुड और पैट कमिंस जो कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं, ने मेरी काफी मदद की। मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है। इसके बाद अलग-अलग चरणों में और दुनिया के अन्य हिस्सों में गेंदबाजी करने में मदद मिली।' तीनों तेज गेंदबाजों के बीच का रिश्ता और उनके करियर की ओवरलैपिंग प्रकृति, जिसमें उन्होंने एक साथ 37 टेस्ट मैच खेले हैं, ने भी दोनों की मदद की है। स्टार्क ने कहा, 'मुझे या हम तीनों को इस बात का एहसास है कि हम कितने भाग्यशाली हैं कि हम सब एक ही जगह से हैं। हम साथ में ट्रेनिंग करते हैं, सालों से रिहैब रूम में साथ बैठते हैं।

'आप लोग मजाक बनाते हो, लेकिन मेरे लिए तो...'

अजय देवगन

सन ऑफ सरदार 2 का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हो गया है। हालांकि ट्रेलर रिलीज से कुछ दिन पहले इसका पहला गाना रिलीज हुआ था पहला तू दूजा तू। इस गाने में अजय के फिंगर स्टेप्स काफी चर्चा में रहे थे। इतना ही नहीं कई मीम भी वायरल हुए हैं अजय के डांस स्टेप्स पर। अब अजय ने फाइनली इन मीम पर रिएक्ट किया और बताया कि उनके लिए वो वायरल स्टेप काफी मुश्किल था। अजय ने कहा, 'आप लोग मेरा मजाक उड़ाते हो, लेकिन, मेरे लिए ये भी करना बहुत मुश्किल था। मैंने कर दिया, उसका आप शुक्र गुजार कीजिए।' अजय ने मीम को लेकर कहा, 'मुझे लगता है फनी मीम हैं।

बता दें कि इससे पहले काजोल ने अजय के वीडियो पर रिएक्ट करते हुए कहा था, मुझे लगता है अजय देवगन बेस्ट डांसर्स हैं फिल्म इंडस्ट्री में क्योंकि वह ही ऐसे एक्टर हैं जो अपनी ऊंगलियों से डांस करते हैं। पहले होता था कि चल के आते थे तो म्यूजिक उसके हिसाब से बनता था। अभी तो सिर्फ उंगलियों से कर रहे हैं एक दो तीन चार। सन ऑफ सरदार 2 की बात करें तो इसे विजय कुमार अरोड़ा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में अजय के अलावा मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदु दारा सिंह, रोशनी वालिया और दिवंगत एक्टर मुकुल देव दिखेंगे।
फिल्म को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होगी।

प्रियंका से प्रधानजी ने किया न्यूयॉर्क लौकी भिजवाने का वादा

देसी गर्ल बोलीं- देख रहा है बिनोद...

प्रियंका चोपड़ा और पंचायत के प्रधानजी के बीच बातचीत का एक मजेदार वीडियो सामने आया है। यह वीडियो अमेजन प्राइम की तरफ से रिलीज किया गया है। इसमें प्रियंका प्रधानजी को फुलेरा का स्टार बता रही हैं तो प्रधानजी भी उनकी एक्शन फिल्मों पर चिंता जताते दिख रहे हैं। इतना ही नहीं प्रियंका ने प्रधानजी से लौकी भी मांगी और बताया कि उनके यहां न्यूयॉर्क में लौकी नहीं मिलती है।

वीडियो में रघुबीर बोलते हैं, 'सचिवजी,जरा देखिए तो क्या धमाल मचाया है प्रियंका बिटिया ने। हम शुभकामनाएं दे देते हैं उनको' इसके बाद वह प्रियंका को वीडियो कॉल लगाते हैं। सामने से प्रियंका बोलती हैं, 'नमस्ते प्रधानजी, आपको देखकर बहुत अच्छा लगा।' प्रधानजी बोलते हैं, 'आपकी फिल्म देखी हेड्स ऑफ स्टेट, अच्छा बताइए, आपको प्रियंका बिटिया कहें या एजेंट नोएल बिसेट।' प्रियंका हंसकर बोलती हैं, अरे प्रधानजी आप भी कैसे... इस पर प्रधानजी बोलते हैं, 'पूरे फुलेरा को तुम पर नाज है।' प्रियंका बोलती हैं, अरे तो इसी बात पर लौकी भिजवा दीजिए, न्यूयॉर्क में कहीं नहीं मिलती। प्रधानजी प्रियंका से बोलते हैं कि वो अपना पता एसएमएस करवा दें तो वो सचिव से कहकर लौकी भिजवा देंगे। प्रियंका बोलती हैं, 'देख रहा है विनोद हमारे लिए फुलेरा से लौकी आ रही है।' अब प्रियंका पंचायत की तारीफ करती हैं। वह बोलती हैं, 'पंचायत के इलेक्शन देखे मैंने, स्टार तो मेरे लिए आप ही थे।' प्रधानजी बोलते हैं, 'ये सुनकर तो हमारा सीना चौड़ा हो गया।' इस पर प्रियंका बोलती हैं, सीना क्या, जॉन सीना भी आपका बहुत बड़ा फैन है। प्रधानजी प्रियंका से बोलते हैं कि ऐक्शन जरा ध्यान से करें उन्हें चिंता लगी रहती है। इस पर प्रियंका बोलती हैं कि वह उनकी तरफ से रिंकी की मम्मी को नमस्ते बोल दें। इसके बाद प्रियंका अपनी फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट का प्रमोशन करती हैं।

'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर देख झूमे फैंस

अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसकी चर्चा हो रही है। एक तरफ अजय देवगन की कॉमेडी है तो दूसरी तरफ, संजय मिश्रा, जिन्होंने मजमा ही लूट लिया है। इस बार फिल्म में एक्शन और इमोशन के साथ-साथ कन्फ्यूजन का भरपूर डोज है। करीब 12 सितारों से सजी 'सन ऑफ सरदार 2' को देख फैंस हंसी से लोटपोट हो गए हैं। 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर देख फैंस का कहना है कि यह फिल्म सुपरहिट होगी।

अजय देवगन की कॉमेडी और वन लाइनर्स की तारीफ कर रहे हैं। 'सन ऑफ सरदार 2' के ट्रेलर में कुछ डायलॉग्स भी हैं, जिन्हें सुनकर लोगों की हंसी छूट रही है। एक जस्सी बने अजय देवगन का डायलॉग है- हाए रब्बा, बेबे तो फोल्ड हो गई।' एक और है, 'कदी हंस भी लिया करो।' वहीं संजय मिश्रा के डायलॉग को सुनकर तो सब लोट-पोट हुए जा रहे हैं। एक और डायलॉग की चर्चा है- बोटल के ढक्कन पे मक्खी बैठी थी, रगड़ कर रख दिया जट्ट ने।' यूट्यूब से लेकर X पर फैंस ट्रेलर देख खूब कमेंट कर रहे हैं। 'सन ऑफ सरदार 2' को अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है, और इसी नाम की 2012 में आई फिल्म का सीक्वल है। यह मुकुल देव की आखिरी फिल्म है, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनका 23 मई, 2025 को निधन हो गया। ट्रेलर में मुकुल देव को देख फैंस भावुक हो गए। फैंस ने कहा कि कोई इस फिल्म की बुराई नहीं करेगा, यह मुकुल देव को ट्रिब्यूट है।

कंगना रनौत ने पॉलिटिक्स को बताया महंगी हॉबी

कहा- प्रोफेशन नहीं कह सकते

कंगना रनौत बॉलीवुड एक्टर होने के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी सांसद भी हैं। कंगना अपने काम से जुड़े पोस्ट सोशल मीडिया पर करती रहती हैं। अब कंगना ने हाल ही में पॉलिटिक्स को लेकर कुछ ऐसा स्टेटमेंट दिया है जिसे सुनकर आप भी हैरान हो जाएंगे। कंगना जिन्होंने कुछ दिनों पहले कहा था कि वह अपने सांसद के काम को पसंद नहीं कर रही हैं, उन्होंने अब कहा कि पॉलिटिक्स काफी महंगी हॉबी है।

कंगना ने कहा कि एक सांसद होने के नाते, कोई ज्यादा पैसे नहीं कमा सकता इसलिए उन्हें जॉब की जरूरत होती है अपना घर चलाने की। कंगना ने कहा, 'मैंने हमेशा से यही कहा है कि पॉलिटिक्स काफी महंगी हॉबी है। अगर आप सांसद हैं तो आप उसे प्रोफेशन नहीं मान सकते क्योंकि आपको जॉब की जरूरत होती। अगर आप नेक इंसान हैं फिर तो जरूर ही जॉब चाहिए होगी।' कंगना ने आगे कहा कि उनका बतौर एक्टर सक्सेसफुल करियर है। उन्होंने यह भी कहा कि वह समझती हैं कि आपको जो भी सैलरी मिलती है आपको उससे कुक और ड्राइवर को पैसे देने होते हैं। आपके पास सिर्फ 50-60 हजार रुपये मिलते हैं। यही आपकी सैलरी होती है बतौर सांसद। कंगना ने कहा कि अगर उन्हें अपने कॉन्सटीटुएंसी के किसी हिस्से में कुछ स्टाफ सदस्यों के साथ गाड़ी से जाना है तो लाखों में खर्चे हो जाते हैं क्योंकि हर जगह कम से कम 300-400 किलोमीटर दूर होता है। आपको समझना होगा कि यह काफी महंगी हॉबी है। कई सांसद के बिजनेस हैं या वे बतौर वकील काम कर रहे हैं।
जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लोकसभा में मंत्रियों की कैबिनेट का हिस्सा बनने की उम्मीद है तो कंगना ने कहा कि उन्हें पोर्टफोलियो मिलने की उम्मीद है।

यूट्यूबर का दावा सपने में आईं शेफाली जरीवाला

बताई अपनी आखिरी इच्छा

'कांटा लगा गर्ल' के नाम से फेमस एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के अचानक निधन ने हर किसी को हैरान कर दिया है। निधन के इतने दिनों भी उनके फैंस के लिए इस बात पर यकीन कर पाना मुश्किल हो रहा है की वो अब इस दुनिया में नहीं हैं। शेफाली की मौत 27 जून, 2025 को दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुई। ऐसे में अब इंस्टाग्राम पर एक अजीब वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला जो एक कंटेंट क्रिएटर और यूट्यूबर है उसने दावा किया कि शेफाली उनके सपने में आई और अपनी इच्छा जाहिर की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला शेफाली जरीवाला को लेकर एक अजीब दावा कर रही है। ये महिला वीडियो में कहती नजर आ रही है कि शेफाली उसके सपने में आई, जबकि दोनों के बीच दूर-दूर तक कोई कनेक्शन नहीं है। वीडियो में ये महिला पूरी तरह से जोर देकर ये भी कह रही हैं कि उनका इरादा इस वीडियो के जरिए व्यूज बटोरना नहीं है। वो सिर्फ इतना चाहती हैं कि ये वीडियो शेफाली के पति पराग त्यागी तक पहुंच जाए।

मेरे पास इस वीडियो के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। वीडियो में महिला कहती हैं, 'शेफाली जरीवाला बप्पा को घर लाना चाहती हैं और उनका भव्य स्वागत करना चाहती हैं। सबसे पहले, मैं इस वीडियो को देखने वाले सभी लोगों से अनुरोध करती हूं - कृपया इसके बारे में कुछ भी निगेटिव कमेंट्स न करें। उनके निधन से अभी भी लोग सदमे में हैं। आज सुबह, शेफाली मेरे सपने में आईं। शायद इसलिए कि मैं पिछले कुछ दिनों से उनकी मौत के बारे में बहुत सोच रही थी... शायद यही कारण है कि वह मेरे सपने में आईं। मुझे नहीं पता कि ये चीजें कैसे काम करती हैं या इनका क्या संबंध है। सच कहूं तो, मैं ऐसी चीजों पर ज्यादा विश्वास भी नहीं करती हूं।' महिला ने आगे कहा, 'लेकिन मुझे लगा कि यह मैसेज उसके पति पराग तक पहुंचाना जरूरी है। वह बप्पा का स्वागत धूमधाम से करना चाहती है, वह गणेश जी को घर लाना चाहती है। वह चाहती है कि सब कुछ अच्छे और सही तरीके से हो। यही उसकी इच्छा है - यही उन्होंने मुझे सपने में बताया था। अगर आप इस पर विश्वास करते हैं, तो ठीक है, लेकिन मैं किसी की मौत पर कोई भी व्यूज नहीं चाहती।'

मिस्ट्री बनी ऐक्ट्रेस हुमैरा की मौत

9 महीने सड़ती रही लाश, कोई नहीं पहुंचा

पाकिस्तानी एक्ट्रेस-मॉडल हुमैरा असगर अली की मौत की मिस्ट्री गहराती जा रही है। उनकी लाश कराची में उनके घर से सोमवार को बरामद की गई थी। अब घर से मिले डिजिटल सबूत और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शरीर के कई हिस्सों में मांस नहीं बचा था और हड्डियां छूते ही टूट जा रही थीं। मस्तिष्क पूरी तरह सड़ चुका था और जोड़ों में कार्टिलेज गायब था। इसके अलावा, हुमैरा के मोबाइल से अंतिम आउटगोइंग कॉल अक्टूबर में किया गया था और वॉट्सऐप पर लास्ट सीन का स्टेटस 9 अक्टूबर का है। इन सबके आधार पर दावा किया गया है कि उनकी मौत करीब 9 महीने पहले ही हो गई थी।

पुलिस सर्जन डॉ. सुमैया सैयद ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया है कि जब शव बरामद किया गया, तब वह इतनी बुरी हालत में था कि पहचानना भी नामुमकिन था। चेहरा पूरी तरह गल चुका था और मस्तिष्क पूरी तरह सड़ चुका था। सिर और रीढ़ की हड्डियां अपनी जगह थीं, लेकिन स्पाइनल कॉर्ड गायब थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि शरीर की हालत इतनी खराब थी कि मौत का कारण पता लगाना संभव नहीं हो पाया है। हालांकि, डीएनए प्रोफाइलिंग और टॉक्सिकोलॉजी रिपोर्ट से आगे की जानकारी मिल सकती है। हुमैरा के बाल, कपड़े और खून के सैंपल केमिकल जांच के लिए भेजे गए हैं। हुमैर की बिजली अक्टूबर 2024 में बिल न भरने के कारण काट दी गई थी। पुलिस और कोर्ट के अधिकारियों की टीम अदालत के आदेश पर फ्लैट खाली कराने सोमवार दोपहर करीब 3:15 बजे पहुंची थी।

दरवाजा खोलने पर कोई जवाब नहीं मिला, तो पुलिस ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर प्रवेश करने पर हुमैरा की लाश फर्श पर पड़ी मिली। बताया जा रहा है कि वह पिछले सात सालों से अकेले उसी फ्लैट में रह रही थीं। पड़ोसियों ने बताया कि वह किसी से ज्यादा बात नहीं करती थीं। एक पड़ोसी ने जियो न्यूज को बताया कि हुमैरा का फ्लैट मालिक के साथ किराए को लेकर विवाद भी चल रहा था।
जांच में यह सामने आया है कि हुमैरा का अक्टूबर 2024 के बाद से परिवार, दोस्तों या पड़ोसियों से कोई संपर्क नहीं था।

10वें फिल्मफेयर मराठी अवाड्र्स 2025 के विजेताओं के नाम हुए घोषित

फिल्मफेयर ने 10वें फिल्मफेयर अवाड्र्स मराठी के साथ सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वाले लोगों का सम्मान करने की परंपरा का शानदार दशक पूरा किया। 10वां अवाड्र्स समारोह, 10 जुलाई 2025 को मुंबई के होटल सहारा स्टार में हुआ। इसके प्रस्तुतकर्ता थे द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप। 10वां समारोह प्रतिभाओं के सम्मान के सफ़ल 10 वर्ष पूरे होने की वजह से यादगार आयोजन भी था। सितारों से सजी इस शाम में सिनेमाई कौशल, दमदार एंटरटेन्मेंट और ऐसे यादगार पल देखने को मिले जो मराठी फिल्म इंडस्ट्री के गौरव और सिनेमा से लगाव को बताते हैं।
इन अवाड्र्स के जरिए मराठी सिनेमा के क्षेत्र में शानदार काम करने वाले लोगों का सम्मान किया गया। अवाड्र्स में 1 जनवरी से लेकर 31 दिसंबर 2024 के बीच रिलीज फिल्मों को ही नॉमिनेशन में शामिल किया था। कुछ फिल्मों से इस अवाड्र्स शो में कमाल दिखाने की उम्मीद थी क्योंकि उन्हें दर्शकों ने खासा पसंद किया था। इस शाम में उन फिल्मों का जादू फिर से देखने को मिला। 'फुलवंती' सात अहम पुरस्कारों के साथ अवाड्र्स की सबसे कामयाब फिल्म रही। उसके ठीक पीछे 'पानी' रही, जिसने छह अवाड्र्स हासिल किए। महेश मांजरेकर ने 'जुनं फर्निचर' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष) का पुरस्कार जीता, जबकि प्राजक्ता माली (फुलवंती) और वैदेही परशुरामी (एक दोन तीन चार) ने संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (महिला) के लिए फिल्मफेयर ट्रॉफी हासिल की। अदिनाथ एम. कोठारे को 'पानी' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला, जबकि जितेंद्र जोशी को 'घाट' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स की पसंद) का पुरस्कार मिला। राजश्री देशपांडे को 'सत्यशोधक' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (क्रिटिक्स की पसंद) चुना गया। अवाड्र्स की इस शाम में उत्कृष्ट संगीत को ट्रिब्यूट देते हुए संगीत में उल्लेखनीय योगदान के लिए महान गायिका उषा मंगेशकर को प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा, "मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूं जिन्होंने मुझे यह पुरस्कार देने का निर्णय लिया।

उर्फी जावेद का स्टाइल कॉपी करने वाली लड़कियों पर एक्ट्रेस बोलीं

मुझे नहीं लगता कि...

उर्फी जावेद ने अपने फैशन सेंस से हमेशा सबका दिल जीता है। उनके कपड़ों का स्टाइल देखकर लड़कियां भी काफी इंस्पायर होती हैं। हाल ही में उर्फी ने शो द ट्रेटर्स जीता है। उर्फी का हालांकि कहना है कि वह इस जीत पर ही नहीं रुक गई हैं और अभी उन्हें आगे बहुत कुछ करना है। इसके अलावा उर्फी ने बताया कि उन्हें कैसा लगता है जब लड़कियां उनके स्टाइल को कॉपी करती हैं। उर्फी ने कहा, 'लड़कियों को जो करना है वह करेंगी। मैंने ऐसा कुछ स्टार्ट नहीं किया है। अगर मैं कहूंगी कि हां किया है तो लोग मुझे इंटरनेट पर गाली देंगे, हर चीज के लिए ब्लेम करेंगे। अगर बोलूंगी कि नहीं किया है तो कोई और करेगा। पैप कल्चर तब शुरू ही हुआ था जब मैं इसमें गई। मैंने बस सही टाइम पर चीजें यूटिलाइज कर लिए।' लेकिन आज कई लड़कियां उर्फी से इंस्पिरेशन तो लेती हैं, लेकिन इस प्लेटफॉर्म का आपत्तिजनक तरीकों से यूज करती हैं तो क्या इसका असर उन पर भी पड़ता है? तो उर्फी ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मुझे हक है किसी दूसरी औरत को नीचे गिराने का। मैं किसी को जज नहीं कर सकती कि वो गलत कर रहे हैं। लोगों को जो करना है करे। दुनिया तो है ही जज करने के लिए।'